# The Gazette of India

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 13, 1975 (अग्रहायण 22, 1897) No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 13, 1975 (AGRAHAYANA 22, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

मंत्रिमंडल सचिवालय

कार्मिक श्रीर प्रशासनिक सुधार विभाग प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1975

सं० ए-11/31/75—-श्री एम० एच० खान निरीक्षक, श्रायकर, बम्बई को प्रवेतन निदेशालय के बम्बई क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 24-10-75 (श्राप्ताह्म) से श्राणे श्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन श्रिधकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ए-11/30/75—-श्री टी० जी० काजी, निरीक्षक, श्रायकर विभाग, बड़ौदा (गुजरात) को प्रवेतन निदेशालय के श्रहमदा बाद उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 25-10-75 (श्रपराह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन श्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया जाता है।

> नृषेन बक्सी, उप-निदेशक (प्रणासन)

गह मंत्रालय
महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय श्रौद्योगिक सुरक्षा बल
नई दिल्ली-110003, दिनांक 30 श्रक्तुबर 1975

सं० ई०-38013(3)/24/75-प्रशासन-I—नई दिल्ली को स्थानान्तरित होने पर, श्री श्रार० के० मूर्ति ने दिनांक 15 श्रवतूबर 1975 के श्रपराह्म से दक्षिणी क्षेत्र, मद्रास, के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया श्रीर उन्होंने 18 श्रवतूबर 1975 के पूर्वाह्म से उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रशासन श्रधिकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

एल० एस० **बिष्ट,** महानिरीक्षक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ए० VI-20/73-स्थापना---राष्ट्रपति, कैप्टन मेहर सिंह (रिटायर्ड) को केन्द्रीयरिजर्व पुलिस दल में उप-पुलिस ग्रधीक्षक 10550

(कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर श्रगले श्रादेण जारी होने तक पुनियुक्त करते हैं।

ुउन्होंने उप पुलिस भ्रधिक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टरमास्टर) का कार्यभार भ्रुप सेन्टर, केन्द्रीय रिजर्व पृलिस दल, रामपुर में 1-10-1975 के पूर्वाह्न से सम्भालां।

> एत**ं** एस**ः सक्सै**ना, महानिदेशक, के० रि० पु० दल

वित्त मंत्रालय

(ब्राधिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 8 भ्रक्तूबर 1975

सं० 1037/(ए)— श्री डी० पी० जांबोटकर, मुद्रांक पूर्ति श्रिधकारी को भंडार ग्रिधकारी के पद पर तदर्थ रूप में दिनांक 6 श्रक्तूबर 1975 से 29 फरवरी 76 तक नियुक्त किया जाता है श्रथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाये।

# दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं ० 1170/(ए)—मैं श्री के ० एस० श्रीनिवासन लेखा ग्रिध-कारी, उप-संचालक डाक ग्रौर तार विभाग विवेश्द्रम कार्यालय को लेखाधिकारी के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड मैं 6 नवम्बर 1975 के पूर्वाह्न से पहली ही बार तीन साल के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करता है।

> यि० ज० जोशी, महाप्रबंधक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

# वैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

फा॰ स॰ बी॰ एन॰ पी॰/सी॰/63/75—श्री बी॰ बी॰ सेन, स्थानापन कार्यशाला अधीक्षक (मिलराइट), मध्य रेलवे कर्मशाला, अरेल को प्रतिनियुक्ति पर बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में सहायक इंजीनियर (यांक्षिक) के पद पर दिनांक 12-11-75 (भ्रपराह्न) से एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी, महा-प्रवन्धक

प्रतिभूति कागज काण्खाना होशंगाबाद, दिना रु 13 नवम्बर 1975

सं० पी० डी॰ -7/8609 - इस कार्यालय की प्रधियूचना कमांक पी० डी॰ 7/1438/ 7046, दिनांक 22-9-75 के प्रामे श्री जाय पीटर फोरमेन को 24-10-75 से 2-11-1975 की श्रोर स्वधि के लिए प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद में ६० 840-40-1000-द० ग्र०-

40-1200 के बेतनमान में सहायक कार्य प्रबंधक के रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने की अनुमति दी जाती है चुकि श्री ए० के० घोष सहायक कार्य प्रबंधक छुट्टी पर है।

> रा० विश्वनाथन, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार उड़ीसा का कार्यालय

भुवनेश्वर-751001, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1975

सं० श्रो० स्रो० सी० 863—महालेखाकार ने प्रसन्न होकर निम्नेंकित नियमित श्रनुभाग श्रधिकारियों को लेखा श्रधिकारी का पदभार सम्हालने के लिए, जब तक पुनः श्रादेश नहीं दिया जाता, दी गई तिथि से नियुक्त किया है।

- सर्वश्री ए० बी० महन्ती 15-10-75 (पूर्वाह्न)
   ए० प्रधान 15-10-75 (पूर्वाह्न)
- 3. भार० के० सेन गुप्ता 15-10-75 (पूर्वाह्म)
- 4. सुणील सेन गुप्ता 15-10-75 (पूर्वाह्न) लेखा ग्रिधिकारी के रूप में उनकी वरिष्ठता उपरोक्त कम में हैं।

वी० एस० भारहाज, ज्येष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

मुख्य लेखा परीक्षक का कार्यालय, पूर्वी रेलवे कलकत्ता, दिनांक 1 सितम्बर 1975

सं ० एल | 8 | 74 -- 58 वर्ष की म्रायु प्राप्त कर लेने पर श्री जे ० एन ० बोस लेखा परीक्षा मधिकारी की 31 म्रगस्त 1975 (अपराह्म) से पेंसन स्थापना को म्रन्तरित कर दिया जाएगा भीर उनका नाम विभाग की नफरो से निकाल दिया जाएगा।

सं० एल/8/74—वार्धक्य निवर्तन की ग्रपनी 58 वर्ष की भ्रायु पूर्ण करने के फलस्करूप इस कार्यालय के स्थायी लेखा परीक्षा भ्रधिकारी श्री ए० के० चौधरी 31 ग्रगस्त 1975 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत्त किए गए।

सं० एल/8/74—वार्धेक्य निवर्तन की ग्रंपनी 58 वर्ष की श्रायु पूर्ण करने के फलस्वरूप इस कार्यालय के स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी श्री जि० चटर्जी 31 श्रगस्त 1975 (ग्रंपराह्म)से सरकारी सेवा से सेवा-निवृत किए गए।

एन० जी० सेन, मुख्य लेखा परीक्षक पूर्वी रेलवे

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-12, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 68018(2)/71-प्रणा०- H—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षः लेखा सेत्रा के ग्रधिकारी श्री विनोद बिहारी रे, (जो पुनर्वास उद्योग निगम लि० कलकत्ता, में वित्तीय सलाहकार ग्रौर मुख्य लेखा ग्रधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर हैं) को ग्रनुकम नियम के ग्रधीन कनिष्ठ प्रणागनिक ग्रेड (क० 1500-60-1800-1002000) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए पहली अक्सूबर सन् 1975 (पूर्वाह्म) से आगामी आदेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> एस० के० सुन्दरम, रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्वक (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स फैक्टरियां कलकसा, दिनांक 6 श्रक्तूबर 1975

सं० /4/75/ए०/एम०-श्रधोहस्ताक्षरी ने निम्नलिखित श्रधि-कारी को उनके सामने दर्णायी गई तारीख से श्रागामी आदेश न होने तक, नियुक्त किया :--

नाम व पद	नियुषित स्थान	दिनाक
	म सुन्दर, भ्रार्डनंन्स फैक्टरी	30-4-75
ग्रस्थायी सहायक सर्जन-	-ग्रेड-I चन्दा	(पूर्वाह्न)

श्रार० एम० मजूमदार महानिदेशक, श्राईनैन्स फैक्टरियां

भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, आर्डनैन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 13 नवस्बर 1975

सं० 42/75/जी०——वार्धक्य निवृत्ति ग्रायु प्राप्त कर, श्री एम०एस० सुब्रमण्यम स्थायी प्रबन्धक, दिनांक 31 ग्रगस्त, 1975 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए।

सं० 43/75/जी०—-राष्ट्रपति ने श्री एम० एस०सुक्रमण्यम को पुनर्नियुक्ति पर, श्रस्थायी शबन्धक के पद पर दिनांक पहली सितम्बर, 1975 से एक वर्ष के लिये नियुक्त किया।

> एम० पी० ग्रार० पिल्लाय, सहायक महानिदेशक, श्रा**र्डनै**न्स फैक्टरियां

आर्डनैन्स **इक्लि**पमेन्ट फेंक्टरियां ग्रुप कानपुर, दिनांक 18 सितम्बर 1975

सं०4/जी/प्रो० ई० एफ०--वार्धक्य निवृत्ति श्रायुप्राप्तकर श्री जे० एन० श्रप्रवाल स्थानापन्न उप-प्रबन्धक (मौलिक एवं स्थायी सहायक प्रबन्धक) दिनांक 28 फरवरी 1975 से सेवा निवत्त हुए ।

#### दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० 5/जी/भ्रो०/ई०एफ०---वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री एच० ए० सिंह स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक (मौलिक एबं स्थायी प्रभारी)दिनांक 30 सितम्बर, 1975 से सेवा निवृत्त हुए।

> एस० के० **दर्स,** सहायक महानिदेशक, **ग्राउंनैन्स** फ<del>ैक</del>्टरिया

#### वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक श्रायात-निर्यात का कार्यालय श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 6/1094/75-प्रशासन (राज०) 1—-राष्ट्रपति, श्री श्रदण कुमार, भारतीय प्रशासनिक सेवा को मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 15-10-75 (पूर्वाह्न) से श्रमले श्रादेश जारी होने तक के लिए संयुक्त-मुख्य नियंद्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/1075/75-प्रणा० (राज०) 1----राष्ट्रपति, श्री एस० एस० सक्सेना, भारतीय प्रणासनिक सेवा को जो पहले टैरिक कमीणन बम्बई में सचिव थे, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में 21-10-75 (पूर्वाह्न) से श्रगले श्रादेश होने तक की अवधि के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० डी० कुमार, मुख्य नियंत्रक ग्रायात-नि**र्यात**,

वस्त्र आयुक्त कार्यालय बम्बई-20, दिनौक 13 नवम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(634)—वस्त्र ध्रायुक्त ध्रपने ध्रहमदाबाद स्थित प्रादेशिक कार्यालय के प्रवर्तन निरीक्षक (टेकनीकल) श्री महेश चन्द्र पारीख को 19 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्म से, अन्य ब्रादेश होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निषेशक, द्वितीय श्रेणी (पी ख्रीर डी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा, निदेशक

# बम्बई-20, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० सी० एल० बी० 1/1/6-जी०/75-सूती बस्त्र (नियंत्रण) ग्रादेश, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ग्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व-स्वीकृति से में एतव्द्रारा वस्स्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं०सी० एल० बी 1/1/6-जी/71 दिनांक 13 जनवरी 1972 में निम्नलिखित संशोधन करता हूं, श्रथात्ः

उक्त प्रधिसूचना से संलग्न सारणी में कम संख्या 6 के सामने स्त्रेम 2, 3 भौर 4 में मद संख्या (1)(2) श्रीर (3) में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्न प्रविष्टियों प्रतिस्थापित की जाएंगी श्राचीत:—

<u> </u>	<del></del>	
. 2	3 	4
"(1) निदेशक, उद्योग एवं बाणिज्य	केरल	12(6), 12(6ए), 12(7ए), 12(7एए)
(2) जिला उद्योग प्रक्षिकारी	केरल	12 सी घीर 12 ई 12 (7ए) घीर 12 (7एए)"

सं० 18 (1)/73-75सी० एल०बी०-II---वस्त्र (शिवत-चालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण भादेश, 1956 के खंड-ll में प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए श्रीर केन्ब्रोय सरकार की पूर्व स्वीकृति से में एतद्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं०, 15(2)/67-सी० एल० बी०II/बी० दिनांक 13 जनवरी 1972 -में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, श्रथत्ः--

उक्त ग्रधिसूचना से संलग्न सारणी में ऋमसंख्या 6 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रतिस्थापित किया जाएगा, ग्रर्थात्:—

"निदेशक, उद्योग एवं वाणिज्य"

गौरी शंकर भार्गव, संयुक्त वस्त्र श्रायुक्त

# काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र प्रशासन, गाधी धाम कच्छ, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० एफ० टी० जेड/ए० डी० एम० एन०/7/2/74-विकास भायुक्त काण्डला मुक्त ब्यापार क्षेत्र गांधीधाम-कच्छ महालेखा-कार, गुजरात राज्यकोट के विभाग प्रधिकारी श्री एस० ग्रार० एस० ऐयानगर को लेखाधिकारी काण्डला मुक्त व्यापार क्षेत्र गांधीधाम को बंतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 है प्रिनियुक्ति की सामान्य शर्तों पर 18-10-1975 से कर दी गई है।

एन० विटठ्ठल, विकास भ्रायुक्त काण्डला निर्बाध व्यापार क्षेत्र

#### पूर्ति विभाग

मुख्य वेतन तथा लेखा अधिकारी का कार्यालय

नई विल्ली-110011, विनींक नवम्बर 1975

सं० ए०-32014/75-76/प्रणासन (समन्वय)/4149— मुख्य वतन तथा लेखा श्रधिकारी, पूर्ति, पुनर्वास तथा खाद्य श्रीर कृषि संज्ञालय, नई दिल्ली ने श्रपने संगठन के श्री राम चरण, श्रनभाग ग्रधिकारी (बेतन तथा लेखा) को 22-10-75 (ग्रपराह्न) से मृष्य बेतन तथा लेखा ग्रधिकारी, पुनर्वास विभाग के नई दिस्ली के कार्यालय में ग्रागामी प्रादेश तक बेतन तथा लेखा ग्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है।

इनकी पदोक्षति से नामिका (पेनल)में इनसे वरिष्ठ व्यक्तियों के दावों श्रीर श्रधिकारों पर कोई प्रतिकृल प्रभाव नहीं पड़ता है।

इनकी पदोन्नति मुख्य बेतन तथा लेखा श्रधिकारी के संगठन (बेतन तथा लेखा श्रधिकारी) भर्ती नियम 1974 की एतौं के श्रध्यधीन हैं।

> जे० बी० दत्ता, वेतन तथा लेखा ग्रधिकारी

# पूर्ति क्षया निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा)

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० प्र-1/1 (948)/73—श्री बाबूलाल ने पूर्ति तथा निपटान महानिद्देशालय, नई दिल्ली में वरिष्ठ ग्राधिक ग्रन्वेषक के पद पर श्रवनित होने पर दिनांक 30-9-75 के श्रपराह्न से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कानपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक (सूचना पुन: प्राप्ति) का पदभार छोड़ दिया।

राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में विरुठ ग्राथिक श्रन्वेषक श्री बाबूलाल को दिनांक 18-10-75 (पूर्वाह्न) से पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में तदर्थ ग्राधार पर सहायक निदेशक (सूचना-पुनः प्राप्ति) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं। उनकी यह नियुक्ति श्री जी० एल० चान्दना के स्थान पर की गयी जो पदावनित पर पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में मशीन पर्यवेशक के रूप में स्थानान्तरित कर दिए गए हैं।

सं० प्र०-11/(1030)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्द्वारा निरीक्षण निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में श्रधीक्षक (श्रधीक्षण स्तर-II) श्री जे० एल० शाह को दिनांक 1 श्रक्तूबर 1975 के पूर्वाह्न से तथा श्रागमी श्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता में तदर्थ श्राधार पर सहायक निदेशक (प्रशासन-) (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

के० एल० कोहली, उप निदेशक (प्रशासन)

# इस्पात और खान मंद्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1975

सं० 2181 (एम० एस०)/19बी—सीमा-शुक्ष्क समाहर्ता, बम्बई, से 21-6-1975 के श्रपराह्म से परावर्तन पर, डा० एम० श्रार० सेनगुष्ता ने सहायक रसायनज्ञ के पद का कार्यभार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1 सितम्बर, 1975 के पूर्वीह्म से ग्रहण किया है ।

सं० 2222(एस० बी०)/19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) कु० शुभ्रा भट्टाचार्य को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में श्रस्थाई क्षमता में श्रामे श्रादेश होने तक, 13 श्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म से नियुक्त किया जाता है।

सं० 3(5)/71-(एस० ए०)/19बी—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) श्री णिबदास स्राद्या, बी० ई० को सहायक भूभौतिकी विद (उपकरण) के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, स्रागामी स्रादेश होने तक 10 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जाता है ।

वी० के० एस० वरदन, महा निदेशक

# विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस संस्था

कलकत्ता-19, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० 29-10/72-स्था०—श्री राजकुमार विश्वास को राष्ट्रीय एटलस संस्था में 1 नवम्बर 1975 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेश तक ग्रस्थायी रूप से सहायक प्रबंधक नियुक्त किया जाता है। संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन मान में उनका प्रारम्भिक वेतन 680/- प्रतिमास निर्धारित किया जाता है।

सं० 29-10/72-स्था०--श्री विमल चन्द्र, गराई ने ग्रवकाश पर जाने ग्रौर उसकी समाप्ति पर ग्रराजपत्नित पद पर परावर्तन के परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय एटल्स संस्था में सहायक प्रबंधक पद का कार्यभार 10-10-75 के ग्रपराह्न से छोड़ा।

एस० पी० दासगुप्त, निदेशक

# भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० स्था-I/5021/724-भ० का० स०~-श्री छोटे लाल कनोजी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार श्रिधकारी के स्थायी पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी II में 550-25-750-द० रो०-30-900 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 15 अन्तूबर, 1975 पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

सं० स्था-1/5022/724-भ० का० स०—श्री थिम्मारया रामाचन्द्रा रेड्डी को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में सहायक भण्डार घिकारी के श्रस्थायी पद पर सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी में II

550-25-750-द० रो०-30-900 ६० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 16 स्रक्तूबर, 1975 पूर्वाह्म से स्रगले स्रादेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण, महासर्वेक्षक

# देहरादून, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई०I-5020/1117-एल० पी० ग्रार०—भारत के महा-सर्वेक्षक, डा० जे० सी० भट्टाचारजी ग्रिधकारी सर्वेक्षक, 69 (कम्प्यूटिंग) पार्टी (ज्यो० एवं ग्रनु० शा०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून को सेवा काल की समाप्ति पर दिनांक 1 सितम्बर, 1975 से सरकारी सेवा से सहर्ष सेवा-निवृत करते हैं।

> जे० के० डोनाल्ड, सहायक महासर्वेक्षक

#### विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

ई०-II(7)—इस विभाग की ग्रधिसूचना सं० ई०-II (7) दिनांक 11 जुलाई, 1969 में निम्नलिखित को जोड़ा जाये, ग्रर्थातः वर्ग 3 के श्रन्तर्गत-प्रभाग 1 के श्रन्तर्गत

- (1) प्रविष्टि "इम्प्रुढ़ बिलस्टाईट" के बाद में "एन० जी०-101 श्रीर एन० जी०-201 उत्पादन, परीक्षा श्रीर निर्धारित क्षेत्र पर विचार हेतु 31 मार्च, 1976 तक" को जोड़ दिया जाये। वर्ग 6 के श्रन्तर्गत—प्रभाग 2 के श्रन्तर्गत
- (2) प्रविष्टि "फ्युज ईगनाईटरस" के बाद में "जिम्रोशेप" को जोड़ दिया जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति, मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

# अन्तरिक्ष विभाग भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

<mark>ब्रहमदाबाद-38</mark>0009, दिनांक 21 अक्तूबर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल जाने के परिणामस्वरूप, श्री एच० पी० श्रीवास्तवा, जो कि भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में विदेश सेवा पर हैं, अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र, श्रहमदाबाद में दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से 10 फरवरी, 1977 तक प्रतिनियुक्ति के आधार पर वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (ध्वनि अभिलेखक) के पद पर बने रहेंगे।

यह ऋधिसूचना सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/ 1-1-56/75 दिनांक 11 जुलाई, 1975 के अतिकमण में हैं। सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-57/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल जाने के परिणामस्वरूप, निदेशक, श्री सी० के० कुट्टी को इंजीनियर एस० बी० के पद पर रू० 650—30-740—35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो -40-1200 के वेतनमान में रू० 710 प्रतिमास के मूल वेतन पर भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के माइक्रोवेव प्रभाग में दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 22 अक्तूबर 1975

सं० एस० ए० सी०/ई० एस०टी०/1-1-56/75—निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्रीमती मीरा एस० लिखया को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (सुरम्य अभिकल्पनाकार) के पद पर ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 650/- प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 29 सितम्बर, 1975 से 31 जुलाई, 1976 की अविध तक के लिए नियुक्त करते हैं।

मेजर श्रार० सी० सेमुश्रल, (सेवा निवृत्त) प्रणासन प्रधिकारी-II

## श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० 6(150)/62-एस०-एक---श्री एस० एन० तलगांगी, तदर्थ कार्यक्रम निष्पादक, ग्राकाणवाणी शिमला ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के श्रराजपतित पद पर ग्रपना परावर्तन होने के फलस्वरूप 15 श्रक्तूबर, 1975 के ग्रपराह्म में श्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया।

#### दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० 5(96)/67-एस० एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री टी० के० थामस, को 5 नवस्वर, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, बस्बई में अस्थायी आधार पर, कार्य-कम निष्पादक के पव पर नियुक्त करते हैं।

णांति लाल, प्रणासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

#### नई दिल्ली, दिनाक 17 नवम्बर 1975

सं० 4(40)/75-एस० एक—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा कुमारी राधा वारियर को 31 श्रक्तूबर, 1975 से अग्रेतर श्रादेणों तक, श्राकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम में श्रस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शांती लाल, प्रशासन उप-निदेशक नई विल्ली, दिनांक नवम्बर 1975

सं० 2/4/75-एस०-तीन--महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्द्वारा सहायक इंजीनियर के संवर्ग के निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखे श्राकाशवाणी के केन्द्रों/कार्यालयों में उनमें से प्रत्येक के नाम के श्रागे उल्लिखित तारीख से श्रग्रेतर आदेशों तक स्थानापन्न रूप में काम करने के लिए नियुक्त करते हैं:--

ऋ० सं०	ग्रधिकारी का नाम नाम	तैनाती का केन्द्र/ कार्यालय	नियुक्ति की तारीख
1. %		दूरदर्शन केन्द्र, श्राकाश- वाणी, नई दिल्ली ।	9-10-75
2. 8	गी सुरेन्द्र सिंह -	दूरदर्शन केन्द्र, भ्राकाश- वाणी, श्रीनगर ।	13-10-75

#### दिनांक 19 नवम्बर 1975

सं० 3(9)/68-डी० (एस०) — इस महानिदेशालय की ग्रधि-सूचना सं० 3(9)/68-डी० (एस०) दिनांक 9-12-74 में ग्रांशिक ग्राशोधन करते हुए महालेखाकार, केन्द्रीय, कलकत्ता के कार्यालय के लेखाधिकारी श्री पी० पालित को, क्षेत्रीय इंजीनियर (पूर्व), ग्राकाशवाणी, कलकत्ता के कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर 16-9-74से 15-9-77 तक ६० 840-40-1000—द० रो०-40-1200के वेतनमान में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

> प्रेम कुमार सिन्हा, प्रशासन उपनिदेशक, **कृते** महानिदेशक

# सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय

#### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ए-19012/3/75-सिब्बन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री ए० नंदगोपाल को फिल्म प्रभाग बम्बई में [दिनांक 1-11-1975 से न्यूजरिल ग्रफसर के पद पर नियुक्त किया है।

> एम० के० जैन, सहायक प्रणासकीय श्रधिकारी, **कृते** प्रमुख निर्माता

# नई दिल्ली, दिनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ए-31016/1/75-प्रणासन/उप-सचिव (सूचना)— राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय प्रचार निर्देणालय के स्थायी तकनीकी अधिकारी (आवाज) और स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी श्रिधकारी श्री ए० के० पट्टाबिरामन को 30 सितम्बर 1975 से उसी निर्देणालय में वरिष्ठ तकनीकी श्रीधकारी के पद पर स्थायी से नियुक्त किया है।

सानुजित **भोष, उप सम्बिद** 

# स्त्रास्थ्य श्रौर परिवार नियोजन मंतालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 17 अक्तूबर 1975

सं 11016/1/74-एम० सी०--राष्ट्रपति, डा० जी० सरन को 14 जनवरी, 1972 पूर्वाह्न से केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौलो में उप-सहायक निदेशक (गैर-चिकित्सा) के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नरेन्द्र सिंह भाटिया, प्रवर सचिव

# स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 24 ग्रक्तूबर 1975

सं० 16-42/74-एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने चिकित्सा सामग्री भंडार संगठन के राजकीय चिकित्सा सामग्री भंडार हिपो, हैदराबाद में कार्यालय श्रधीक्षक श्री पी० कुन्हकृष्णन को 24-7-75 के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेशों तक चिकित्सा मामग्री भंडार डिपो, हैदराबाद में महायक डिपो प्रबन्धक के पद पर ग्रस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

संगत सिंह, उप-निदेशक प्रशासन (भंडार) कृते स्व।स्थ्य सेवा महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 1975

सं० 6-9/74-एडमिन०-1-स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री के० एन० टंडन को 20 ग्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न में ग्रागामी ग्रादेशों तक केन्द्रीय ग्रनुसंधान संस्थान, कसौली में पशु सहायक सर्जन के पद परस्थानापश रूप में नियुक्त किया है।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिनाई मन्नालय (ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय (प्रधान कार्यालय)

फरीबाबाद, दिनांक 1975

सं० फाइल 1/170/71-प्रणा० फरीं०-I—-श्री एन० बी० श्रीकांतच्या, भूतपूर्व उप वरिष्ठ विपणन अधिकारी को दिनांक 1 जनवरी, 1967 से विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय में विपणन प्रधिकारी (वर्ग-I) के स्थायी पद पर मूल रूप से नियुक्त किया जाता है।

ंई० एस० पार्थसारथी कृषि विपणन सलाहकार

श्रम मंत्रालय श्रम ब्युरो

शिमला-171004, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

सं० 23/3/75 सी० पी० श्राई—--ग्रक्तूबर, 1975 में भौद्यो-गिक श्रीमकों का श्रखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (श्राधार 1960-100) सितम्बर, 1975 के स्तर से तीन श्रंक घटकर 316 (तीन सौ सोलह) रहा । श्रक्तूबर, 1975 माह का नूसकांक 1949 स्राधार वर्ष परपरिघतित किए जाने पर 384 (तीन सौ चोरासी) स्राता है ।

> त्रानन्द स्वरूप भारद्वाज, संयुक्त निदेशक

परमाणु ऊर्जा विभाग परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 प्रक्तूबर 1975

सं० ए० एम० डी० 1/18/75-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री ए० ग्रार० नाथ को 20 ग्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्म से लेकर ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक के लिए उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक ग्राधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

> एस० रंगनाथन, वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा श्रधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना अंणु शक्ति, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० रापविष/00101/75-प्रशासन/स्थल/362--राजस्थान परमाणु विद्युद्ध परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर इस परि-परियोजना के श्री ए० डी० गुप्त, श्रर्द्धस्थामी वैज्ञानिक सहायक (बी) तथा स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) को इसी परि-योजना में 1 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्म) से श्रागामी श्रादेश होने तक के लिए अस्थायी रूप से वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह, प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

भारी पानी परियोजनाएं बम्बई-40008, दिनांक 10 नवम्बर 1975

संदर्भ: भाषाप/स्थापना/1/व-22/7395—भारी पानी परि-योजनाएं के विशेष कार्य प्रधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक लेखा पाल तथा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री अचुत मुकुंद वैद्या जो अब भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) में उसी ग्रेड में प्रतिनियुक्त हैं को श्री एम० एम० कस्बेकर, लेखा अधिकारी-II जिनकी पद्योभति वित्त तथा लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजनाएं के रूप में हो गई है, के स्थान पर अक्टूबर 15, 1975 (पूर्वाह्न) से नवम्बर 28, 1975 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सस्यकीर्ति, वरिष्ठ प्रशासन ग्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली-110022, दिनाक नवम्बर 1975

सं ए-32013/8/74-ई०(एस०)—-राष्ट्रपति ने श्री श्राई० एस० भटनागर, वरिष्ठ विमान निरीक्षक को 7 नवस्बर, 1975 (पूर्वाह्म) से श्राले घादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

हरबंस लाल कोहली उपनिदेशक, प्रशासन गई विल्ली, विनांक ३१ श्रत्रतुबर, 1975

सं० ए० 32013/14/75ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 20 प्रक्तूबर, 1975 की प्रधिसूचना संख्या ए० 32013/14/75 ई० सी० का स्रांशिक संशोधन करते हुए उस की मद सं० 1 प्रीर 2 का संशोधित रूप इस प्रकार पढ़ा जाए:—

- श्री पी० बी० श्यामरे, संचार ब्रिधकारी, बैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता ।
- श्री पी० पालोज, संचार श्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई।

हरबंस लाल कोहली, उपनिदेशक प्रशासन, कृते महानिदेशक नागर विमानन

# नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर, 1975

सं० ए० 12025/4/75-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने श्री यशपास बला को 27 श्रक्तूबर, 1975 (पूर्वाल्ल ) से श्रगले श्रादेश होने तक श्रस्थायी श्राधार पर रेडियो निर्माण एवं विकास यूनिट सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली में तकनीकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त किया है ।

## दिनांक 15 नवम्बर, 1975

सं० ए० 32014/1/74-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री जी० डी० कुलकर्णी, तकनीकी सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई को 9 सितम्बर, 1974 (पूर्वाह्म) से अगले प्रादेश जारी होने तक तदर्थ श्राधार पर उसी स्टेशन पर सहायक तकनीकी श्रिधकारी के पद पर नियुक्त किया है।

(एतव्द्वारा इस कार्यालय की 3 प्रक्तूबर, 1974 की प्रिधिस्चना संख्या ए० 32014/1/74 ई० सी० का पैरा 2 रह किया जाता है )

# दिनांक 19 नवम्बर, 1975

सं० ए० 32013/1/75-ई० सी०—नागर विमानन विभाग नई दिल्ली में उपनिदेशक संचार के रूप में तदर्थ पदोन्नति की श्रवधि समाप्त होने पर श्री के० श्रंजैया ने 25 श्रक्तुबर, 1975 (श्रपराह्म) से उक्त पद का कार्यभार त्याग दिया है तथा राष्ट्रपति ने उन्हें उसी तारीख से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/4/75 ई० ए०—राष्ट्रपति ने एतदक्षारा श्री मीर श्रनवर, वरिष्ठ विमानक्षेत्र श्रधिकारी को 4 नवस्बर, 1975 से श्रगले श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमान मार्ग और विमानक्षेत्र संगठन में उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के ग्रेड में पदोन्नत किया है। श्री मीर श्रनवर को क्षेत्रीय विमानक्षेत्र नियंत्रक, मद्रास क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट मद्रास के रूप में तैनात किया जाता है।

> विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक प्रशासन

# पर्यटन और नागर विगानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

## नई दिल्ली-3, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई (1) 07159—विध्यालाश्रों के महानिदेशक नई दिल्ली प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के श्रधीन बावतपुर मौसम कार्यालय के स्थानापन व्यवसायिक सहायक श्री एस० डी० प्रसाद को 20 श्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से और श्रागामी आदेशों तक स्थानापन रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० डी० प्रसाद कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के ग्रधीन मोहनवारी मौसम कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

सं० ई(1)07611--विधणालाम्नों के महानिदेशक शिलांग केन्द्रीय भूकम्प वेधणाला के स्थानापम्न व्यवसायिक सहायक श्री एल० के० मिललक को 15 सितम्बर 1975 के पूर्वाह्न से भौर श्रागामी स्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशोषज्ञ, श्री एल० के० मिल्लिक, शिलांग केन्द्रीय भूकम्प वेधशाला में ही तैनात रहेंगे।

#### दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० ई० (1)04261—वेधणालाग्रों के महानिदेशक, पूना के वेधणालाग्रों के उप-महानिदेशक (जलवाय विज्ञान ग्रौर भू-भौतिकी), के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री बी० गोपी-नाथराव को सत्तर दिन की ग्रविध के लिये 20-10-1975 के पूर्वाह्न से 28-12-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री गोपीनाथ राव को 20-10-1975 के पूर्वाह्म से पूना के वेधशालाग्रों के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय में स्थानान्तरित कर दिया गया है।

सं० ई(1)04227—विधशालाश्रों के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री ध्रमरेन्द्र कुमार दत्त को बयालीस दिन की श्रवधि के लिये 20-10-1975 के पूर्वाह्न से 30-11-1975 सक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री ए० के० दत्त कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही सैनात रहेंगे।

सं० ई(1)04224— वेधणालाओं के महानिदेशक बम्बई के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के प्रधीन प्रहमदाबाद मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक श्री एस० एन० सेन को जो कि इस विभाग की दिनांक 12 श्रगस्त, 1975 की श्रिधसूचना संख्या ई(1)04224 द्वारा 18-10-1975 तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियंक्त किए गये थे, 19 श्रक्तूबर, 1975 से श्रौर आगामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक भौसम विशेषज्ञ नियंक्त किए गये थे, 19 श्रक्तूबर, 1975 से श्रौर आगामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक भौसम विशेषज्ञ नियंक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री एस० एन० सेन बम्बई प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के ग्रधीन श्रहमदाबाद मौसम केन्द्र में ही तैनात रहेंगे।

संख्या ई(1)07093 — वेधणालाश्रों के महानिदेशक, वेधणालाश्रों के महानिदेशक नई दिल्ली के मुख्य कार्यालय के व्यव-सायिक सहायक श्री वी० के० मित्तल को 6 श्रक्तूबर, 1975 से श्रीरश्राणामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री बी० के० मित्तल, वेधगालाओं के महानिदेशक के नई विल्ली के मुख्य कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

#### विनांक 17 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 04330---वेधशालाग्रों के महानिदेशक, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री एस० के० साहा को 27 ग्रक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से श्रौर ग्रागामी ग्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० के० साहा, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे ।

सं० ई० (1) 06389-विध्वशालाओं के महानिदेशक, नई दिल्ली के प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के श्रधीन लखनऊ मौसम केन्द्र के व्यवसायिक सहायक, श्री राम स्नेही को 8 श्रक्तूबर, 1975 पूर्वाह्न से श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री राम स्नेही, कलकता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के प्रधीन गोहाटी मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 07099—विध्वालाश्रों के महानिदेशक, नागपुर प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के श्रधीन ग्वालियर मौसम कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री सी० के० जैन को 16 श्रक्तूबर, 1975 के श्रपराह्म से श्रौर श्रागामी श्रादेशों तक स्थाना-पन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री सी० के० जैन, कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के ग्रधीन गोहाटी मौसम केन्द्र में तैनात किए गए हैं।

> एम० भ्रार० एन० मनियन मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाश्रों के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं 1/369/75-स्था० — विदेश संचार सेवा के एतद्बारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्री भगत सिंह को एक श्रल्पकालीन रिक्त स्थान पर 5-5-75 से लेकर 13-10-75 (दोनों दिन समेत) तक की अविध के लिए उसी शाखा में स्थाना-पन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/370/75-स्था०—विदेश संचार सेवा के एतद्वारा नई दिल्ली शाखा के स्थायी पर्यवेक्षक, श्रीबी० के० सूरी को एक ग्रह्मकालीन रिक्त स्थान पर 28-7-75 से लेकर 30-9-75 (दोनों दिन समेत) तक की श्रवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से परियात प्रबन्धक नियुक्त करते हैं।

> एम० एस० कुष्णस्वामी प्रशासन ग्रधिकारी, कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तालय पटना, दिनांक 13 नवम्बर 1975

तं ० 11(7) 5-स्था०-75/10869--श्री एस० डी० चौधरी, स्थानापन्न प्रधीक्षक, द्वितीय श्रेणी, केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा गुल्क समाहर्तालय, पटना दिनांक 31-10-75 (ग्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

हरिनारायणः साहु समाहुर्ता,

# निरीक्षण निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिल्लीना हिनांक 15 नवस्थर 1975

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 नवम्बर 1975

सं० 13/75—श्री एस० रामुजी जो कि पिछले दिनों समाहतीलय हैदराबाद, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में अधीक्षक श्रेणी-2 के पद पर नियुक्त थे, निरीक्षण निदेशालय, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, मध्य प्रादेशिक एकक, हैदराबाद में दिनांक 1-11-75 के दोपहरपूर्व से निरीक्षण श्रधिकारी सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रेणी-2 का कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० फा० 14/75—िनरीक्षण निदेशक, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, नई दिल्ली को यह सूचना देते हुए दु:ख है कि श्री एन०वीरसालिंगम, जो कि निरीक्षण निदेशालय सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के मध्य एकक, हैदराबाद में निरीक्षण श्रिष्ठिकारी, सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 2 पर नियुक्त थे, की मृत्यु दिनांक 30-10-75 को हो गई ।

एम० एस० मेहता निरीक्षण निदेशक सीमा तथा केन्द्रीय उत्पाद शुंल्क

#### बीमानियंत्रक काकार्यालय

#### शिमला-4, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० इन्शयो 19(1)-प्रशा०/74-- सर्व श्री सूरेश ग्रानंद तथा एस० एल० जैन ने, जो इस कार्यालय में प्रवर परीक्षक के पद पर, रु० 840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन भान में नियुक्त किए गए हैं, दिनांक 8 सितम्बर, 1975 की पूर्वाह्म से कार्यभार संभाल लिया है। वे दो वर्ष की श्रवधि तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

> जी० एच० दामले बीमा नियत्नंक

# केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग प्रमुख इंजीनियर कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1975

सं० 27-ई०/सी०(10)/69-ई० सी०-II---केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के श्री के० जी० चोपड़ा, कार्यपालक इजीनियर श्रीर जो दिल्ली लघु उद्योग विकास लिमिटेड, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर थे, बार्डक्य की श्राय प्राप्त करने पर 31-8-75 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

#### दिनांक 3 श्रक्तूबर 1975

सं० 30/5/74-ई० सी०-I---राष्ट्रपति, 1970 में हुई संयुक्त इंजीनियरी सेवा के श्राधार पर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा श्रेणी-I ग्रौर केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा श्रेणी-1 में परिवीक्षाधीन नियुक्त निम्नलिखित सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल ग्रौर विद्युत) की सहायक कार्यपालक इंजीनियरी के वेतनमान में उनके नाम के श्रागे दी हुई तिथि से स्थायी घोषित करते हैं :----

ऋम सं०	नाम	 ग्रेड	 तिथि
सर्वश	त्री .	e e	
1 के०	एस० दिलवारी	' सहायक कार्यपालक	27-11-73
		इंजीनियर (सिविल)	
	ाग सिंह .	–वही	10-11-73
3. के०	श्रीनियासन .	–वही–	20-12-73
4. एच	′० एस० डोगरा	<del>-वही-</del>	1-12-73
- 5 भ्रान	तराम .	⊸वही⊸	8-11-73
	<b>्राम</b> मूर्ति .	वही	24-11-73
7. एम	० के० कचन	वही	15-12-73
8. गुन्न	नूलाल .	–वही∸	29-10-73
			श्रगराह्न
9. सुरे	न्द्र मोहन .	सहायक कार्यपालक	2 <b>9-11-7</b> 3
-		इंजी'नियर (विद्युत)	
10 एस	० गोपाल .	−वही-~	29-11-73

पी० एस० पारवानी प्रशासन उप-निदेशक

# नई विल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

कुमार चौधरी, सहायक कार्यपालक इंजीनियर, गंगटोक केन्द्रीय

मंडल, गंगटोक का 18 ग्रक्तूबर, 1975 को देहान्त हो गया। पी० एस० पारवानी प्रशासन उप-निदेशक **कृते** प्रमुख इंजीनियर

# सलाल जल विद्युत परियोजनाः ज्योतिपुरम, दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० सी ई एस पी/ई सी-44/75/20583-91----श्री कुलभूषण शर्मा को सलाल जल विद्युत परियोजना जम्मू तया कश्मीर में सहायक श्रिभयंता के रूप में प्रतिनिय्क्ति के श्राधार पर स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ रूप में 10-11-1975 की पूर्वाह्म से छः मास की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है।

सी ई एस पी/ई सी-44/75/20592-99----श्री ए० के० कंजवाल को सलाल जल विद्युस परियोजना जम्मु और कश्मीर में सहायक श्रभियंता के रूप में प्रतिनियुक्ति के क्राधार पर स्थानापन्न क्षमता में तदर्थ रूप में 10-11-1975 की पूर्वाह्न को छः मास की अवधि के लिए नियुक्त किया जाता है। एम० एम० एण्डले म्ख्य म्रभियंता संसाल **ज**ल विद्युत परियोजना ज्योतिपुरम (जे० एण्ड के०)

## उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक जुलाई 1975

सं 728ई o / 146 (ई o / ए o ) --- इस रेलवे के सहायक भण्डार नियंत्रक (वर्णा II) श्री हरबिलास सिंह 31 मई 1975 (भ्रपराह्म)से रेल सेवा से भ्रन्तिम रूप से सेवा-निवृत्त हो गए हैं। वी० पी० साहनी महाप्रबन्धक

# कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 एवं नहरकदिया क्रिक वर्कस लिमिटेड के विषय में

#### शिलांग, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० 1208/560/3452--कम्पनी भिधनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा (5) के घनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि नहरकटिया ब्रिक वर्कस लिमिटेड का नाम घाज रजिस्टर से काट विया गया है भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है। एस० पी० विशिष्ट

> कम्पनियों का रजिस्ट्रार श्रसम, मेथालय, मणीपुर, स्निपुरा, नागालैंड,

अरुणाचल प्रदेश व मिजोरम, शिलांग

कम्पनी प्रधिनियम 1956 एवं सेंट्रल माईन्स लिमिटेड के विषय में

# बम्बई, दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० 9282/560 (3)--कम्पनी घिषिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के प्रवसान पर सेंट्रल माईन्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृल कारण दर्षित न

ग्रध्यक्ष

किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० नारायणन कम्पनियों का श्रतिरिक्त रजिस्ट्रार महाराष्ट्र

# कार्यालय, श्रायकर प्रपील श्रधिकरण बम्बई-20, दिनांक 14 नवम्बर 1975

सं० एफ० 48 ए० डी० (ए० टी०)/75-पी०-II--श्री के० बी० श्रीवास्तव, बरीय ग्रधीक्षक श्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई को 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर 15-11-1975 (ग्रपराह्म) से 15-5-1976 (ग्रपराह्म) तक अर्थात् छह महीने की ग्रवधि के लिए श्री एस० ग्रार० वर्मा के स्थान पर ग्रस्थायी क्षमता में तदर्थ ग्राधार पर, ग्राय-कर ग्रपील ग्रधिकरण, बम्बई न्यायपीठ, बम्बई में सहायक रिजस्ट्रार के पद पर स्थानापन्न रूप से सब तक के लिए जब तक कि उक्त पद हेतु संघ लोक सेवा ग्रायोग द्वारा मनोनीत व्यक्ति की नियमित नियुक्ति नहीं हो जाती, जो भी शीझत्तर हो, नियुक्त किया जाता है। हरमान ग्रकर

# श्रायकर श्रायुक्त का कार्यालय बम्बई, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1975 आयकर, राजपत्नित स्थापना

सं० 758—श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43वां) की धारा 117 की उपधारा (2) द्वारा प्रवत्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए मैं० भ्रो० वी० कुरुविल्ला, श्रायकर श्रायुक्त बम्बई नगर-1, बम्बई ने श्रायकर निरीक्षक निम्नलिखित निरीक्षकों को, उनके नाम के सामने थी हुई तारीख से श्रगला श्रादेश होने तक, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए श्रायकर श्रिधकारी, श्रेणी-11 नियुक्त कर दिया है:---

_		
1.	श्री ग्रार० डी० परेरा, निरीक्षक स्पेशल	26-5-75
	रेंज-1, बम्बई।	(पूर्वाह्न)
2.	श्री एल० के० जोगी, तिरीक्षक,सैंद्रल, बम्बई।	29-5-75
		(पूर्वाह्न)
3.	श्रीपी० नारायणन, निरीक्षक, मुख्य लेखा-	26-5-75
	परीक्षक कार्यालय बम्बई ।	(पूर्वाह्न)
4.	श्री के० पी० डी० नायर, निरीक्षक, श्रर्जन	28 <del>-</del> 7-75
	रेंज, बम्बई।	(भ्रपराह्म)
5.	श्री वी० पी० डेनियल, निरीक्षक, सैन्द्रल	31-7-75
	बम्बई।	(म्रवराह्न)
6.	श्री बी० बी० पाटोल, निरीक्षक, सी०-3 वार्ड,	28-7-75
	बम्बई।	भ्रपराह्न
7.	कु० एम० बी० नाईक, निरीक्षक, आयकर	28-7-75
	भ्रायुक्त कार्यालय, बम्बई	(भ्रपराह्न)
8.	श्री एम० के० उदासी, निरीक्षक, वरिष्ठ	28-7-75
	प्राधिकृत प्रतिनिधि का कार्यालय, बम्बई ।	(पूर्वाह्न)

9.  श्री टी० डी० पाटोल, निरीक्ष <b>क</b> , एस०-बी०≁2,	28-7-75
बम्बई।	(पूर्वाह्न)
10 श्रीमती लक्ष्मी श्रीनिवासन, निरीक्षक,कार्या-	28-7-75
लय मुख्य-लेखा परीक्षक, बम्बई ।	(पूर्वाह्न)
11. श्री वाई० बी० एस० एस० भास्करराव,	29-7-75
निरीक्षक, ग्रायकर श्रायुक्त कार्यालय, बम्बई।	(पूर्वाह्म)
12. श्री एच० एच० वजीरानी, निरीक्षक, ए०-4	30-7-75
बार्ड, बम्बई ।	(पूर्वाह्म)
13. श्री के० टी० जोसफ, निरीक्षक, मार्केट वार्ड,	28-7-75
बम्बई।	(ग्रपराह्म)
14. श्री डी० ग्रार० बेनट, निरीक्षक, डी-1 वार्ड,	28-7-75
बस्बई।	(पूर्वाह्न)
15. श्री ग्रार० एस० महाजन, निरीक्षक, कार्यालय-	29-7-75
उपनिदेशकः (खुफिया), बम्बई । 16. श्री पी० एस० पाटोल, निरीक्षकः, कार्यालयः,	(पूर्वाह्न)
•	28-7-75
मुठलेठपर ।	(अपरा <b>ह्न</b> )
17. श्री पी० ए० ग्रब्राह्म, निरीक्षक, कम्पनी सर्कल-1, बम्बई ।	28-7-75 (nafer)
तकल-1, बम्बइ। 18. श्री पी० बी० कुलकार्गी, निरीक्षक, बी०-3	(पूर्वाह्न) 29-7-75
ाठः आ पाण काण भुलकाणा, निराक्षका, बाण्-उ वार्ड, बम्बई।	2 <i>9-7-75</i> (पूर्वाह्न)
वाङ, जन्य २ । 19. श्री एम० माधवन, निरीक्षक, सी०-1   वार्ड,	(ਨ੍ਹਾਂਅ <i>)</i> 30-7-75
वम्बई ।	(भ्रपराह्न)
20. श्री एम० सी० मखीजा, निरीक्षक, कम्पनी,	28-7-75
सर्कल-4।	(भ्रपराह्म)
21. श्री म्रार० बी० म्रहूजा, निरीक्षक, सी०-4	29-7-75
वार्ड, बम्बई।	(पूर्वाह्न)
22 श्री वी० सी० भोला, निरीक्षक, कम्पनी	29-7-75
सर्कल-1, बम्बई।	(पूर्वाह्न)
23. श्री जे॰ मिथया, निरीक्षक, बी॰-1 वार्ड,	1-8-75
बम्बई।	(पूर्वाह्न)
24. श्री सी० टी० थोमस, निरीक्षक, ए०-IIIवार्ड,	31-7-75
बम्बई।	(पूर्वाह्न)
<ol> <li>श्री गंगा राजन, निरीक्षक, कार्यालय ग्रायकर-</li> </ol>	
ग्रायुक्त, बम्बई ।	(पूर्वाह्न)
26 श्री डी॰ पी॰ राठौर, निरीक्षक, कार्यालय,	
उपनिदेशक (खुफिया), बम्बई।	(पूर्वाह्न)
27. श्री डी० के० कम्बाल, निरीक्षक, डी०- $oxed{II}$ वार्ड, बम्ब $oxed{arepsilon}_1$	29-7-75 (पूर्वाह्न)
२. भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व वि	
दिल्ली, के तारीख 25-4-75 के पक्ष सं० फाइल सं०	
प्र०-5 के निबंधनाधीन वे दो वर्ष की अवधिके लि	
पर रहेंगे । यह अविध यथावश्यक बढ़ाई भी जा स	-
इस पद पर जनका स्थायीकरण प्रथवा बने रहना	
श्रवधि को सफलतापूर्वक पूर्ण करने पर निर्भर करेगा।	
-, -,	3446444
<ol> <li>इनकी नियुक्ति पूर्णतः ग्रस्थायी व ग्रनन्तिम की गई है जो किसी भी समय बिना किसी सूचना</li> </ol>	
का गइ ह जाकिसा मासमय बिनाकिसासूचना की जासकेंगी ।	क समाप्त
काणासकमा । स्रो० वी०	क इस्टिक्टर
%।	_

श्रायकर श्रायुक्त बम्बई नगर-I, बम्बई

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, शिलांग

**मिलांग, दिनांक 28 श्रक्टूबर 1975** 

प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 13), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 74(1) दि० सी० का पत्ता नं० 45(1) द्वारा है तथा जो जि० एस० रोड़, पोलिस बाजार, शिलांग में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिलांग में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जून 1975

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री एस० के० बजोरिया पोलिस बाजार, शिलांग। (श्रन्तरक)
- 2. श्री एस० के० चोपरा लाचिमएर, शिलांग (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

हपारक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन के माप 8206 एसकुएर फिट जो प्लाट नं० 74(1) दि० सि० का पड़ी नं० 45(1) में पड़ी है श्रौर साथ में एक कच्चा मकान जि० एस० रोड़, पोलिस बाजार वार्ड शिलांग जिला खासी पहाड मेघालया प्रदेश में स्थित है।

> एगवर्ट सिंग, सक्षम प्रःधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 28-10-1975

प्ररूप ग्राई० टी०एन० एस० -

म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० एल० डी० एच०/सी०/1174/75-76/--ग्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, ग्रायकर ग्रिधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० सिविल लाईन लुधियाना में शीप शैक रोड़ पर 605 वर्ग गज का एक प्लाट है तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1975

1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख मई 1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है →

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिष्ठि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण, में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थातु:--

- 1. श्री जय प्रकाश पुत्र श्री राजा राम निवासी राजपुरा रोड़ सिधिल लाईनज लुधियाना (भ्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम नाथ पुक्ष श्री कुलवंत राय निवासी मण्डी ग्रहमदगढ़ (संगरूर) (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
  प्रविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्धों श्रीर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

एक प्लाट, क्षेत्रफल 605 वर्ग गज जोकि शीप शैंक रोड़ सिविल लाईनज लुधियाना में स्थित है।

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1430 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा है]

विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निवेश सं० जे० डी० श्रार०/8/75-76/—श्रतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्मीर जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 श्रीर ई-29 इन्डिस्ट्रियल एरिया यमुनानगर है तथा जो रामनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मई, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत जक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री जगवीश प्रशाद पुत श्री मूल राज गांव यमुनानगर तहसील जगाधरी (ग्रन्तरक)
  - 2. (i) श्री विद्या सागर पुत्र श्री चमन लाल
- (ii) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री विद्या सागर निवासी यमुनानगर तहसील जगाधरी (अन्तरिती)
- 3. मैं० एवरेस्ट प्लास्टिक और कैमिकल्स ई-28 श्रीर 29, इन्डस्ट्रियल ऐरिया, यमुनानगर (वह व्यक्ति जिसके, श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. (i) श्री सुदेश कुमार सोंगल पुत्र श्री दमोद्र दास, निवासी जगाधरी
- (ii) श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री दमोद्र दास निवासी जगाधरी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 श्रौर 297 इन्डस्ट्रियल एरिया यम्नानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 682 मई, 1975 में सब-रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है)

> विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 22-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० जे० डी० श्रार०/9/75-76/--ग्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 ग्रौर 29 है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर में स्थित है ग्रौर (इससे उपाबब ग्रमुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई, 1975

को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. (1) श्री रंजन प्रकाश पुत्र श्री राम प्रणाद
- (2) श्री दिनेश कुमार पुत्र श्री ईशवर प्रकाश निवासी गांव लाडवा तहसील थानेसर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुदेश कुमार सोंगल पुत्र श्री दमोद्र दास निवासी— जगाधरी। (ग्रन्तरिती)
- 3. मैं० एवरेस्ट प्लास्टिक और कैमिकल्ज ई-28 श्रीर 29, इन्डस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)
  - 4. (i) श्री विद्या सागर पुक्ष श्री चमन लाल
    - (ii) श्री प्रदीप कुमार पूत्र श्री विद्या सागर
- (iii) श्री सुदेश कुमार पुत्र श्री धमोद्र वास निवासी यमुनानगर। (बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 श्रौर 29 इन्बस्ट्रियल एरिया यमुनानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 683 मई, 1975 सब रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है?

> विवेक प्रकाश मिनोचा संक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22-11-1975

# प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

# भायकर श्रष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगह, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० जे० डी० ग्रार०/10/75-76/--ग्रतः मुझे, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269भ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 श्रीर 29 है तथा जो इन्डस्ट्रियल एरिया यमुनानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठक है और यह कि अन्तरक (श्रन्तरकों) भीर अन्तरित (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि खित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त ग्रिश्वनियम', के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त प्रधिनियम', या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उस्त श्रष्ठिनियम', की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रष्ठिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यातः-

- 1. श्री भ्रवदेश कुमार पुत्र श्री राम प्रशाद निवासी गांव लाडवा तहसील थानेसर जिला क्रक्षेत्र (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुदेश कुमार पुत्न श्री दमोद्र दास निवासी जगाधरी। (ग्रन्तरिती)
- 3. मैं ० एवरेस्ट प्लास्टिक धौर कैमिकल, ई-28 धौर 29 इन्डिस्ट्रियल एरिया, यमुनानगर, (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. (i) श्री विद्या सागर पुत्र श्री चमन लाल
    - (ii) श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री विद्या सागर
- (iii) श्री सुवेश कुमार सोंगल पुत्र श्री दमोद्र दास नियासी जगाधरी (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हिसबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिये एतदृद्धारा कार्यवाहियां शुरू करता है।

# उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की लारीख से 45 विन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त श्रिष्ठित्यम', के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/4 भाग प्लाट नं० ई-28 और 29 इन्डस्ट्रियल एरिया यम्नानगर।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 686 मई, 1975 में सब रजिस्ट्रार जगाधरी के कार्यालय में लिखा है)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रज, चण्डीगढ

तारीख: 22-11-1975

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेण सं० डी० एल० ग्राई०/139/75~76/—-श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है ) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० फैक्टरी गैंड गांव डंडीहेरा तहसील फ्रौर जिला गुडगांवा (हरियाणा) है तथा जो गांव डंडीहेरा, तहसील फ्रौर जिला गुडगांवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख, मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है श्रीर यह कि ध्रन्तरक (ध्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11)या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः जब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनूसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:—
3—366 GI/75

- 1. मुख्य ग्रधिकारी, मै० राजा मैकेनिकल कंपनी प्राईवेट लिमिटेड 33-डिप्टीगंज, सदर बाजार, दिल्ली-6 (ग्रन्तरक)
- 2. मुख्य अधिकारी, मैं० एक्सपोर्ट इंडिया कारगोरेणन प्राइवेट लिमिटेड बीं० 1/30-ए, हौज खास, एनकलेब नई दिल्ली-16 (यन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

फैक्टरी ग्रैंड जोकि गांव डंडीहेरा तहसील श्रौर जिला गुडगांवा (हरियाणा) में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 593 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के कार्यालय में लिखा है)

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22 नवम्बर, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० सी० ए० डी०/29/75~76/—-अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा,

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-ए० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1/2 भाग णाप किम फ्लोर नं० 2 सैक्टर 27-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से घ्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात :—

- 1. श्री रनधीर सिंह पुन्न श्री सर्वन सिंह गांव धनानसू जिला लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. सर्व श्री (i) स्वंजीत सिंह पुत्र प्रशन्न सिंह निवासी श्री करनपुर जिला श्री गंगानगर (राजस्थान) (ग्रन्तरिती)
- जनरल मैनेजर, पंजाब स्टेट कोग्रापरेटिव बैंक, चण्डीगढ़।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)
  - 4. (i) श्री शाम सिंह, मकान नं० 6 सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़
- (ii) श्री दर्शन सिंह पुत्र करतार सिंह निवासी गांव भ्रौर डाकघर जंडीयाली जिला जालन्धर।
- (iii) श्री जस्वीर सिंह पुत्र श्री जगप्त सिंह निवासी गांव ग्रौर डाकघर कोटगरेवाल जिला जालन्धर (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविधया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/2 भाग शाप कम फ्लैट नं० 3, जोकि सैक्टर 27-डी, चण्डीगढ़।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 22-11 1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० सी० एच० डी०/53/75-76/----ग्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा.

न्नायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- कु से भ्रधिक है

श्रोर जिसकी सं० 1/2 भाग शाप कम फ्लैट नं० 3 सैक्टर 27-डी है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजर मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधनियम, या धनकर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत:—

- श्री रनधीर सिंह पुत्र श्री सर्वन सिंह गांव धनानस्, जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री (i) दर्शन सिंह पुत्न श्री करतार सिंह निवासी गांव श्रीर डाकवर जंडियाली जिला जालन्धर।
- (ii) जस्त्रीर सिंह पुत्र जगत सिंह निवासी गांव भ्रीर डाक-घर कोट गरेवाल, जिला जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- जनरल मैनेजर, पंजाब स्टेट कोग्रापरेटिव बैंक, चण्डीगढ़।
   (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधमोग में संपत्ति है)
- 4. (i) श्री सर्वजीत सिंह पुत्र श्री प्रशन सिंह निवासी श्री करन-पुर जिला श्री गंगानगर ।
- (ii) श्री शाम सिंह, मकान नं० 6, सैक्टर 16-ए, चण्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की श्रविध या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त गन्वों भीर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

1/2 भाग शाप कम फ्लैट नं० 3 जोकि सैक्टर 27-डी चण्डीगढ़ में स्थित है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 22-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक नवम्बर 1975

निदेश सं ० ए० पी ० 1387:---यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रधिनियम' कहा इसके पश्चात् 'उक्त €), प्राधिकारी 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और भ्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीइत विलेख नं० 10570 मार्च, 1975 में बस्ती चौक जालन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकरी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकृकरण श्रधिनियम, 1908 1908 (1908का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--

- श्री पाल सिंह ग्रटारनी सुन्दर कौर, जसबीर कौर, त्रितपाल कौर उत्तराधिकारी श्राफ डा० सन्तींख सिंह श्राफ जालन्धर , (श्रन्तरक)
- 2. श्री महिन्द्र सिंह, गुरदेवी, बलवीर कौर जसवाल सिंह, डब्ल्यु जी० 323-24 जी० टी० रोड़, निकट बस्ती रोड़, जालन्धर (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रुओहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर केपूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10570 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम श्रधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, जालन्धर

तारीखः मोहरः प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक

1975

निदेश सं० ए० पी०-1388:——यत:, मुझे, रवीन्द्र कुमार, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीइन्त विलख नं० 10536, मार्च, 1975 में है तथा जो सोडल नगर जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब उस्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री तरसेम लाल भारद्वाज, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रोम प्रकाश सपुत्र श्री मेला राम 36 सोडल नगर, जालन्धर। (ग्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब ब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किमे जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं ० 10536 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख:

1975

प्ररूप श्राई०टी० एन० एस०--

# श्रायकर **धधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-**ध**(1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1975

निदेश सं० ए० पी०-1389:--यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार, **आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर ग्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10583 मार्च, 1975 में है तथा को सैन्ट्रल टाउन जालन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भ्रधिक है और भन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की वाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर प्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: अब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री कुलदीप चन्द, कपूर चन्द सपुत्र श्री लभू राम एन० गे० 474सीतलामन्दिर जालन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रन्धीर सिंह सपुत्र जगदेव सिंह निवासी 36 ए० सैन्द्रल टाऊन जालन्धर । (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसुची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10583 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रज, जालन्धर।

तारीख :

1975

प्ररूप भाई • टी • एन • एन • -----

म्रायकर म्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के म्रिवीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायुक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 1975

निदेश सं० ए० पी०-1390:---यतः, मुझ, रवीन्द्र कुमार, भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4727 मार्च, 1975 में है तथा जो मुहल्ला जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, नवां शहर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत ग्रधिक है और यह कि श्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक से रूप कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय था किनी घन या म्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर म्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रिधिनियम या धन-कर म्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

धतः, भव, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-

- 1. श्री जगदीण पाल सपुत्र श्री बाला सिंह निवासी मुहल्ला शहसील नवां शहर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री जगजीत सिंह सपुत्र श्री भगवान सिंह सतपाल सिंह, नरीन्द्र पाल सिंह सपुत्र जगजीत सिंह निवासी राम पुर तहसील फगवाड़ा। (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
     (वह व्यक्ति, जिनके बारे में
     अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
     सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के घर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपडटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 4727 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जालन्धर में लिखा है।

> रवीन्द्र कुमार, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जालन्धर ।

तारीख: 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, श्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

> 4/14-ए, श्रासफ श्रली रोड़ नई दिल्ली । नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/308 (946)/ 75-76/:--यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, श्रायकर श्रिप्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० सी०-24 है, जो नवीन गाहदरा, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है भौर भन्तरक (मन्तरकों) मौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायंकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

. श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्थात्:—

- 1. श्री राम प्रसाद, सुपुत्न श्री भोला नाथ, निवासी 2830, गली नं० 5, कुतब रोड, दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रमरीत श्ररोरा, पत्नी श्री कैंनाश चन्द्र, निवासी 10/18, नवीन शाहदरा, (सी०-24) दिल्ली-32। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मकान जिसका प्लाट नं० सी ०-24 है और क्षेत्रफल 172 वर्ग गज है तथा पुराना नं० 1586/24 है और नया नं० 10/18 है तथा जोकि नवीन णाहदरा एक्सटैन्शन, शाहदरा इलाके में, दिल्ली में स्थित है।

> एसं० एनं० एलं० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 29 नवम्बर, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्याणय, श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए, ग्रासफग्रली रोड़, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निवेण सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1877 (947)/75—76:—यत:, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० (होटल) 1/6 का 1/3 भाग है, जो दूरिस्ट, राम नगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्सरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय था किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्धिय के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, शर्थीत्:——
4—366GI/75

- श्रीमती बीना गुप्ता, पत्नी श्री राजेशवर नाथ गुप्ता, निवासी 73, अनमारी रोड, दिल्ली। (श्रमारक)
- श्रीमती सिवता गुप्ता, पत्नी श्री ग्रार० के० गुप्ता,
   निवासी 16-वी०/4, ग्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यांक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मंजिला मकान का 1/6 भाग का 1/3 हिस्सा जोकि निम्न मंजिल पर बना हुम्रा है जिसका क्षेत्रफल 1803.23 वर्ग गज है तथा जोकि टूरिस्ट होटल के नाम से जाना जाता है, राम नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: घास वाला लॉन तथा सड़क,

पश्चिम : श्रन्य बिहिंडगस

उत्तर : मधु गुप्ता द्वारा ग्रयनाए गए विस्डिंग का हिस्सा ।

दक्षिण : विमला गोयल द्वारा ग्रयनाई गई बिल्डिंग का हिस्सा ।

एस० एन० एन० श्रम्भवाल, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए, भ्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्य०/11/1877 (947)/ 75-76:--यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, ग्रधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/-से अधिक गजार मल्य Ęо श्रौर जिसको सं० (होटल) 1/6 का 1/3 भाग है, जो ट्रिस्ट, राम नगर, पहाड़ गंज, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफक्ष के लिये अन्तरिक्ष की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्थिया के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-भ की उपधारा (1) के ग्रिधीम निम्मलिखित व्यक्तियों. ग्रिबीत्:—

- श्रीमती बीना गुप्ता, पत्नी श्री राजेश्वर नाथ गुप्ता,
   निवासी 73, श्रनसारी रोड़, दिल्ली।
   (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती सविता गुष्ता, पत्नी श्री श्रार० के० गुष्ता, निवासी 16-बी०/4, श्रासफ श्रली रोड, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बाका;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

तीन मंजिला मकान के 1/6 भाग का 2/3 हिस्सा जोिक पहली तथा दूसरी मंजिल पर प्लाट की भूमि पर बना हुआ है जिसका क्षेत्र-फल 1803. 23 वर्ग गज है तथा जोिक टूरिस्ट होटल के नाम में जाना जाता है, राम नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है।

पूर्व: घास वाला लान सथा सड़क,

पश्चिम : श्रन्य बिल्डिंगस्,

उत्तर : मघु गुप्ता द्वारा भ्रपनाई गई बिल्डिंग का हिस्सा । दक्षिण : विमला गोयल द्वारा श्रपनाया गया बिल्डिंग का हिस्सा ।

> एस० एन० एल० **प्रग्रवा**ल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, न**ई दिल्ली**-1

तारीख: 28 नवम्बर, 1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/11/293(941)/75—76:—यत:, मुझे, एस० एन० एल० अप्रवाल, आसकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के प्रधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिल बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक हैं और जिसकी सं० ए०-18 है, जो वैस्ट अजाद नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

4-3-75

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अद्वितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों
  को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
  धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. श्री केहर सिंह, सुपुत्र एस० प्रताप सिंह, निवासी 10/ 123, वैस्ट श्राजाद नगर, कृष्ण नगर के पास, दिल्ली-51। (श्रन्तरक)
- श्री बास देव सरना, सुपुत्र एल० चेत राम सरना, दुकान नं० 343, लाजपत राय मार्किट, दिल्ली-6। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर बना है जिसका क्षेत्रफल 115. 2 वर्ग गज है स्रोर नं० 18, ब्लाक नं० ए (ए०-18) है तथा जोकि वैस्ट ग्राजाद नगर, शाहदरा इलाका, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : गली,

पश्चिम : जायदाद नं० ए०-18 का भाग

उत्तर : गली,

दक्षिण : सङ्क ।

एस० एन० एल० **ध्रमवास,** सक्षम प्राधिका**री,** सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 28 नवम्बर, 1975।

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1 4/14ए०, ग्रसफ ग्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश मं० ऋष्टि० ए० मी०/एक्यु०/11/1870 (939)/ 75-76:—-यत:. मुझे, एग० एन० एन० अग्रत्राल,

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी गं० 4559 है, जो कूचा बीबी गोहर, चरकावालन, दिल्ली-6 में श्रिन है (योर इससे उपाबद यनुसूनी में श्रीर पूर्ण म्हा से विणत है), राजिष्यीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, दिल्ली गंजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 22-3-75

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ग्रन्तरित प्रतिफल लिए है स्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वावन सम्पन्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल रो ऐस **इ**श्यमान प्रतिफल वग़ पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और (म्रन्तरिनियों) के बीच ऐसे म्रन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कांचत नहीं किया गया है .--

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधितयम के ग्रधीन कर देने क श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;
- : ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. श्री जगदीश प्रसाद (2) राजेशवर प्रसाद (3) महेश चन्द (4) श्रोम प्रकाश (5) सत्या प्रकाश (6) प्रेम प्रकाश (7) जय प्रकाश (8) विनोद प्रकाश (9) चमन प्रकाश सभी सुपुत एल० सूरज प्रकाश, निवासी ए०-5, हाउम खास, नई दिल्ली (10) श्रीमती कृष्णा कान्ता, पत्नी श्री उमराग्रों सिंह, निवामी जी०-7, हाउम खास, नई दिल्ली (11) श्रीमती गुणीला देवी, पन्नी श्री रामाकान्त ग्रग्रवाल, निवासी जी०-55, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।
- (2) श्रो गोपाल किशन माथुर, सुपुत्न श्री वाजीर चन्द, निवासी 4559, कूचा बीबी गोहर, चरकेवालन, दिल्ली-6 (2) श्रीमती शकुन्तला रानी, पत्नी श्री वाजीर चन्द, निवासी 4559, कूचा वीवी गोहर, चरकेवालन, दिल्ली-6। (अन्तरिती)
- (3) श्री रघुबीर चन्द (2) दिनेण चन्द (3) राकेण चन्द (4) हरीण चन्द (5) मनदीप (6) राजीव (7) रामेण चन्द (8) छोट् (9) सुरण चन्द (10) श्रीमती राजेशवरी देवी (11) श्रीमती काणगीरन (12) श्रीमती उपा (13) श्रीमती मतु (14) सोनू रानी सुपुत्ती श्री सुरेण चन्द (15) श्रीमती महादेवी पत्नी एल् मूल चन्द, सभी निवासी 4559, कूचा बीबी गोहर, दिल्ली-6।

(बह व्यक्ति जिसके यिश्रिभोग में सम्पत्ति हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक तीन मांचला विविद्या जोकि 268 वर्ग गज जमीन पर बनी है तथा जोकि 4559, वार्ड नं० 6, कूचा, गोहर च खेवालन, दिल्ली में स्थित है।

> एस० एन० एल० ग्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 28 नवम्बर, 1975 ————

#### प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस० -----

द्यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के ग्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजन रेंज-2, दिल्ली-1
4/14-ए० भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 28 नवस्वर 1975

निर्देश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु०/11/1857 (938)/
75-76---यत:, मुझे, एस० एन० एन० ग्रग्रवान,
ग्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं
ग्रौर जिएकी गं० टैनामैंन्ट नं० 1 तथा 2, ब्लाक 25 है, जो रामण
नगर, गई दिल्ली में स्थित है (और इमसे उपावद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर
पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के ग्रधीन 19-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास शरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे म्नन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त यन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों की, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अव उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:---

- श्री सीता राम चड्डा, सुपुत्र श्री सालिंग राम चड्डा, मकान नं सी०-11, सेक्टर बी० तथा सी०, विशाल इन्कलेब, नजफ गढ़ रोड, नई दिल्ली।
   (श्रन्तरक)
- 2. श्री रमेश लाल मदान, (2) हीरा लाल मदान, सुपुत श्री ग्रमर नाथ मदान, निवासी 25/1-2, डब्ल स्टोरीङ, रामेश नगर, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक दुर्माजिला मकान जोकि 125.66 वर्ग गज जमीन पर बता है और टैनामैंग्ट नं० 1 तथा 2 है जोकि ब्लाक नं० 25 (25/1-2), रामेश नगर, नई दिल्ली में हैं।

> एस० एन० एस० अग्रवास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारी**ख**ः 28 नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14-ए० भ्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० अर्हि० ए० सी०/एक्यु०/11/304(940)/ 75-76 --- यतः, मुझे, एस० एन० एल० श्रप्रवाल, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक श्रौर जिसकी सं० 10 है, जो उलदानपुर गांव, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1808 का 16) के अधीन, 22-3-75 पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान अधिक है और ग्रन्तरक प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत (ग्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

म्रतः म्रब 'उक्त प्रधिनियम' की घारा 269-ग के मनुसरण म, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-च की उपधारा (1) के ब्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ब्रथीत्:---

- श्री हंस राज जैन, सुपुक्ष श्री श्रतर चन्द जैन, निवासी 3726, गली चरीवाल, कटरा घुनीमल कागजी, चावरी बाजार, दिल्ली । (भ्रन्तरक)
- 2. श्री रामेशवर दास बंसल, सुपुत्र श्री सुरज भान बंसल, निवासी 76, मोहन पार्क, गाहदरा, दिल्ली-32। (श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम' के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस म्राज्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, खसरा न० 351 है भौर जोकि प्लाट नं० 10 पर, उलधान पुर गांव, रोहतास नगर की प्राबादी शाहबरे के इलाके दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:---

पूर्व: सड़क 24' पश्चिम : सड्क 10'

उत्तर: श्री घीसाराम द्वारा ग्रयनाया प्लाट

दक्षिण: रास्ता।

एस० एन० एस० भ्रम्यवास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्चर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28 नवम्बर, 1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्चर्जन रेंज-2, विल्ली-1
4/14-ए० झासफ श्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-111/741 (7)/75-76---यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० एस०-343(296 वर्ग गज) है, जो ग्रेटर कैलाश-11 नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 5-5-75

# को पूर्वोक्स सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से प्रधिक है पौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के <mark>ग्रधीन कर देने के</mark> धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922का 11) या जक्त मधिनियम, या घन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त श्रधिनयिम, की घारा 2.69-ग के **भनुस**रण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम, की धारा 2.69-**ण** की उपक्रारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीतः :-

- 1. श्रीमती प्रेम वती, पत्नी स्वर्गीय श्री राम किशन दास एन्ड श्री सुनील कुमार, सुपुत्र स्वर्गीय श्री राम किशन, निवासी-165, जोरबाग, नई दिल्ली-3। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हीरा लाल बहल, सुपुत्र श्री उत्तम चन्द बहल, तथा विरेन्द्र बहल, जवाहर लाल बहल तथा सुरीन्द्र लाल बहल, सभी सुपुत्र श्री हीरा लाल बहल, निवासी मैं० उत्तम चन्द हरबंस लाल, कटरा सुभाष, चांदनी चौक, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संस्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास विखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक फीहोल्ड प्लाट की भूमि जिसका नं० 343, नं० ''एस०'' है ग्रीर क्षेत्रफल 296 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-॥, नई दिल्ली-19 में, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :---

पूर्व: रोड,

पश्चिम : सर्विम लेन

उत्तर : प्लाट नं० एस०-341 दक्षिण : प्लाट नं० एस०-345 ।

चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

ता**रीखाः 24** नवस्बर, 1975

# प्ररूप धाई • टी • एन • एस •----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1
4/14-ए० ग्रासफ भ्रली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-Ⅲ/754 (28)/75-76—स्यत:, मुझे, चं० वि० गुप्ते,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सथम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० एम०-81 है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची म पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उस्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींत् :---

- . 1. कुमारी कृष्णा सूद, सुपुत्री श्री ग्रसा नन्द सूद, निवासी सी०-651, लक्ष्मी वाई नगर, नई दिल्ली (लेकिन श्रव) एच०-3, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली-16। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुशीला तलवार, पत्नी श्री जीया तलवार, निवासी 4753/23, श्रनसारी रोड, दरीया गंज, दिल्ली-6। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतब्द्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अधिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता कि से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, ब्रही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फीहोल्ड दुकान का प्लाट का 1/2 भाग जिसका नं० 81, ब्लाक नं०, "एम०" है श्रीर क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम के क्षेत्र के श्रन्तर्गत, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व: दुकान प्लाट न० एम०-80 पश्चिम: दुकान प्लाट न० एम०-82

उत्तर: रोड दक्षिण: रोड़।

> त्रं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः : 24 नवम्बर, 1975

मोहरः

# प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 था 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज -- 1, दिल्ली- 1

4/14-ए, श्रासफ ग्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु॰/1/एस० ग्रार०-III/ मई-1/753(27)/75-76--यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते, ग्रायक्षर ग्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-ए० से श्रधिक है

स्पौर जिसकी सं० एम०-81 का 1/2 भाग है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (स्पौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्पौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, 7-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उणित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---- 5--366GI/75

- 1. कुमारी विमला सूद, सुपुत्नी श्री श्रसा नन्द सूद, निवासी-सी'०-651, लक्ष्मी बाई नगर, नई दिल्ली (लेकिन श्रव) एच०-3, श्रीन पार्ग, नई दिल्ली-16 । (श्रन्तरक)
- 2. श्री श्रनील कुमार रखी, सुपुत्ती श्री राजेण्वर कुमार रखी, इनके संरक्षक तथा मम्मी श्रीगती उषा रखी, पत्नी श्री राजेण्वर कुमार रखी, निवासी एस०-215, ग्रेटर कैलाश-1, नई विल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

श्राधा श्रविभाजित फीहोल्ड दुकान का प्लाट जिसका नं० 82, ब्लाक नं० "एम०" की माफिट है, श्रीर क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी ग्रेटर कैलाण-11, नई दिल्ली, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली में निम्म प्रकार से स्थित है: --

पूर्व : दुकान प्लाट नं० एम०-80 पश्चिम : दुकान प्लाट नं० ए०-82

उत्तर : रोड : दक्षिण : रोड ।

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखाः 24 नवम्बर, 1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०———— ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज 1, दिल्ली-1

> 4/14-ए. ग्रामफ ग्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 नवस्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी'०/एक्यु०/1/एस० ग्रार०-HI/796 (43)/75-76--यतः, मुझे, चं० वि० गुप्ते, अधिनियम, 1961 (1961 **का 43)** (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), 269-खा के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उिचत बाजार मृल्य 25,000/— ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं ०एम ०-63 (दुकान) है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्द्रीकरण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--

- 1. मैं० डी० एल० एफ० यूनाइटिड (प्रा०) लि॰, 40-एफ० कनाट पलैंस, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री सुरीन्द्र कुमार गुष्ता, सुपुत्र श्री राम भज, निवासी 14, श्रजीत श्ररकेड, कैलाश कालौनी, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी अरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

यह सारे अधिकार, टाइटल्स तथा इन्ट्रस्ट जोकि दुकान के प्लाट का जिसका नं० 63, ब्लाक नं० "एम०" है और क्षेत्रफल 195 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, बाहापुर गांव, दिल्ली की यूनियन टैरीटरी, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:——

पूर्व : रोड़ पण्चिम : रोड़

उत्तर : दुकान प्लाट नं० एम०-62 दक्षिण : दुकान प्लाट नं० एम०-64

> चं० वि० गुप्ते, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज⊶1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 24नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए०, श्रासफश्रली रोड, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु ०/11/1868 (935)/75-76--यत:, मुझे, एस० एन० एल० श्रग्रवाल, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 7/20 का 1/3 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणत है), दर्राजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या श्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यत्र उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीत:—— श्री सिवन्दर सिंह साहनी, सुपुत्र श्री किशन सिंह साहनी।
 निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री रनजीत सिंह साहनी, सुपुत्र श्री गुरबच्चन सिंह साहनी, निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में थिए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज जमीन पर बना है भीर नं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैं:---

पूर्व : मकान नं ० ७/21 पश्चिम : भकान नं ० ७/19 उत्तर : मुख्य सड़क दक्षिण : सर्विस लेन ।

> एस० एन० एल० श्रमवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 24नवम्बर, 1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)  $\pi$  ग्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1867(934)/
75-76 --यतः, मुझे, एस० एन० एन० ग्रग्नवान,
ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से ग्रधिक है ग्रौर
ग्रौर जिसकी सं० 7/20 का 1/3 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर,
दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप
से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन
26-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) ओर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 ( 1922 का 11 ) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269 में अनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री गुरचरण सिंह साहनी, सुपुत्र श्री किशन सिंह साहनी, निवासी 1312, सैक्टर 34-सी०, चंडीगढ़ इनके जरनल एटारनी एस० किशन सिंह, सुपुत्र हरी सिंह साहनी के द्वारा, निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रनजीत सिंह माहनी, सुपुत्त श्री गुरवच्चन सिंह साहनी, निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपव्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज जमीन पर बना है और नं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : मकान नं० 7/21

पश्चिम : मकान नं० 7/19

उत्तर : मुख्य सड़क दक्षिण : सर्विस लेन ।

> एस० एन० एल० अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज ।/३, दिल्ली, नई दिल्ली-।

तारीख: 24 गवम्बर, 1975

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्वर. 1975

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/1868 (936)/ 75-76--यत:,मुझे,एस० एन० एल० ग्रग्नवाल.

आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० 7/20 का 1/3 भाग है. जो ईस्ट पटेल नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपावद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 26-3-1975 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- ा. श्री रनधीर मिह साहनी, सुपुत्र श्री एस० किशन सिंह साहनी, निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली [लेकिन श्रव न्यू यार्क (यू० एस० ए०) में है] इनके जरनल एटारनी श्री किशन सिंह, मुपुत्री श्री हरी सिंह साहनी के द्वारा, निवासी 7/20, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रनजीत सिंह साहनी, सुपुत्र श्री गुरवच्चन सिंह साहनी, निवासी एच०-459, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/3 भाग जोकि 200 वर्ग गज जमीन पर बना है ग्रौरनं० 7/20 है तथा ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व: मकान न० 7/21 पश्चिम: मकान न० 7/19

उत्तर: मुख्य सड़क दक्षिण: सर्विस लेन।

> एस० एन० एल० स्रग्नवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली -1

वारी**ख**: 34 ववम्तर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/11/305 (937)/75-76--यत:, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० ए०-4/19 का पश्चिमी भाग है, जो कृष्ण नगर,

और जिसकी सं० ए०-4/19 का पश्चिमी भाग है, जो कृष्ण नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1975

को पूर्वोकन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथीत्:——

- श्री शिव मोहन कपूर, सुगुत्न श्री वेद प्रकाश कपूर, निवासी
   533, गांधी नगर, दिल्ली-31। (ग्रन्तरक)
- $2\cdot$  (1) श्री केहर सिंह, सुपुत्न श्री प्रताप सिंह, निवासी 10/123, बेस्ट श्राजाद नगर, दिल्ली-31 (2) श्री राम लाल डोगरा, सुपुत्न श्री पं० हीरा लाल, निवासी ए०-4/19, कृष्ण नगर, दिल्ली-51 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरूताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### य**न्**त्रची

जमीन का टुकड़ा जिसका क्षेत्रफल 116.5 वर्ग गज है और जोकि प्लाट नं० ए०-4/19 का पिष्चमी भाग है तथा खसरा नं० 352 है और जोकि गोंडली गांव, कृष्ण नगर की प्राबादी णाहदरा, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—-

पूर्व: प्लाट नं० ए०-4/19 का बाकि भाग

पश्चिम : प्लाट नं० ए०-4/18

उत्तर: प्लाटनंऽ 3/19

दक्षिण : सड़का।

एस० एन० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आ**युक्त** (निरीक्षण) अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 20 नवम्बर, 1975

सं श्रार ए० सी ० 164/75-76--यतः, मुझे, के० एम० वेंकट रामन, श्रायकर श्रिधनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिक्षानियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 16-9-571/1 जो पुराना मलकपेठ, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. श्री सैयद मोईनेहीन पिसा सै**ई**दमीर कादरी जी० पी० ए० एग० एम० मकद्म हुमेन 8-2-59 त/4 रोड नं० 10 बनजारा पिल्ग हुँदराबाद । (श्रन्तरक)
- श्रीमती काजा बेगम पति श्रणरा श्रली खान नं० 22-4-562, याकुतपुरा, हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह मूचना प्रारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसृची

सम्पति—एम० नं० 16-9-571/1 पुराना मलकपेट हैंदराबाद, निचे का सता श्रीर जमीन ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 20 नवम्बर, 1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-घ (1) के **घ**घीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) का कायलिय, भ्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० आर० ए० सी० 165/75-76--यतः, मुझे, के० एम० वेंकट रामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० बाग नं० 6-2-25 जगतीयाल है, जो जगतीयाल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, करीमनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 16-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त ग्रिधिनियम घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. (1) श्री धरम राज गोपाल राव (2) कृष्ण भूपालराव (3) राम भूपालराव तमाम चेलमल गाव जगतीयाल सलुक जिला करीमनगर (अन्तरक)
- (1) श्री पेनदीयाला गत्यनारायन (2) बी० शकुन्तला जगतीयाल तलुक करीमनगर, जिला । (अन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के** लिए कार्यवा**हियां कर**ता हूं।

उम्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आभोप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख्र) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

सम्पत्ति——बाग मकान नं० 6-2-25 श्र<mark>मीन वाडी जगतीयाल</mark> तलुक करीमनगर जिला ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख : 24 नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 166/75-76---यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० मडरी नं० 1-युनीटी हाऊस, जो श्रबिद रोड, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 9-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल के पन्न्रह प्रतिगत से अधिक है भौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—6—366GI/75

- हिन्दुस्तान बुलडरस—बिल्डरस् भागदार—हरि किशन ग्राबिद रोड हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती वतसला वाई० पटेल पति वाई० के० पटेल 15-1-664 शीणमहल, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति--मडरी नं० 1 (येक) जमीन का सता युनीटी घर में, श्राबिद रोड, हैंदराबाद विस्तेन 242 वर्ग फुट।

कें० एम० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 24 नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० धार० ए० सी० 167/75-76—–यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 4-1-834 श्राबिद रोड है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 11-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाशार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या घनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रत: म्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के म्रनु-सरण, में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथित ;-

- श्रीमती सरला, पित भगवानदास थाडानी (2) भारती पत्नी मुरलीधर थाडानी 3-5-594/1, नरायनगुडा, हैंदराबाद । (श्रन्तरक)
  - श्री वलीराम पति दयाराम मालाकुनदा, हैदराबाद । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की टारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम,' के ग्रध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं ग्रथे होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति--पहला श्रोर दूसरा गता का मलगी नं० 4-1-834 श्राबिद रोड, हैदराबाद, विर्द्तन---66 वर्ग यार्ड।

> के० एस० बेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद ।

तारीख: 24 नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर 1975

सं० ग्रार० ए०सी० 168/75--76:---यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से श्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० 14-11-52 मनगलहाट है, जो हैं दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैं दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरित की गई है थ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से श्रधिक हैं और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तिरिती (श्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922का 11) या 'उन्त श्रधिनियम' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1. श्री जी० कृष्ण पिता जी० रामस्वामी 14-11-53 कामाटीपुरा मनगलहाट, हैंदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. (1)श्री नरायनलाल यादवु(2)श्रमरचन्दलाल यादवु पिता बाबूराम यादवु 14-8-129 चुडीवजार, हैंदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब्र किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पस्टीकरण-- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम' के श्रद्ध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति--नं ०14-11-52 कमाटीपुरा मनगलहाट हैदराबाद, विस्तर्न 112-87 वर्ग मिटर।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 24 नवम्बर, 1975।

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), का कार्यालय, ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 नवम्बर, 1975

सं० श्रार० ए०सी० 169/75-76:---यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/--रुपये से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० बाग 5-4-92/1 है, जो रानी गंज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, 15-4-1975

# को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भ्रीर अन्तरक (अन्तरिक्यों) भ्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः, अब, उन्तं प्रधिनियम, की धारा 269म के ध्रनुसरण में, मैं, उन्त श्रिधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत्:—

- 1. श्री गियासुद्दीन बाबुकान (2) णहजादी बेगम (3) सुलतानीद्दीन बाबुकान (4) बशीरुद्दीन बाबुकान (5) फरीदाबानु (6) तुराबबानु (7) बदरबानु (8) सईदाबानु (9) जमीला बानु (10) दीलावरबानू (11) नसरतबानु । (ग्रन्तरक)
- 2. मास्टर सुरेन्द्र कुमार श्रग्रवाल, पिता प्रक्लाद राम श्रग्रवाल 1-1-20 एस० पी० रोड़, सिकन्दराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:---

उक्त सम्पत्ति के ब्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :---

- (का) इ.स सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति आग 5-4-92/1 रानी गंज सिकन्दराबाद बीर्स्तीन 373-33 वर्ग यार्ड।

के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीखः: 24 नवम्बर, 1975।

प्ररूप---आई० टी० एन० एस०--

न्नायकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ऋधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 26 नवम्बर 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 170/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है ग्रीर ग्रौर जिसकी सं० 5-8-25 नामपली है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैं दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 7-4-1975 सम्पत्ति के उचित बाजार से दुश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित है श्रौर भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर **प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय** पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

न्नतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त भ्रिधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषांत:—

- मिर श्रहमद सुल्तान पिता फते सुल्तान न० 5-8-23 फतेसुल्तान लेन नामपली हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- श्रीमती कोसाराज् लक्ष्मीकानतम्मा पति सूर्यनारायण म०नं० 5-8-27 श्रौर 28 फतेसुल्तान लेन नामपली हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की श्रविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षितियम,' के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पती—-घर नं० 5-8-25 फतेसुल्तान लेन नामपली हैदराबाद-विस्तेन-749 वरी यार्ड

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख: 26-11-1975

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-, II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

सं० 266/ए०सी०क्यू०23-503/13-1-75-76—-यतः मुझे पी० एन० मिस्तस

म्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० सी० सर्वे नं० 394 है तथा जो साईटो कम्पाउन्ड, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास, वल्लभ विद्यानगर, ता० ग्रानन्द जि० खेटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिम्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रानन्द में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 29-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के षृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

पत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- प्रिंसिधाल ब्राफिसर, साईटो प्रा० लि०, साईटों कम्पाउंड, करमसद रेलवे क्रांसिंग के पास, बल्लभ विद्यानगर, ता० श्रानन्द, जि० खेडा।
   (श्रन्तरक)
- 2. प्रिंसीपाल म्राफिसर, जपसा प्रा० लि०, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास वल्लभ विद्यानगर, ता० म्रानन्द,जि० खेडा। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिथे कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास
  खिला में किये जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूधी

श्रचल सम्पति का वह समस्त भाग जो विठल उद्योग नगर, सब डिस्ट्रीक श्रानन्द, जिला खेडा में हैं तथा जो सब-प्लाट नं० सी०, सर्वे नं० 394 पर 7777 मीटर है जो विठल उद्योग नगर ता० श्रानन्द जिला खेडा में है और जिसकी सीमाएं निम्न प्रकार की हैं:—

पूर्व: साइटो प्रा० लि० का खानगी रोड

पश्चिम: सब प्लाट 'डी' सर्वे नं० 394/1+2--3+4

उत्तर : सर्वे नं० 391

दक्षिण: साइटो प्रा० लि० का खानगी रोड

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11 श्रहमक्षाबाद ।

तारीख : 22-11-1975

प्ररूप ग्राई० टी०एन०एस०---

श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं० 267/ए०सी०क्यू० 23-504/13-1/75-76---यतः मुझे, पी० एन० मित्तल

प्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 'सी', सर्वे नं० 397, विठल उद्योग नगर है, जो साइटो कम्पाउन्ड, करगसद रेलवे कासिंग के पास, ता० श्रानन्द, जि० खेडा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है),रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रानन्द में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरकों के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में जास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत् :---

- 1. प्रिसीपल ग्राफिसर, साइटी प्रा० लि०, साईटो कम्पाउंड करमसद रेलवे कासिंग के पास बल्लभ विद्यानगर, ता० श्रानन्द । (श्रन्तरक)
- प्रिसीपल श्राफिसर, मान्डल प्लास्ट प्रा० लि० पोस्ट बाक्स नं० 8, साइटो कम्पाउंड, करमसद रेलवे क्रासिंग के पास, बल्लभ विद्यानगर, ता० श्रानन्द । (श्रन्तरिती)

भो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त गब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अमुसूची

श्रवल सम्पति का वह समस्त भाग जो विठल उद्योग नगर है प्लाट नं० एफ० सर्वे नं० 397 पर 8665.54 वर्ग मीटर माप है तथा जो करमसद रेलवे क्रासिंग के पास, ता० श्रानन्द जिला, खेडा में स्कन है जिसकी सीमाएं निम्नलिखित हैं:——

उत्तर : सब-प्लाट र्न० 5, साईटो प्रा० लि० का रवानगी रोड ।

(१५ ।

दक्षिण : जी० ग्राई० डी० सी० की सम्पति।

पूर्वः सर्वे तं० 396 पश्चिमः सर्वे तं० 393

> पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारीख : 22-11-1975

### प्ररूप क्षाई० टी० एन० एस०-----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के भधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
भ्रजीन रेंज-II, भ्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1975

सं 268/ए०सी०क्यू० 23-505/13-7/75-76---यतः मझे, पी० एन० मिसल, म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है ), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 326, 327 ए० ग्रौर 327 बी० पैकी खुली जमीन है तथा जो भेहमदाबाद, जिला खेडा में स्थित है (ग्रीर इस से उपाबद्ध श्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेहमधाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन 7-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उम्ल ग्रिधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या

कथित महीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तयों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

ग्रत: अब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों शर्यात्:—

- श्री महबूब इलाही ग्रब्दुलाभाई रोणनाई वाला ।
   श्री मोहमद यसूफ श्रब्दुलाभाई रोणनाई वाला ।
   श्री ग्रब्दुल मजीद ग्रब्दुलाभाई रोणनाई वाला ।
   श्री गुलाम माहयुद्दीन ग्रब्दुलाभाई रोणनाई वाला ।
   श्री गुलाम हसेन ग्रब्दुलाभाई रोणनाई वाला ।
   ग्रपने कुलमुख्तार मेहबूब इलाही ग्रब्दुलाभाई द्वारा ।
   कागडी वाड, कोचरब, ग्रहमदाबाद । (ग्रन्तरक)
- श्री उमाकान्त जेठालाल परीख 885 टोकस्शा-जी पोल, रामखङ, श्रहमदाबाद । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोष्टस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 326, 327 ए० है श्रौर कुल भाप 1 एकड़, 14 गुंथा है तथा 327 बी० जिसका माप 0.04 गुंथा है (कुल माप 1 एकड़ श्रौर 18 गुंथा) तथा जो मेहमदाबाद, जिला खेडा में स्थन है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी मेहमदाबाद के मई, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 497 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज-II, भ्रहमदाबाद ।

तारीख : 22-11-1975

# प्ररूप आई० ही० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निवेश सं० 269/ए० सी० न्यू० 23-415/6-2/ 75-76---यतः, मुझे पी० एन० मित्तल, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास अपने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है भौर जिसकी सं० बी० टीका नं० 13/1 सर्वे नं० 42, कूल माप 230 वर्ग फुट है तथा जो डान्डया बाजार, बडौदा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) 'रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बढ़ौदा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 14-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ब्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की बारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की बारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् ।——
7—366GI/75

(1) श्री रामदास राम कृष्ण कुराने, डांडिया बाजार, बड़ौदा। (श्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीनाक्षी चन्द्रकान्त ग्रमीन (ग्रन्तरिती) मानी निवास, डांडिया बाजार, बडौदा।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा गया है।

# अनुसूची

जमीन य मकान जो सर्वे नं० 42, पी० टीका नं० 13/1, बाबाजीपुरा, डांडिया बाजार, बड़ौदा में स्थित है जिसका कुल माप 230 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, बड़ौदा के मई 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2997/75 में प्रदिशित है।

पी० एन० मित्तल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-॥, ग्रहमदाबाद

तारीख: 21-11-1975

# प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद

श्रहयदाबाद, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० 270/ए० सी० क्यू०/23-419/19-7/75-76----यतः, मुझे पी०एन० मित्तल,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 71 पैकी खूली जमीन है, तथा जो मंजूरा गांव, ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 14-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह अतिएत से ग्राधिक है और यह कि ग्रन्तरिक (ग्रन्तरिक) और अन्तरित (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तिवक हम से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रव उस्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखन व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) श्री ठाकुरभाई भीखाभाई, (ब्रन्तरक) जन्डा गोरी, सग्रामपुरा, सूरत
- (2) राधा कृष्ण इन्डस्ट्रीयल को० ग्रापरेटिव सर्विस सोसायटी लि॰, की ग्रोर से उसके चेयरमैन : दलसुखभाई लक्षनी चन्द कंसारा ग्रां मेनेजर : जयंतीलाल रतिलाल मांडवी वाला कमेटी मेम्बर : जयंतीलाल रतिलाल सूरत । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
  श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही धर्य होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

खुली जमीन जिसका सर्वे नं० 71 पैकी कुल माप 2011-0 वर्ग गज है तथा जो मजूरा गांव ता०वोरासी, जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता घ्रधिकारी सूरत के मई 1975 के रजिस्ट्री-कृत विलेख नं० 2552 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

तारीख: 22-11-1975

प्ररूप० माई० टी० एन० एस०-----

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

निदेश सं XIV | 1 | 1 | 75-76--- यतः, मुझे जी । रामनातन

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से मधिक है ग्रौर जिसकी सं० 34 श्रौर 34-ए० है, जो टी० एम० जी० बिल डिग, सिन्बूबुन्बुरै तिरुनेलवेलि में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, तिरुनेलवेली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन एप्रेल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय के बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसे किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-म के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत् :—

- (1) श्री टी॰ एम॰ जी॰ मोहमद, ग्रबदुल रहिमराऊतर, पेट्ट, तिरुनेलवेलि । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० एस० एम० खतीजा बीबी, पेट्टें, तिरुनेलवेलि । (श्रन्तरिती)
- (3) मैं० रायल मेडिकल स्टोरस ग्रीर ग्ररसन श्रीक ग्रोरक्स (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्री टी॰ एम॰ पी॰ के मोहम्मद गिन, तिस्नेलवेलि। (वह स्थक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित-वद किसी भ्रन्य व्यक्ति क्षारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, ओ उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसची

तिक्नेलवेलि सिन्दुपून्दरं टी० एस० सं० 1099/3 (भाग), 1100/1 बी2 भाग और 1096/4 (भाग) में 286 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) ।

जी० रामनाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 22-11-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०⊸-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 2462/75-76---यत:, मुझे, जी० वी० भागक श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 新 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है भौर जिसकी डोर सं० 9/36, सिवसामि रोड, रामनगर, कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० स्नार० 3, कोयम्बतूर (डाक्मेण्ट 1900/75) में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-5-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमाम प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनिथम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :—— (1) श्री जी० एन० रत्नसामि

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती एस० मीनाक्शी० ग्रम्माल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जिम के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कोयम्बतूर, रामनगर, सिवसामी रोड, डोर सं० 9/36 में 28 सेण्ट की भूमि (मकान के साथ) (नया टी॰ एस॰ सं॰ 9/573)।

जी ० वी ० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-11-1975

मोहरः

प्ररूप भाई • टी० एन० एस०--

भायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रघीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० एफ० 2496/75-76---- यत:, मुझे, जी० वी० झाबक

**भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), इसमें इसके के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, की धारा 269ख यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-ড০ से ग्रधिक है श्रौर जिसकी सैट सं० 11, कास कट रोड कोयम्बतूर (टी० एस० 9/7/2) में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जे० एस० भ्रार० 3, कोयम्बतूर 'डाकुमेण्ट 2038/ 75) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 23-5-1975

के प्रधीन, तारीख 23-5-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्त्रह प्रतिशत से घांधक है भीर धन्तरक (प्रन्तरकों) प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई फिसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित क्यक्तियों, शर्कात:— (1) श्री ग्रार० लक्षमणन

(म्रन्तरक)

(2) श्री एम० वामन

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उबत अधिनियम, के श्रद्धपाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रद्धपाय में दिया गया है।

### अनुसूची

कोयम्बत्र, कास कट रोड, सैट सं $\circ$ 11 में 7 सेण्ट ग्रौर 351 स्कुयर फीट की भूमि (मकान के साथ) (टी $\circ$  एस $\circ$  सं $\circ$  9/7/2) ।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-11-75

# प्रकप नाई• टी• एत• एस•---

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धार। 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निदेश सं०एफ० 1844/75-76—-यतः, मुझे, जी०वी० झाबक.

श्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से. श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 2/144, मींण्ट रोड, मद्रास-6, ग्राउण्ड, ग्राउण्ड श्रीर पहला प्लोर में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एस० श्रार० श्रो० टी० नगर, मद्रास (डाकुमेण्ट 1117) में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित्त की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रति-गत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत ग्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों प्रथातः—

- (1) एच० गुलाम मोहमद ग्रौर
  - (2) मोहमद हुसन श्रीर
  - (3) जमीला बेगम।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री पी०पी० मुस्ताफा श्रौर
  - (2) एम० पी० पुरूशोतमन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति <mark>के अर्जन के लिए</mark> कार्ये**वाहि**यां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति ने
  हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:-इयमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसृची

मद्रास-6, मौण्ट रोड, डोर सं० 2/144 में ग्राउण्ड, ग्राउण्ड फ्लोर भ्रीर पहला फ्लोर।

जी० वी० झाबक सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 24-11-75

# प्ररूप आई० धी० एन० एस०----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निदेश सं० 91/म्रर्जन/फिरोजाबाद/75-76/1936--म्रतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्वात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी संब्धनुसूची के श्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के धनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, फिरोजाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6/3/1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से उसके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीषत सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बावत उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के अन्तर के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर म्रधिनियम, 1922, (1922 का 11) या 'उक्त म्रधिनियम' या धनकर म्रधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथितः—  श्रीमती स्थाम कुमारी विधवा श्री टीकम सिंह नि० टापाखुर्द पर० व तह० फिरोजाबाद, जि० श्रागरा।

(अन्तरक)

- 2. (1) तिलक सिंह
  - (2) मुलायम सिंह
  - (3) श्रजयपाल सिंह पुत्रगण तुरसीराम
  - (4) लाल सिंह पुत्र नत्थु सिंह
  - (5) मेघा सिंह पुत्र भोला सिंह ग्रीर
  - (6) बनवारीलाल
- (7) श्री सुखपाल पुत्रगण हरीकिसन नि॰ नगला दवारी ग्राम व पोस्ट भदाना तह॰ जसराग जि॰ मैनपुरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त गन्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्राम टापार्खुद तह० फिरोजाबाद में स्थित भ्रवल सम्पत्ति जो रक्तवा 268 में III 3,270 में 0 4113,277 में 2113, 283 मे 11113,304 में 611, 337, व ख, 11, 373, 1112, 380 ग्र, 1, 375, 3, 1, 574, 1112, 589 व ख, 114, 372 व, 12 303, 1-1-2, 589, 1, 2 इसका हस्तान्तरण 80,000/में किया गया है।

एफ० के० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-11-75

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रें**ज**, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 नवम्बर 1975

198/म्रर्जन/वेहराषून/74-75/1937---निदेश सं० श्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर द्मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्धात् 'उक्त श्रक्षिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूरुय 2*5*,000/-र∘ से अधिक है उचित बाजार ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है तथा जो ग्रनुसूची के अनुसार में स्थिति है (ब्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, **सारीख** 1-4-1975 सम्पत्ति के उजित बाजार मृल्य से कम के प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

श्री रवीन्द्र कुमार खन्ना पुत्र मदनलाल खन्ना नि०
 राजपुर रोड देहरादून।

(ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्री सरदारी लाल श्रोबराय पुत्र श्री जीवन सिंह श्रौर
  - (2) श्री राकेश कुमार ग्रोबराय ग्रीर
- (3) श्रमरीस कुमार श्रोबराय पुत्रगण सरदारीलाल निवासी 2 ए० रेस कोर्स रोड देहरादून।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ग्रनल सम्पत्ति जो खसरा नं० 425 में 0.39 एकड़, 426 में 0.76 एकड़, 428 में 0.49 एकड़ 430 में 0.69 एकड़ 431 में 0.0.42 एकड़, 432 में 0.30 एकड़ 433 में 0.48 एकड़, 434 में 0.43 एकड़ 435 में 0.70 एकड़ 436 में 0.32 एकड़, जिसका कुल क्षेत्र फल 4.98 एकड़ है इसका हस्तान्तरण 42,425 में किया गया है। जो ग्राम हररावाला, परगना परवा जि॰ देहरादून में स्थित है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 12-11-1975 प्रर्जन रेंज, कानपुर

# प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मूचना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, महायक स्रायकर द्यायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक ७ नवम्बर 1975

निदेश नं० 284/उपन्युजीभन/कानपूर/1938---श्रतः मुझे, एफ० जे० बहादूर म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में श्रौरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-4-1975 के उचित बाजार मृत्य से कम पूर्वोक्त सम्पत्ति दुश्यमान प्रतिफल

- का पूर्वाक्त सम्पात के अवत बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्धोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्यात्:—8—366GI/75

- 1. श्री देवीदास कपूर मनैजर जीत मतकपूरदूरट, निवासी गया प्रसाद जेन कानपुर (2) श्री माधो राग बाधम पुत्र श्री कर्ता राम निवासी 133/38, जूही , कानपुर (3) श्री राजा राम पुत्र श्री कर्ता राम निवासी 133/38, जूही, कानपुर। (शन्तरक)
- (1) थी राम लुशाया अरोग पुत थो शोगा राग
   (2) थी रमेश चन्द पुत थी राम लूभाया अरोग निवासी
   111ए/102 अशोक नगर कानपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० 64 का उप प्लाट नं० 9 ब्लाक श्रो० गोविन्द नगर कानपुर में स्थित है जोकि 36.205 रु० मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम ग्रंधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), (श्रर्जन रेंज), कानपुर

तारीखाः 7-11-75

परूप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत गरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुका (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रोज, भानपुर

कानपुर, दिनांक 7 नवम्बर 1975

निदेश मं० 285/एक्पूजीणन/ कानपुर/1339—न्यतः गुझे, एफ० जे० वहादुर श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्जात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 25,000/— ६० से अधिक है और जिनकी मं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणतक है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

- जीतमल कपूर द्रस्ट द्वारा देवी दाम वपुर नि० 45/62 गया प्रशाय लेंग कामण्ड
- (2) मोधो राम बाथम पुत्र कर्ताराम निरु 133/38 जुही, कानपुर
- (3) राजा राम बाथम पुत्र कर्ना राम नि० 133/38, जुही , कानपुर (श्रह्मरास्ट्र)
  - 2. (1) कुमारी सावित्री देवी गुष्ता
  - (2) कुमारी सीता देवी गुण्ता
  - (3) कुमारी वीनीता देवी गुप्ता संरक्षण श्री सतीण चन्द्र स्ता
- (4) श्री सतीण चन्द्र गुप्ता नि० 49/48, नौधरा, कानपुर,

को यह सूचना जारी करके पू**र्वी**क्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजप्रक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों, का जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूखी

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 64 का उपप्लाट नं० 4 ब्लाक 'श्रो' स्कीम 1 जो गोविन्द नगर में स्थित है श्रीर जोकि 24,000 रु०. मूल्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 7-11-75

मोहर:---

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

न्नायकर त्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सङ्गयक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, ध्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निदेश सं० 286/म्रक्यूजीशन/कानपुर/1340--म्नतः मुझे, एफ० जे० बहादुर

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है तथा जो श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भ्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रधिनियम', गा धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त श्रिधिनियम', की धारा 269ध की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--

- 1. जीत मल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर, मनैजर, 45/62 गया प्रसाद लेन कानपूर
- (2) श्री माधो राम बाथम पुत्न कर्ता राम नि० 133/38 जूही, कानपुर।
- (3) राजा राम वाथम पुत्र क्तः राम नि० 133/39 जूही, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री शेलेश चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री देवी प्रसाद गुप्ता (2) श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता पुत्र श्री देवी प्रसाद गुप्ता निवासी 49/1-बी०, नौधरा, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति प्लाट नं० 64 का उप प्लाट नं० 3 ब्लाट श्रो, स्कीम 1 जो कि गोबिन्द नगर में स्थित है श्रौर जोकि 24,000 ६० मृत्य में हम्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० ब**हादुर** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 6 नवम्बर 1975

288/ग्रक्यूजीशन/ कानपुर/1342--श्रतः निदेश सं० मुझे, एफ० जे० बहादुर श्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया पश्चात् है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से अधिक है, श्रौर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार में स्थित है (अौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उम्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या,
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. जीतमल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर नि गया प्रसाद चोक, कानपुर (श्रन्तरक)
- (2) श्री माधो राम काथम पुत्र श्री कर्ता राम 133/38 जूही, कानपुर। (श्रन्तरिती)
- (3) श्री राजा राम काथम पुत्न कर्ता राम नि० 133/38, जूही, कानपुर।
  - 2. श्री रमेश चन्द्र गेंप्ता पूत्र श्री देवी प्रसाद गुम्त
- '2) श्रीमती माया देवी गुप्ता पुत्री श्री देवी प्रसाद गुप्ता नि॰ 59/1 बी॰, नौधरा, कानपुर।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, मुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### अमुसूधो

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 64 का उप प्लाट नं० 1 जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है श्रौर जोकि 34,534 ६० मृत्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-75 मोहर:— प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर,दिनांक 7 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 287/,श्रक्यूजीशन/कानपुर/1341---यतः मुझे, एफ० जे० वहादुर

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं श्रमुसूची के श्रमुसार है तथा जो श्रमुसूची के श्रमुसार स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुद्दी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

मत: भ्रब उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- (1) जीतमल कपूर ट्रस्ट द्वारा देवी दास कपूर कि० गया प्रसाद लेन, कानपुर
- (2) श्री माधो राम काथम पुत्न कर्ता राम नि० 133/38 जूही, कानपुर ।
- (3) श्री राजा राम काथम पुत्र श्री कर्ता राम, 133/39 जूही, कानपुर।

(भ्रन्तरक)

- (1) श्री शरीच चन्द्र गुप्ता पूज श्री देवी प्रसाद गुप्ता
- (2) श्रीमती माया देवी गुप्ता पुती श्रीदेवी प्रसाद गुप्ता नि० 49/1 बी नौषरा, कानपुर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति प्लाट नं० 64 का उप प्लाट नं० 2 जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है ग्रौर जो कि ृ24,000 रु० मृत्य में हस्तान्तरित किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 6-11-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

आयकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, दिल्ली-1

4/14ए ग्रासफ ग्रली रोड,

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1975

निर्देश सं ० ग्राई० ए० सी ०/एक्यु० 1/1/1869 (952)/75-76 ---यत:, मुझे एस० एन० अग्रवाला न्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 ), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 89-ए० है, जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार भ्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विष्वास करने का कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है श्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त ग्रन्तरण सिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया है :---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त भ्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत ग्रिधनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं यन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में भुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रव 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उनत म्रधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रशीत :--

- 1. श्रीमती गेंदी देवी बिन्दावाला पत्नी श्री तारा चन्द बिन्दावाला निवासी 6, हंस पुकार फस्ट लैन, कलकत्ता-7 द्वारा स्पेशल ग्रर्टानी श्री सोहन लाल शर्मा पुत्र श्री बनारसी दास शर्मा निवासी: 3948, नया बाजार, दिल्ली-6 (ग्रन्तरक)
- 2. थी अमर नाथ और श्री गोरधन दास पुत्र लाला बिशम्भर दयाल निवासी: 4064, नया बाजार, दिल्ली । (अन्तरिती)
- 3. मर्बश्री (1) जगदीश प्रसाद, (2) जमना दास, (3) श्रीसत नारायन (4) बनारसी दास, 89-ए०, कमला नगर, दिल्ली।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जयदाद नं० 89-ए० कमला नगर सब्जी मण्डी दिल्ली जो कि ग्रच्छी बनी है जिसका क्षेत्रफल 371 वर्ग गज है जो कि सभी अधिकारों सहित है तथा निम्न प्रकार से घिरी हुई है : ----

उत्तर: सङ्क

पूर्व: सङक

दक्षिण: सडक

पश्चिम: मकान नं ० 8 8 ए०

एस० एन० एल० अप्रवाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तर्शिख : 3 दिसम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर श्राधिनियम, 1961 (1961 थ। 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सुमना

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1/2, दिल्ली—1  $4\Delta/14$  ग्रासफ ग्रली रोड नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर, 1975

निर्देश सं० **प्राई**० ए० सी०/एक्यु० 11/301 (953)/75-76 ─पतः, मुझे एस० एस० एल० श्रग्रवाला, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी संव प्लॉट नंव 6 ब्लाक नंव 14 है, जो कृष्ण नगर, इलाका शाहदरा, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम, के श्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :----

- श्री जोगिन्दर पाल पुत्र श्री पेली राम हांडा निवासी. ची० 1/657.कुदनपृरी, पुशियाना (पजाब) (अन्तरक)
- श्रीमती उमा रानी पत्नी श्री ग्रोम प्रकाण हांडा निवामी वी०-14/6, कृष्णा नगर, दिल्ली-51। (ग्रन्नरिनी)
- श्री श्रोम प्रकाश हांडा निवासी/ बी०-14/6, कृष्ण नगर, दिल्ली। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के द्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों थ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

डेढ़ मंजिला मकान जिसका क्षेत्रफल 245.1/2 वर्ग गज है जो कि प्लाट नं ० ६ व्लाक बी० 14 पार्ट खसरा नं ० 516/482 जो कि अधिकृत कालोनीकृष्णा नगर के गांव घोंडली इलाका शाहदरा दिल्ली 51 में निम्न प्रकार से घिरा है :--

उत्तर: प्लाटनं० बी०-13/6 बना पूर्व: प्लाटनं० वी० 14/5 बना

दक्षिण : सङ्क पश्चिम : बी०-14/7

> एस० एन० एल० भ्रग्नवाला सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 3-12-1975

## प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 60/61 एरेडवना, कर्वे रोड, पूना 41100 4 पुना, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/बम्बई (भिवंडी)/जुन 75/266/75-76--यतः, मुझे, एच० एस० श्रीलख श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 25,000/- ६० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० स० ऋ० 43/7 प्लाट नं० 2 है तथा जो मौजे कामतघर भिवंडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वंबई में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन तारीख 19-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रम्तरण

(क) म्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रधिनियम, के श्रदीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:——

श्री रतीलाल मेघजी शाह
 34, तुकाराम जवाजी रोड, ग्रांट रोड बंबई-7। (ग्रन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती पवन राजेंद्र जैन.
  - (2) शीमती हेमलता राज भूषणांच 1, गोविद कुंज, नेहरु रोड. गूलुंड, बंबईब-80 ।(ग्रन्तरिती)
- 3. सर्वधी (1) श्रश्विनीकुमार देवराज, (2) ते लक्जी गोबिंदजी, (3) जाई मल हजारीगल, (4) रमेणकृगार गांधी, (5) वाव्वाल पृथ्योत्तम (6) विवास बालकृष्ण वैहे, (7) मिश्रीगल भिकमचंद, (8) श्रविकार टी भंडार, (9) तिभलाबेन के शाह, (10) लंद्रशांत जब्हेर चंद,
  - (11) धीरजलाल जीवराज श्रौटका, (12) जयंती भाई,
  - (13) केशवजी वीरपाल, (14) नेमचन्द खेटणी,
  - (15) श्रे० डी० गलया, (16) रामजी बेलजी गाला, सभी रहने वाले : स० नं० 43, प्लाट नं० 2, कामत्वयर, भिवंडी, थाना।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त ग्रन्दों और पदों का. जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

फी होल्ड प्रापर्टी—मकान स० नं० 43/7, प्लाट नं० 2, रजिस्ट्रेशन सब-रजिस्ट्रीकृत भिवंडी, मौजे वामतधर, भिवंडी थाना रोड, भिवंडी । क्षेत्रफल : 1337.76 वर्ग मीटर्स, तक मजला—222 वर्ग यार्डस्,

पहिला मजला---- 177 वर्ग यार्डस्, (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 1220 जून, 1975 में सब-रजिस्ट्रार बंबर्ड के दफ्तर में लिखा है) ।

> एच० एस० ग्रीलख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-पूना

तारीख: 22 नवम्बर 1975

प्ररूप आई० टी• एन० एस०~--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं॰ ग्रई॰ 5/318/75-76— श्रतः, मुझे जे॰ एम॰ 27

मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 5 बम्बई श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 25 सेक्टर नं० 4 एम० एन० 320 है, जो चेम्बर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय बम्बई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 4-4-1975

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—
  - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के निए; और/या
  - (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः भव उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रिष्ठीत :---- श्री राजु सीदध् शेट्टी

(भ्रन्तरक)

2. श्री चेंबर रुपकला को० ग्रोप० हाउ० सोसायटी लिमि० (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्ज़न के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सुचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिलित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रश्नुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

बृहत्तर बम्बई के बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेशन उप जिले बान्द्रा, चेम्बूर में जो कि श्रंब बम्बई नगर और उपनगर के रजिस्ट्रेशन जिले एवं उपजिले में स्थित है, भूमि अथवा मैंदान का वह तमाम भाग अथवा टुकड़ा जो कि सेक्टर सं० 4 में प्लाट सं० 25 है तथा माप में 752-52 वर्ग मीटर (900 वर्गगज) है उस भूमि का भाग है जिसका सर्वेक्षण सं० 320 हैं, तथा जिसकी सीमाएं इस प्रकार से विशेष हुई हैं पूर्व में अथवा पूर्व दिशा की और सेक्टर 3 और 4 के बीच 44 फुट प्रस्तावित म्युनिसिपल सड़क है, पश्चिम में अथवा पश्चिम दिशा की और सेक्टर सं० 1 और 4 के बीच 44 फुट प्रस्तावित म्युनिसिपल सड़क है, उत्तर में अथवा उत्तर दिशा की और 44 फुट म्युनिसिपल सड़क है और दिश्वण में अथवा दक्षिण विशेष की और सेक्टर सं० 4 में प्लाट सं० 36 और 35 है तथा प्रापर्टी है जिसकी सी० टी० एस० सं० 661/सी० 1 1 है।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 5, बम्बई।

तारीख: 24 नवस्बर, 1975

मोहर:

9-366 GI/75

# प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी०/74/75-76--यत:, मुझं, के० एस० वेंकट रामन आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित भाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है **भ्रो**र जिसकी सं० बाग नं० 3-5-141/2/7 ईंडन गारडेन हैं, जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 8-4-1975 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए रजिस्द्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिधिनयम, के अधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रब, उन्त अधिनियम की द्यारा 269-म के भ्रनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रधील, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:—

- 1- श्री नवाब बैजत जहां बहादर 3-5-141/2/7 ईंडन गारडन, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री नवाब इमदादजा बहादर 3-5-121/एफ०/1 ईडन गारडन, हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध जो भी भविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी अपक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पर्वों का, जो उम्त ध्रक्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं धर्ष होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

सम्पत्ति — बाग घरकिन 3-5-141/2/7 ईडन गारडन किंग कीठी, हैवराबाद विस्तंन — 200 वर्ग-यार्ड ।

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 1-12-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजन रेंज, हैदराबाद

सिकन्दराबाद, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदश सं० श्रार० ए० सी० 171/75-76—पत:, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 4-5-8 ता 10 सिकन्दराबाद है. जो

प्रौर जिसकी सं० 4-5-8 ता 10 सिकन्दराबाद है, जो लालागुडा बजार में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 3-4-1975

(1908 का 16) क अधान 3-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, सक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थातु:—

- श्री (1) ई० पोधमा (2) ममोडी (3) नयनम्मा,
  (4) मधुसुधन (5) पालमुना (6) यम० धेनया मकान नं०
  2058 लालागुडा बजार, सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ई० जे० फरीक-फिता-धेडी-परीक नं० 6 जीरा सिकन्दराबाद (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तरसंबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धिकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अमुसुची

सम्पत्ति —बुलडीन्ग नं० 2058 (नया नं० 4-5-8 ता 10) लालागुडा बजार-विस्त नं०-388 वर्ग मीटर ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 28--11--1975

६० से प्रधिक है

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

मागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदम सं० ग्रार० ए० सी० 172/75-76—यतः, मुझे, के० एस वेंकट रामन ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

श्रीर जिसकी सं शाप नं 11 युनीटी होज है, जो श्राबीद रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्जा अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीइत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बवने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- हिन्दुस्तान बुलईस पाटनर हरीकी शन-बशीरबाग, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2.~(1) श्रीमती गीताबाई पती जगदीश परसाद (2) श्रीमती कौसल्याबाई पती दरयब (3) गयाद्वी बाई पती बजरंग परसाद (4) ननद दुलारी बाई पती कैलास परसाद तमामे रहते हैं नं॰ 21-2-522 धारकमाम, हैवराबाद (श्चन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अक्षिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

सम्पत्ति — ग्राफ नं० 11 पहला मनजील पर युनीटी हैज श्राबीद रोड हैदराबाद विस्तन 242 वर्ग फिट।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 29-11-1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निर्देश सं० भ्रार० ए० सी० 173/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है भ्रोर जिसकी सं० शाफ नं० 4 थुनीटी होज है, जो ग्राबिद रोड में स्थित है (श्रोर इससेउपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वाक्षत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के धन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, धौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब 'उक्त मधिनियम' की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात् ---

- हिन्दुस्तान बुलइसं पाटनर हरीकिशन बशीर बाग, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती किशना देवी श्रगरवाल नं० 21 3-710 धेलापुरा हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सम्पत्ति –शाप नं० 4पहिला मनजिल थुनीटी होज — भाबीद रोड, हैवराबाद विस्तने — 242 वर्ग फीट ।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाव

तारीख: 29-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 26 नवम्बर 1975

निर्देश सं० XVI/12/75/75-76---यतः, मुझे, जी० रामनातन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० ए०. सं० 310/2 सी० श्रौर 310/2 बी०, तिरुमले गिरि गांव, नामक्कल है, जो नामक्कल (पा सं० 392/75) में स्थित है (श्रौर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1808 (1908का 16) के श्रधीन 23-6-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से जवित गृहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः क्षत्र उक्त ग्रिधिनियम, की, धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्निकित व्यक्तियों ग्रिधीत्:— 1. श्री एस० एन० ऊमाशंकर भ्रौर ग्रादि, सेलम (भ्रन्तरक)

2. श्री मुख्गेसन, नामक्कल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ध्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

सेलम जिल्ला, तिरुमलैंगिरि गांव, सरने सं० 310/2 सी० ग्रौर 310/2 बी० में 3.67 1/2 एकर खेती की भूमि।

> जी० रामानातन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीखा : 26-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०—

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निवश सं VI /13/5/75-76---यत:, मुझे, जी० रामनातन भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चातु 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है म्रोर जिसकी सं० 30/ए० 7 है, जो बालकृष्णपुरम, बिन्डीगल-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नागलनायकमपट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 25-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के ग्रनुसार श्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भौर यह कि भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम,' या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनु-सरण में, में, 'उक्त ग्रिधिनियम,' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात:-- 1. सौनेदरराजा मिल्स लिभिटेड, पिन्डिगल-६ (ग्रन्तरक)

2. श्री एन० मौन्दरराजन श्रौर एस रन्जीत (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी म्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो 'उक्त ग्रिधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

दिण्टुकल, बालकृष्णनपुरम गाँव जी० टी० एन० नायुबु सालै में ''लश्मी-सौण्दर'' नाम का मकान (सर्वे सं० 39/ए० 7) ।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 27-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 नवम्बर 1975

निर्वेश सं० XIX/1/29/75-76—यतः, मुझे, जी० रामनातन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० 38 ग्रीर 38 ए० है, जो टी० एम० जी० बिलर्डिंग, सिन्दुपून्दुरै, तिक्लेलवेली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्रा ग्रधिकारी के कार्यालय, निरुनेलवेलि (पान सं० 1790/75) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 20-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वाराप्रकट नहीं किया गया था या किया खाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उन्त भविनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उन्त भविनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के भवीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यातु:——

- 1. श्री टी॰ एम॰ जी॰ मोहमद ग्रबदुल रहिम राऊतर, तिरुनेलवेलि (ग्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती टी॰ पी॰ मैमून बीवी, पेट्टै, तिरुनेलवेलि (श्रन्तरिती)
    को यह सचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के प्रजीन के

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्राजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूधी

तिरुनेलवेलि, सिन्दुपून्दुरै गाप सं० 38 ग्रौर 38 ए०, सर्वे सं० 1099/3 (भाग), 1096/4 (भाग) ग्रौर 1100/1 बी० 2 (भाग) में 381 स्कुयर फीट की भूमि ग्रौर मकान ।

जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, I मद्रास

तारी**ख**: 27-11-1075

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 200/झक्शूजीशन/देहरादून/७४-७५—यतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम ग्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, देहरादून में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है श्रीर भन्तरक (भन्तरकों) श्रीर भन्तरित (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः थव, उक्त ग्रधिनियम् की धारा 269-ग के ग्रनुसरक में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :---

10--366GI/75

- 1. श्री सरन प्रसाद पुत श्री बेनी प्रसाद 14-ए०, तेग बहादुर रोड, देहरादून (अन्तरक)
- 2. श्री एम० ग्रार० तिरिखा पुत्न स्व० श्री दुर्गा दास तरीखा निवासी 2223, किशन नगर, गुरुकुल कांगरी, कनखल, जिला सहारनपुर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
  हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति नम्बर 14-ए०, तेग बहादुर रोड, देहरादून, जिस का हस्तप्रन्तरण 90,000 रु० मूल्य में किया गया है ।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 24-11-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निर्वेश सं० 78/श्रक्यूजीशन/देहरादून/75-76--श्रतः मुझे एफ० जे० बहादुर ----

श्रीयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है श्रीर

जिस की संख्या अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (श्रीर इससे उपाबत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त स्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर
- (ख) ऐसी फिसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः प्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269 ध की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत् :--

- (1) श्रीमती एनट ब्रनार्ड पत्नी डा० जे० एस० ई० ब्रनार्ड निवासी 16/5 कास बी, हचीनस रोड, बंगलौर । (य्रन्तरक)
- (2) श्री एच० सी० मेहता, पत्नी श्री एस० डी० मेहता सीनियर डिविजन मैनेजर लाईफ इन्सोरेन्स कार-पोरेशन श्राप इन्डिया, श्रजमेर । (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सन्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

श्रचल सम्पत्ति खसरा नं० 602/2 जो बल रोड, ग्राम बारूघाला कलेमैन्ट टाउन, देहरादून में स्थित है श्रौर जोकि 50,000) रू० मृत्य में हस्सान्तरित की गई है ।

> एफ० जे० वहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त, (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, क्षानपुर

तारीख 24-11-75 मोहर

# प्रस्प आई० टी० एन० एस०-

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपूर, तारीख 25 नवम्बर 1975

स्रोयकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त स्रिधिनियम' कहा गया है), के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्व करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाराए मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

भौर जिस की सं० अनुसूची के अनुसार है ता जो भन ची के अनुसार में स्थित हैं। (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908) 1908 का 16 के श्रधीन तारीख 22-4-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफण के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्वह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आ ा किसी धन या भ्रन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहि ा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उन्त श्रधिनियम की रा 269-म के मनुसरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित, व्यक्तिमों प्रथात्:--

- (1) श्रीमती जी० पी० शेरी, पत्नी श्री श्रार० एन० शेरी निवासी 100/88-89 प्रेम नगर दयालबाग, श्रागरा (श्रन्तरक)
- (2) श्री टी० रामा चन्द्रन भद्रन श्राई०सी० एस० पुत्र स्व० श्री टी० बी० चारियन रिटायर्ड जज, इलाहाबाद हाई कोर्ट (2) श्रीमती एम० रामा चन्द्रन पत्नी श्री जस्टीस टी०रामाचन्द्रन दोनों निवासी न्यू कन्टोनमैन्ट रोड, देहरादून

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 चिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, बहो अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसृची

श्रचल सम्पत्ति जिस का नम्बर 3/14-बी है श्रौर जो तेग बहादुर रोड, देहरादून में स्थित है, 90,000) रु० मूल्य में हस्तश्रन्तरित की गई है।

एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 25-11-75 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस० →

भायकर भधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, कानपुर

कानप्र, तारीख 22-11-75

निदेश नं० 204/श्रकयूजीशन/देहरादून/74-75—-श्रतः मुझे एफ० जं० बहादुर

धायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से ग्रधिक है

मौर जिस की सं॰ अनुसूची के अनुसार है तथा जो भनुसूची के अनुसार नें स्थित है (भौर इससे उपाबक भनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), रिस्ट्रीकर्ता भिक्षकारी के कार्यालय, देहरादून में, रिजस्ट्रीकरण भिक्षितमा, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 18-4-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसे किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए

ग्रत: ग्रब 'उन्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उन्त ग्रिधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्री श्याम सुन्दर रेना पुत्र श्री एस० ग्रार० रेना,
 (2) श्रीमती कमला रेना पत्नी श्री एस० एस० रेना,
 निवासी 153-बी, राजपुर रोड देहरादून,

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री बीकम सिंह डिलों पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी 28, माउलग्राम, लुधियाना

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

ग्रजल सम्पत्ति म्युनिसपल नं० 153-बी, स्थित राजपुर रोड देहरादून जिस का क्षेत्रफल कवर्ड 737 स्कुयार फुट ग्रीर खुली भूमि 43750 स्कुयार फुट है, 2,80,000) ६० मृत्य में हस्ताःन्तरित की गई है।

> एफ० जे० बहादुर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 22-11-75 मोहर:

भारत सरकार

स**हा**यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय यर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 26-11-1975

निदेश सं० 299/एकुरे III/75,76/कलकला - - श्रतः मुझे एल० के० बालसुत्रमनियन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है और जिसकी सं० प्लाट

भीर जिस की सं० 13 है तथा जो बड़ स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-1975 को पूर्वीक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर ध्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसो म्राय की बाबत उक्त म्रधिनियम के म्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे थचने में सुविधा के लिए; मीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उक्त ग्रिविनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिविनयम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- (1) श्री मन्मनाथ मुखर्जी 31, भोतिलाल नेहरू रोड कलकत्ता मे० उत्तरा को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिभि० 12/2 पाम एभिन्यु, कलकत्ता

(भ्रन्तरक)

- (2) 1. श्री शेख साहजान
  - थी कार्तिक राजक
  - 3. शख नासिम्हीन
  - 4. शेख ामासुदीन
  - 5. देस स्टोन प्रग दीप्ति
  - 6. श्री रामचन्द्र साहा
  - 7- मानिकलाल कर्मकार
  - 8. सूर्य नारायन घोष

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचगा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबः किसी श्रन्य व्यक्ति क्षारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपड्टीकरण:—हः।में प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीब 1 विधा 10 कट्टा 6 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राक चार का 1/4 अबिभक्त अंग जो 13, अड स्ट्रीट, फलफत्ता पर श्रविस्थत और जो रिजस्ट्रार आफ एसुरेंसस, कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत बलील सं० 2227/1975 का अनुसार है।

एल० के० बालासुत्रमनियन सक्षम त्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज III 54, रफीग्रहमद किनवाई रोड, कलकता-16

तारीख : 26-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

फलकत्ता, दिनांक 26 गवम्बर 1975

निदेश सं० 300/एकुरे IU/75-76/कलकत्ता---श्रतः मुझे एल० के० बालसूबमनियन भ्रायकर ग्रधिनियम, 1961 43) (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रू० से ग्रधिक है और जिसकी सं० 13 है तथा जो ब्रह स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उक्षबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारो प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिये;

श्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सौरेन्द्र नाथ मुखर्जी 31, मोती लाल नेहरू रोड कलकत्ता मैं० उत्तरा को० ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमि० 12/2, पाम एभिन्यू, कलकत्ता (श्रन्तरक)
- (2) 1. शेख साहजान
  - 2. श्री कार्तिक राजक
  - 3. शेख नासिरूद्दीन
  - शेख कामालुद्दीन
  - 5. देस स्टोन प्रप० तीप्ति
  - 6. श्री रामचन्द्रन साहा
  - 7. श्री मानिकलाल कर्मकार
  - 8. सूर्य नारायन घोष

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉त सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्टोकरण:-- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीव 1 बीधा 10 कट्टा 6 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राक चारस का 1/4 श्रविभक्त श्रंण जो 13, ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता पर श्रवस्थित श्रौर जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलल सं० 2225/1975 का श्रनुसार है

> एल० के० बालासुन्नमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज III 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 26-11-1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकता

कलकत्ता, तारीख 26-11-1975

निदेश सं० 301/एकुरे III/75-76/कलकत्ता---श्रतः मुझे एल० के० बालसूत्रमनियन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अवत ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-५०से अधिक श्रौर जिस की सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्धा ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 198 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीगृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, 'उन्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) ग्रसीम कुमार मुखर्जी 31, मोति लाल नेहरू रोड कलकत्ता

(ग्रन्तरक)

- (2) मे० उत्तरा कोग्रापरेटिव हार्डासग सोसाइटी लिमि० 12/2 पाम एभिन्यू, कलकृता ।
  - 1. णेख साहजान
  - 2. श्री कार्तिक राजक
  - 3. शेख नासिसुद्दीन
  - 4. श्री कामालुद्दीन
  - 5. देस स्ट्रोन प्रप०, तीप्ति
  - 6. श्री राभचन्द्र साहा
  - 7. श्री मानिकलाल कर्मकार
  - 8. श्री सूर्व नारायण कोष

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

करोब 1 बीचा 10 कट्टा 6 छटाक जमीन साथ उस पर बनाया स्ट्राक चार का 1/4 अविभक्त श्रंग जो 13, बड स्ट्रीट, कलकता पर प्रवस्थित ग्रीर जो रजिस्ट्रार श्राफ एस्रेन्सेंस कलकता द्वारा रजिस्ट्रीशृत दलिल सं० 2223/1975 का ग्रन्सार है।

> एल० के० बालासुब्रमनियन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, III 54, रफी ग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 26-11-1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के अधीन पूचना

भारत सरकार

ार्यालय, सहायक श्रायकर भायुन्स (निरीक्षण)

54, रफी श्रहमद किदवाई रोड,
श्रजीन रेंज-III कलकता-16

कलकता, दिनांक 26 नवःबर 1975

निदेश: नं० 302/एकुरे 111/75-76/कलकता—म्ब्रतः मुझे एल० के० बालसुत्रमनियन

अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इंसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६नये से न्नीर जिस की सं० 13 है तथा जो ब्रड स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रत्रीन, तारीख 18-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, हिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अध, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयत्ः—

- (1) श्री बलराम मुखर्जी 31, मोतीलाल नेहरू रोड, कलकत्ता । (श्रन्तरक)
- (2) मै० उत्तरा को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लि० 12/2, पाम एभिन्यू, कलकता । (श्रन्तरिती)
- (3) 1. शेख साहजान
  - 2. श्री कार्तिक राजक
  - 3. शेख नासिरुद्दीन
  - 4. श्री कामालुद्दीत
  - 5. देस स्टोन प्रप न्नीप्ति
  - 6. श्री रामचन्द्र साहा
  - 7. श्री मानिकलाल कर्मकार
  - 8. श्री सुर्य नारायन घोष

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधियोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हपध्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

करीब 1 बीया 10 कड्डा 6 छडक जनीन साथ उस पर बनाया द्रकचरण चारस का 1/4 श्रविभक्त ग्रंग जो 13, ब्रड स्ट्रीट कलकता पर श्रवस्थित श्रौर जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेसेंस, कलकता द्वारा रिजस्ट्रीकृत दलिल सं० 2221/1975 के श्रनुसार हैं।

एल० के० बालसुब्रमितयन, संक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, ग्रर्जन रेंज-III, कलकता-16

तारीख: 26-11-1975

प्ररूप आई०टी०एन० एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

🖁 श्रर्जन रेंज धारवाड

धारवाड, दिनांक 20 नवम्बर 1975

निदेश सं० 86/75-76/एक्यू०--यतः मुझे पी० सत्यनारायण राव, ग्रायकर श्रिधिनयम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पये से अधिक है और जिस की प्लाट सं० 6 है जो बेलगांव में म्युनिसियल सीमा की श्रन्दर स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेलगांव (डाक्युमेंट नं० 4429 के श्रन्तगंत) में इरिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-3-1975 के दिन

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गथा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के निए।

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धाधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :——
11—366GI/75

- (1) श्री पिस्तोनजी कुरशेटजी बाँयस,
   3934, काली ग्रम्बाय,
   बेलगांव । (श्रन्तरक)
- (2) श्री चंदूलाल मगनलाल दोशी, मार्फत पीपल्स ग्रटोमोवाईल्स, फोर्ट रोड, बेलगांव ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे ।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अञ्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लाट सं० 6 जो म्नार० एस० सं० 260ए०/2ए० में बेलगांव म्युनिसिपल सीमा के भ्रंदर, बेलगांव में स्थित हैं।

> पी० सत्यनारायण राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, धारवाङ

तारीख : 20-11-1975

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०—

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

### म्रर्जन रेंज, धारवाड़

धारवाड, दिनांक 20 नवम्बर 1975

87/75-76/एम्प०---यत:, निर्देश सं० मुझे, पी० सत्यनारायण राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित वाजार मुल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी प्लाट सं० 1 है, जो बेलगांव में मुहिसिपल् हद्दी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बेलगांव में (डाक्यमेंट सं० 4431 के अन्तर्गत) भारतीय रजिस्ट्रीकरण उप्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-3-1975 के दिन को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास अधिक है और अग्सरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तर्ण लिखित में धास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब 'उक्त प्रधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. पिस्तोनर्जा कुरसेटजी वाँयस, 3934, काली भ्रम्नाय, बेलगांव। (ग्रन्तरक)
  - 2. श्रीमती चंद्रकला भीमगौडा पाटील, बेलगांव । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सः बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट सं० 1ंजो श्रार० एस० सं० 960ए०/2ए० में बेलगांव मृनिसिपल हुद्दी में, बेलगांव में स्थित है।

पी० सत्यनारायण राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, धारवाङ्

तारीख: 20-11-1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, धारवाड

धारवाडु, दिनांक 20 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 88/75-76/ए०सी० अपू० — पत:, मुझे पी० सत्यनारायण राव ध्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र० से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी प्लाट सं० 2 है, जो बेलगांव मुनिसियल हिंदी में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, बेलगांव (डाक्युमेंट सं० 4430 के श्रन्तर्गत)

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन तारीख 13-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य फ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

द्यतः प्रव उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त स्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

- 1. श्री पिस्तोनजी कुरसेटजी बॉयस, 3934, काली ग्रम्ब्राय, बेलगांव। (ग्रन्तरक)
- श्री बी० जी० जवली, सहायक वाणिज्यकर अधिकारी, कारवार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंत लं लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीत के संबन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्तिद्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि भाषित है, वही शर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

प्लाट सं० 2 जो श्रार० एस० सं० 960ए०/2ए० में बेलगांव मुनिसिपल हद्दी में, बेलगांव में स्थित है।

> पी० सत्यनारायण राघ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, धारवाड़

तारीख: 20-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

ध्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर श्रमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के०पी०एल०/202/75-76---यतः मुझे, वी० म्रार० सगर ग्रधिनियम, भायकर 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्दोकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कपुरथला में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- ्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) निम्नलिखित ध्यक्तियों, प्रयात्।—

- श्री रघबीर सिंह तथा निरन्द्र सिंह सपुक्षान श्री केहर सिंह वासी मोगा जिला फरीदकोट। (श्रन्तरक)
- कुमारी रूपिन्द्र कौर सपुत्नी श्री बलबीर सिंह रन्धावा रिटायर्ड डी० सी० कोठी नं० 564 सैक्टर 8-बीं० चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।

(वह व्यक्ति, जिसके ध्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किए जा सकेंगे।

स्थक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3013 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

> वी० ग्रार० सगर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 2-12-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

. निर्देश सं० के० पी० एल/203/75-76---यतः, मुझे, वी० $\frac{7}{8}$ श्रार० सगर,

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ह० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत श्रिधिनियम, या भ्रनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने म सुविधा के लिए।

श्रतः प्रय उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्:—

 श्री रधबीर सिंह तथा निरन्द्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह, वासी मोगा जिला फरीदकोट।

(श्रन्तरक)

- 2. श्रीमती निम्मी सपुत्ती श्री बलवीर सिंह रन्धावा रिटायर्ड डी० सी० कोठी नं० 564, सैक्टर 8-बी०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है तथा किरायेदार यदि हो।
     (वह व्यक्ति, जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।
    (बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
    जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रधितियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3014 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी कपूरथला में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर ।

तारीख: 2-12-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

श्रमुतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देण सं० के०-पी०एल/204/75-76—-यतः मुझे, वी० श्रार० सगर,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

ग्रोर जिसकी सं० भूमि हैं तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की ष्ठपद्वारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री रचबीर सिंह, निरन्द्र सिंह सपुन्नानश्री केहर सिंह वासी मोगा जिला फरीदकोट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सत्या जैन पत्नी श्री विजय कुमार वासी सर्राफा बाजार कपूरथला। (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्ध व्यक्ति द्वारा, अझोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

भूमि जैसा कि रिजिस्ट्रीकृत विलेख नं 3016 मार्च 1975 की रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी कपूरथला में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

सारीख: 2-12-75

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रमृतरसर

श्रमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के० पी० एल०/205/75-76--यतः, मुझे, वी० श्रार० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु०से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला म रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त श्रिष्ठिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्वम कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों वो, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम 'उक्त म्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त म्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत् :—

- 1. श्री रघबीर सिंह, नरिन्द्र सिंह सपुद्रान श्री केहर सिंह, वासी मोगा जिला फरीदकोट। (श्रन्तरक)
- श्रीमती जसमेर कौर विधवा श्री निगन्द्र सिंह वासी धर्मकोट जिला फिरोजपुर। (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो।
     (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनयम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3015 मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी क्पूरथला में है।

> वी० ग्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर ।

तारीख: 2-12-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की ग्रारा 269-म (1) के भ्रमीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रम्तसर

समार्थ अध्यार

श्रमृतसर, दिनांक 2 दिसम्बर 1975

निर्देश सं० के॰पो॰एल॰/206/75-76—यतः, मुझे, बी॰ श्रार॰ सगर, भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कपूरथला म रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त धिवियम के अधीन कर दैने के धन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अन्ट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रीधिनियम, की धारा 269-घ की (उपधारा 1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:-

- श्री रघबीर सिंह, निरन्द्र सिंह सपुतान श्री केहर सिंह, वासी मोगा जिला फरीदकोट। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कुलदीप सिंह सपुत्र श्री नरिन्द्र सिंह, वासी धर्मकीट जिला फिरोजपुर। (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है सथा किराएदार यदि हों।
     (वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3012 मार्च 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी कपूरथला में है।

> वी० श्रार० सगर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 2-12-1975

मोहरः

प्ररूप गाई० टी० एन० एस०----

भायकर भिर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भिर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, भमृतसर भमृतसर, दिनोक 2 दिसम्बर 1975

निदेश सं० क्पूरथला/207/75--76:---यतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर.

भायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ख के धाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है धौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो गांव खीरावाली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद प्रनुस्ती में भौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकार्ता प्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धिक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरित (धन्तरकों) भौर धन्तरित (धन्तरकों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टिनियम के श्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रवं उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, भैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, भर्यात् :— 12—366GI/75

- श्री रथबीर सिंह, निष्त्र सिंह सपुत्रान श्री केहर सिंह, वासी मोगा जिला फरीदकोट। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती नरिन्द्र कौर सपुत्री श्री बलबीर सिंह रन्धाया रिटायर्ड डी॰ सी॰ कोठी नं॰ 564 सैक्टर 8-बी॰, चण्डीगढ़। (ग्रन्सरिती)
  - 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षमोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबस है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी भविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं प्रयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि जैसा कि राजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3011 मार्च, 1975 की राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में है।

> वी० म्रार० सगर, सक्षम म्रधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज, भमृतसर ।

सारीख : 2 दिसम्बर 1975

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस० --

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, श्रमृतसर

ग्रमृतसंर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश स० ग्रमृतसर/194/75-76:—-यतः, मुझ, वा० ग्रार० सगर, आयकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य

25,000/- रु० से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 1/2 सम्पत्ति है तथा जो कटड़ा गोर सिंह भ्रमृत-सर में स्थित है (भ्रौर इससे उपावज अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख अप्रैल, 1975

तारीख अप्रैल, 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का नारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उनंत श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उन्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यात:——

- 1. श्रीमती करम देवी विधवा श्री लछमन सिंह वासी 43 माल रोड़ श्रमृतसर द्वारा श्री गुलजार सिंह तथा श्रीमती कमला कुमारी पत्नी श्री बृज कुमार वासी श्रार० बी० प्रकाश चन्द रोड़, श्रमृतसर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री मंगत राम सपुत्र श्री तरलोक चन्द जैन भन्दर लोहगढ़ गेट, श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार 1. मैसर्ज फेयर फैन्डस बाच कं० (2) श्री मोहन लाल (3) श्री मुनी लाल (4) श्री जोगिन्द्र सिंह (5) श्री प्रकाश दुया (6) मैसर्ज रेला राम तिलक राज, 48-ए० तथा 48-बीळ कटड़ा शेर सिंह अमृतसर। (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में ६चि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मित में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में कोई भी आक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग सम्पत्ति नं० 48-ए० तथा 48 बी० कटड़ा शेर सिंह श्रमृतसर, जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 64, श्रप्रैल, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी श्रमृतसर में है।

> वी० भार० सगर, सक्षम अधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, समुतसर ।

तारीख: 29 नवम्बर 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० क्यूरथला/195/75-76:--यतः, मुझे, वी० ग्रार० सगर,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक हैं ग्रौर और जिसकी सं० 1/4 कोठी है तथा जो कपूरथला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रप्रैल 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- श्री सुरिन्दर नाथ पुत्र स्रार० बी० दुर्गा दास, वासी कपूर-थला जी० ऐ० श्री दिवंदर नाथ।
   (स्रन्तरक)
  - 2. श्री जरनैल सिंह पुत्र श्री वग्गा सिंह, वासी खानोवाल । (अन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 पर है।
     (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं !

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/4 कोठी जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 217 स्रप्रैल 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी, कपूरथला में लिखा है।

वी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 29-11-1975

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० कपूरवला/196/75-76:---यतः, मुझे, वी० भ्रार० सगर, म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/4 कोठी है तथा जो कपूरथला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमाम प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रवह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर मन्तरिती (ब्रन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की आवत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी झन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उपत अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती दारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धनः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-व की उपकारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्वातः---

- 1. श्री सुरिंदर नाथ पुत्र श्रार० बी० दुर्गा दास, वासी फपूर-थला जी० ऐ० श्राफ श्री दिवंदर नाथ। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मेजर सिंह पुत्र श्री वग्गा सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, वासी खानोवाल। (ग्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 में है।
     (वह व्यक्ति, जिसके मधिमोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में किंच रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में घछो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्रवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शख्दों और पक्षों का को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-वरिभाषित हैं, बही सर्च होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

# धनुसूची

1/4 कोठी जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 139 धप्रैल, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी कपूरथला में लिखा है।

> वी० मार० सगर, सक्षम मिल्रकारी, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, भमृतसर ।

तारीख: 29-11-1975

प्ररूप श्राई० टी० एम० एस०--

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रम्तसर

धम्तसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० पठानकोट/197/75-76:--यतः, मुझे, सी० प्रार० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-म के ग्रधीन संक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु॰ से ग्रधिक है भौर जिसकी सं॰ सम्पत्ति है तथा जो सब्जी मंडी ऐरिया ढांगु रोड़, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16)

के ग्रधीन, तारीख भग्नेल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्यायत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम', के भ्रिधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी धम या कन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या घनफर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयांक्:---

- श्री ख्वाजा श्रब्दुल घनी खान पुत्र श्रब्दुल श्रजीज खान टिम्बर मरचैंट पठानकोट श्रब श्रन्तत नाग (जे० एण्ड के०)। (श्रन्तरक)
  - 2. मैंसर्ज बाबू राम नागर मल सब्जी मण्डी, पठानकीट । (श्रन्सरिती)
  - जैसा कि नं ० 2 पर है।
     (बह व्यक्ति, जिसके मिश्रभोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त श्रिक्षितयम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही भ्रर्थ होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति सब्जी मण्डी, ऐरिया ढांगु रोड़ पठानकोट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 66 मप्रैल 1975 की रजिस्ट्रीकर्ता मधि-कारी पठानकोट में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, श्रमुससर ।

बारीब: 29-11-1975

मध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजन रोज, अमृतसर

श्रम्तसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० फरीदकोट/198/75/76:——यतः, मुझे, घी० भार०सगर,

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिधिक है

भीर जिसकी सं० धरती है तथा जो जिलयाना रोड़, कोटकपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के भधीन, तारीख अर्प्नल 1975।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1597 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथीत:—

- 1, श्री गुरबचन सिंह पुत्र श्री नत्या सिंह वासी गांव बुलेर मस्ता। (श्रन्तरक)
- श्रीमती पदमा रानी पत्नो श्री विजय कुमार वासी कोटक-पूरा। (श्रन्तरिती)
  - जैसा कि नं० 2 पर है।
     (वह व्यक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई ध्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (बह ब्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण-- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त भ्रधि-निग्रम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 219 अप्रैल, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० भार० सगर, सक्षम भधिकारी, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेज, भ्रमृतसर

तारीख: 29-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज, प्रमृतसर

श्रमुतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० फरीदकोट/199/75-76:---यतः, मुझे, बी० भ्रार० सगर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्तित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है

ग्रीर जितको सं० धरती है तथा जो जलियाना रीड़, कोटकपुरा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिल्ट्री कर्ता ग्रिविकारी के कार्यालय, फरीवकोट में रिजिस्ट्री-करण ग्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रंपील 1975

पूर्वोक्स मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्स ग्रिधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय साय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम ही धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निस्निलिखत व्यक्तियों, ग्रंथीत:—

- श्रीमती परमवीर सिंह, हरिजन्दर सिंह, वासी कोतकपूरा।
   (ग्रन्तरक)
- श्रीमती सीता रानी पत्नी श्री प्यारे लाल वासी कोटकपूरा। (प्रन्तरिती)
- जैसा कि नं० 2 पर है।
   (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में में सम्पत्ति है)।
- कोट्ट व्यक्ति जो सम्पत्ति रुचि रखता हो ।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ध्रधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी का से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 218 श्रप्रैल 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी फरीदकोट में लिखा है।

> वी० भ्रार० सगर, सक्षम श्रधिकारी, सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

तारीख: 29 नवम्बर, 1975

मोहरः

### प्रकप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय, भ्रजन रेंज, भ्रमृतसर

ग्रम्तसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं भानसा/200/75-76:--यतः, मुझे, श्रार० सगर, प्रधिनियम, श्रायकर 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मधिक है श्रीर जिसको सं० घरती है तथा जो चकारियां रोड़, मानसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुग्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है मीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित

(क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; ग्रीर/या

उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

महीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रय उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्निखित व्यक्तियों, श्रथीत्:—

- श्री आत्मा सिंह सीता सिंह हरनेक सिंह पुत श्री केहर सिंह, नरसी सिंह पुत्र बत सिंह गोल्ड स्मीभ वासी मानसा कलां। (भ्रम्तरक)
- 2. श्री चिमन लाल पुत्र श्री मोहन लाल पुत्र वचना मल वासी गुरदावर चौक, मानसा श्री मुकंदी लाल पुत्र श्री वूसी राम पुत्र श्री मणरा दास वासी मानसा। (भन्सरिती)
  - जैसा कि नं ० ८ पर है।
     (वह व्यक्ति, जिसके घ्रधिभोग में सम्पत्ति।
     है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
    (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
    हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उमत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही असे होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

धरती जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 133 श्रीर 134 श्रद्रैल, 1975 को रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी, मानसा में लिखा है।

> बी० ग्रार० सगर, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेंज, ग्रमुतसर।

तारीख: 29-11-1975

मोहरः

प्रकृष गाई० ही० एन० **एस०----**

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 29 नवम्बर 1975

निदेश सं० ग्रम्तसर/201/75-76:--यतः, मुझे, बी० ग्रार० ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मृत्य 25,000/- रु० से प्रधिक है ग्रौर श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 395/10-913/X-5 ढाब खरीकां अमृतसर है तथा जो छाब खरीकां अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रम्तसर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम-1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1975 पुर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार के दुश्यमान प्रतिफल क्रम लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त भविनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भविनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:——

- 1. श्रीमती लाल देवी पत्नी श्री गुज्जर मल खन्ना वासी किशोर हाऊस शिमना मार्फत श्री राम लुभाया जनरल श्रटारनी। (श्रन्तरक)
- श्री रचुनाथ सेठी सपुक्त श्री लाख चन्द सेठी सर्वाक मण्डी श्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
  - 3. जैसा कि नं ० 2 में है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
  - 4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधो-हस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पथ्डीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मकान न० 395/10-913/X-5 ढाब खरीका श्रमृतसर जैसा कि रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 251 महीना श्रप्रैल 1975 का रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी श्रमृतसर में लिखा है।

वी० भार० सगर सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रा<mark>युक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर ।

ता**रीख** : 29-11-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

स्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन मुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एस० एस०एन०/1194/85-76/ --- यसः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, चण्डीगढ **पायकर** घ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका खिनत बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 57 है तथा जो समाना मण्डी समीना जिला पटियाला भें स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के कार्यालय, समाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख श्रप्रील 1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित शाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक है स्रोर यह कि भन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम याधन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथित :— ा श्रीमती पुत्ती देवी विश्ववा श्री श्ररुड़ा मल पुत्र भूनी लाल समाना मण्डी समाना, जिला पटियाला।

(भ्रन्तरक)

2. (i) सर्व श्री दनेण कुमार ो नवालग

(ii) सुरेण कुमार है द्वारा श्री जुगल किशोर पिना ग्रीर कुदरती संरक्षक

कपड़े के व्यापारी, समाना मण्डी, समाना, जिला पटियाला

(भ्रन्तरिती)

 मैं० भगवान दास चमन लाल तेल के व्यापारी समाना मण्डी, समाना।

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

कों यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किये जा सकेंगे।

स्पट्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-्रानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं० 57 समाना, मण्डी समाना जिला पटियाला । (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 9 श्रप्रैल 1975 में सब-रजिस्ट्रार समाना के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्ड्रीगढ़

तारीख: 28-11-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एम०एल०के०/10/75-76---यतः मुझे, विधेक प्रकाण मिनोचा सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चन्डीगढ़ भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है और भ्रौर जिसकी सं०भूमि, क्षेत्रफल 4 विघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पुर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान

प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक

(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण

के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से

उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कंथित नहीं

- किया गया है:--
  (क) श्रन्तरण से हुई स्राय की बाबत उक्त स्रधिनियम

  के अधीन कर देने के स्रन्तरक के दायित्व में कमी

  करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

  श्रीर/या
  - (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्मात् :---  भाई प्रशोक सिंह पुत्र भाई ग्रर्दमन सिंह, जनरल मैंनेजर, दी बागड़िया को-प्रप्रेटिव फारिमग सोसायटी, बागड़िया सिंहसील मलेरकोटला जिला ससंगरूर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री चितबंत सिंह पुत्र श्री गमदुर सिंह, निवासी गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्रापेक्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 विघे, जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है। खसरा नं 0 1320/4-0 (जैसे के रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं 0 283 मई 1975 में सब-रिजस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०--

भायकर मिबिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के फ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 28 तबम्बर 1975

निर्देश सं० एम०एल०के०/11/75-76/——ग्रत: मुझे त्रिवेक प्रकाश मिनोचा सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, चडीगढ

भ्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् अक्त श्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-169 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 विघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मलेरकोटला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मई 1975

पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत 'उक्त ग्रिधिनियम' के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या जससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रथीत्:— 1. भाई प्रशोक सिंह पुत्र भाई ग्रर्दमन सिंह निवासी बागिंख्या मुख्तयारे ग्राम श्रीमती बलजीत कौर, पत्नी श्री कुलदीप सिंह, निवासी दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2 श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री गमदूर सिंह निवासी गांव बागडिया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति, द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रक्षिनियम,' के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 विघे जोिक गांव बगाड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है। खसरा नं० 1301/4-0, 1304/4-0, 1319/4-0 (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 284 मई, 1975 में सब-रजिट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है)

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्ड़ीगढ

तारीख: 28-11-1975

# प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ चण्डीगढ, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम० एल० के० /12/75-76/--यत:मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा,

सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज चण्डीगढ भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- र० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 विघे है तथा जो गांब बागड़िया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित ह.), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मई 1975 पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) म्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269न की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. भाई श्रशोक सिंह पुत्र भाई ग्रर्दमन सिंह जनरल मैंनेजर, दो बागयिडा को-स्रोप्नेटिव फार्रामग सोसायटी लिमिटेड गांव बागडिया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (ग्रन्तरक)
- श्री हरी सिंह पुत्र श्री किशन सिंह निवासी गांव बागडिया, तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हं।

उमत सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- '(क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 विघे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है। खसरा नं० 1306/4-0, 1307/4-0

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 286 मई 1975 को सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

> विवेकप्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख: 28-11-1975

मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

विवेक प्रकाश मिनीचा सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका **उ**चित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 विभे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रशिक्तल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशद से अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करनै या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप

से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथीत् :—

- भाई घ्रगोक सिंह पुत्त भाई घ्रदमन सिंह जनरले मैनेजर, दी बागड़िया को-घ्रपेटिव फारेमिंग सोसायटी लिमिटेड, गाँव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती राजेन्द्र कौर पुत्नी श्री गमदूर सिंह निवासी-गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

भूमि क्षेत्रफल 8 विधे जोकि गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1316/4-0, 1317/4-0

(जैसे के राजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 654 मई 1975 में सब-राजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।)

> विथेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक श्रायकार श्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० एम०के०एल०/22/75-76/ —-यतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ़ श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 विघे हैं तथा जो गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिकार, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1975

नक् 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित न्यक्तियों, प्रचीत:—

- भाई श्रशोक सिंह पुत्र भाई श्रदेमन सिंह गांव बागड़िया
  मुखतियार ग्राम श्रीमित बलजीत कौर पत्नी श्री कुलदीप सिंह
  विल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गम्दूर सिंह पुत्र श्री हरी सिंह निवासी गांव बागड़िया तहमील मलेरकोटला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिश्वनियम, के श्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 विधे जोकि गांव बागड़ीया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1302/4-0, 1303/4-0, 1322/4-0 (जैसे के रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 655 मई 1975 में सब-रिजस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

प्ररूप शाई० टी० एन० एस०---

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की सारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एम० एल० के०/26/75-76/---भ्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेंन रेंज चण्डीगढ़ भ्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रधिनियम' कहा की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रक्षिक है ग्रीर जिसकी सं० भृमि क्षेत्रफल 8 विघे है तथा जो गांव बागडिया, तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्यधिकारी के कार्यालय, मलेरकोटला में , रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे बह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि ग्रन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ā :---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'जक्त अधिनियम', या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्नतः ग्रब 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. **भा**ई शागोक सिंह पुत्त भाई श्रारंपन सिंह, निवासी बागड़िया मुख्तयारे आम श्रीमती बलजीत कीर पत्नी श्री कुलदीप सिंह निवासी-दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री चितवंत सिंह पुत्र श्री गमदूर सिंह निवासी गांव बागिष्ट्रिया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर। (श्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त ग्रधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 त्रिघे जोकि गांव वागड़िया तहसील मलेरकोटला जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1321/4-0, 1323/4-0 (जैसे के रजिस्ट्रीकृत क विलेख नं० 703 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है।

> विवेक प्रकाश मिनीचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-75

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं एम ०एल ०के ०/27/75-76-यतः, मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़ भ्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 12 विघे है तथा जो गांव बागड़िया तहसील मलेरकोटला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, मलेरकोटला में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या,
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 新 11) या उक्त ग्रधिनियम, ग्रधिनियम, या धन-कर 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अ्यक्तियों प्रथातु:---14-366GT/75

- 1. भाई प्रशोक सिंह पुत्र भाई प्रर्दमन सिंह जनरल मैनेजर दी बागड़िया को-स्रप्रेटिव फारमिंग सोसायटी बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर।
- श्रीमती अमर कौर पत्नी श्री गमदूर सिंह निवासी-गांव बागड़िया, तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता ीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

भूमि क्षेत्रफल 12 विघे जोकि गांव बागडिया तहसील मलेरकोटला, जिला संगरूर में स्थित है।

खसरा नं० 1300/4-0, 1305/4-0, 1318/4-0 (जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 704 मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार मलेरकोटला के कार्यालय में लिखा है ।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

मोहर

प्ररूप भाई०टी०एन०एस०---

धायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 नवम्बर 1975

निदेश सं० जेडीग्रार/14/75-76/--ग्रतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा सहायक आयकर श्रापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 604, ब्लाक नं० V है तथा जो सन्तपुरा गुरहारा रोड, माडल टाऊन यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नुलिख्ति व्यक्तियों, ग्रथीत् :—

- (1) श्रीमती सरला खन्ना पत्नी श्री एस०पी० खन्ना निवासी 3---तालं कटोरा रोड, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री दर्शन लाल लांबा पुत्र श्री रला राम लांबा निवासी मकान नं० 604, ब्लाक नं० V सन्तपुरा माडल टाऊन, यमुनानगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

मकान नं० 604, ब्लाक नं० V सन्तपुरा गुरद्वारा रोड, माडल टाऊन, यमुनानगर।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-11-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269-च (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देण सं० जेडीग्रार/15/75-76--- ग्रतः मुझे, विवेक प्रकाण मिनोचा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिल्त बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है भौर जिसकी सं० मकान नं० 603, ब्लाक नं० V है सथा जो सन्तपूरा माडल टाऊन यमुनानगर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) एसी किसी ब्राय या किसी धन या श्रन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भ्रम, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :-- (1) श्रीमती सरला खन्ना पत्नी श्री एस० पी० खन्ना 3-ताल कटोरा रोड नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) (i) श्री ग्रशोक कुमार, (ii) श्री विनोद कुमार पिसरान श्री दर्शन लाल लांवा निवासी मकान नं० 603, ब्लाक नं० V सन्तपुरा गुरद्वारा रोड, यमुनानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मकान नं० 603, ब्लाक नं०  $\mathbf{V}$ , सन्तपुरा, माडल टाऊन यमुनानगर ।

विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

तारीख 28-11-1975 मोहर : प्ररूप० श्राई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देश सं० एलडीएच/सी/56/75-76—-श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज चण्डीगढ़

म्रायकर म्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 171-1 है तथा जो सरामा नगर लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबब अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना च।हिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उषत भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269न की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीतः— (1) श्री बहादुर सिंह, पुत्र श्री कुंदन सिंह गांव शंकर, तहसील श्रीर जिला जालंधर

(भ्रन्तरक)

(2) सर्वश्री (i) किशन चन्द, पुत्न जय राम दास (ii) विपन कुमार (iii) कंवल कुमार पुत्न श्री किशन चन्द नियासी 74-डी, सराभा नगर, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/2 भाग प्लाट नं० 171-I, जोकि सराभा नगर लुधियाना में स्थित है ।

विवेक प्रकाण मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 28-11-1975 मोहर: प्ररूप भाई०टी०एन०एस०-

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रा<mark>युक्स (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, तिथि 28-11-1975

निर्देश सं० एलडीएच/सी/58/75-76—-श्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज चण्डीगढ

स्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० 1/2 भाग प्लाट नं० 171-I है तथा जो सराभा नगर लुधियाना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता यधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टयमान प्रितिफल के लिए प्रन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विष्टवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है प्रौर यह कि प्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम' के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर / या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रव उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नजिखित ध्यक्तियों श्रर्थातः—

- (1) श्री गमदूर सिंह पुत्र श्री भगवान सिंह गांव नारंगवाल, तहसील लुधियाना (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
  श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जी उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया है।

#### अमुसूची

1/2 भाग प्लाट नं०  $171 ext{-}\mathrm{I}$  जोकि सराभा नगरं लुधियाना में स्थित है ।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख 28-11-1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 22 नवम्बर 1975

Acq. File No. 269/WG J. Nos. 15, 16, 17 & 18 WG/75-76— यत:, मुझे, B. V. Subba Rao 1961 भ्रधिनियम, (1961 क्ता 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ए० से प्रधिक है और जिसकी सं० 34-38 है, तथा जो Sri Venkateswara Talkies, Tanuku में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनसुची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के में भारतीय रजिस्द्रीकरण कार्यालय, Tanuku. **प्रधि**नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल केलिए भन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशाव से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) बीच ऐसे झन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (खं) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उनत म्रधिनियम' या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब 'उक्स प्रधिनियम' की धारा 269-ग के प्रनुसरण में. मैं. 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत् :---

- (1) 1. Sri. Nalajarala Narayana Rao, S/o Vnkanna, Tanuku 2. Sri Nallajarla Ranga Rao, S/o Narayana Rao, Tanuku 3. Sri N. V. Satyanarayana Rao, Tanuku.
  - 4. Sri N. Kumaraswamy, S/o Narayana Rao, Tanuku.

(भ्रन्तरक)

(2) Sri Akula Bulli Abbai, S/o Bhimanna, Tanuku. (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त भ्रधिनियम' के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

The schedule property as per document Nos. 751/75, 752/75, 753/75 and 754/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 30th April. 1975.

B. V. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada

**सारीख: 22-11-1975** 

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 266.

यतः मुझे, B. V. SUBBA RAO म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० S. No. 491/1 & 491/2 है तथा जो Dry land 11-00 स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्षर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- 1. Smt. Puppala Vijaya Laxmi Smt. P. Radhakrishnamma, P.O. Chandurti. (ग्रन्तरक)
- 2. Sri Petula Harikrishna,

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की ग्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी
  ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
  हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी
  के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसुची

The property as per document No. 574/75 of the SRO, Prattipadu of E. G. Dt.

B. V. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada

तारीख: 20-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

न्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 267 K. R. No. 18/75-76.

यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पये से अधिक है भीर जिसकी सं 0 27-11-73 है तथा जो Governerpeta, VZA Mary Street, में स्थित है, (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से लिए अन्तरित की प्रतिफल के और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) भोर (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की झारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।—

- (1) Paumarthi Sitaramavadhamulu. (2) P. Subramanya Sastry, (3) P. Kurali Krishna, (4) P. Prabakara Sastry, (5) P. Ramashendurudu. (6) P. Venkateswara Prasad. (7) P. Venkateswara swamy, Vijayawada.
- (2) Smt. Pamidimukkala Basava Purnamma W/o Dr. P. Narasimha Rao, Kaneharapalem, Vizagpatam. (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

The scheduled property as per document No. 1339/75 of the SRO, Vijayawada during the fortnight 30-4-75,

B. V. SUBBA RAO, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada.

सारीख: 20 नवम्बर, 1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्राक्कर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, विनांक 20 नवम्बर 1975

Acq. File No. 268/J. No. ME.28/EG/75-76.

यतः, मुझे, B. V. Subba Rao आयकर श्रिक्षियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिक्षित्रमम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ए० से श्रिक्षिक है और जिसकी सं० 26, 27/1, 27/2, 27/4, and 54/4 & 54/5. Total Ac-7-00 cents. है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षकारी के कार्यालय, Ambajipeta

म भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के वस्यमान

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे धृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-गके श्रनुसरण में; में, उक्त श्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :----15---366GI/75 1. Sri. Vadlamani Subramanyam and (2) Madusudana Dutt, Sons of Sri V. V. Subbaraidu, Visakhapatnam. (भ्रन्तरक)

2. Sri. Surikuchi Ramachendrudu and Sri. Suikuchi Subramanyam, Mukkamala.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

The schedule property bearing documents 348 & 349 of 1975 of the SRO, Ambajipeta, registered during the fortnight 15-5-75.

B. V. SUBBA RAO सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख: 20-11-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

थण्डीगढ़, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एल डी एच/1327/75-76— अत: मुझे विवेक प्रकाश भिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 है तथा जो कैलाश चौक लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त श्रधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत् :--- (1) श्री चमन लाल चौधरी, पुत्र स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल 50, दी माल, मेरठ कैंट

(ग्रन्तरक)

(2) श्री दौलत राम,बी-I, 1371, छौनी चौक लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाम्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-1/184 कैलाश चौक, लुधियाना (जैसे कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख नं० 10538, मार्च 1975 को सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है)।

> विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 6-12-1975

परूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनाँक 6 दिसम्बर 1975

निदेश सं० एलडीएच/1330/75-76—अतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज चण्डीगढ़

यायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), कं ग्रिधीन सक्षम र्प्यकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानण सम्पति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 1/4 भाग जायदाद नं० वी-1/184 केलाण चौक है तथा जो कैलाण चौक लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध ग्रमुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आज्यार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: ग्रब 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

(1) श्री चमन लाल चौधरी पुत स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल 50, दी माल, मेरठ कैंट

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री कृष्ण कुमार, श्राफ मै० रेखा लैंड बी-I/793 छौनी मोहल्ला, लुधियाना

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

1/4 भाग जायदाद नं० बी-I/184 कैलाश चौक लुधियाना (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 10540 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।

विवेक प्रकाश मिनोचा सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 6-12-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजीन रेंज 5, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 नवम्बर 1975

निवेश सं० आई 5/307/75-76—अतः मुझे जे० एम० मेहरा सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बम्बई, श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज 5 बम्बई, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० एस० न० 142 हि० नं० 1 (ग्रंण) है, जो नाहर (मुलुंड) में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 2-4-1975

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरक (अन्तरकों) और अम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अभ्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धारीन िमन्निक्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री/श्रीमती/कुमारी वसुवली ग्रोमेन माईकल (ग्रन्तरक)
- (2) दुलासी को० श्रोप० हाउ० सोसायटी लि० (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचमा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 48 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पल्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

बम्बई नगर श्रौर बम्बई उपनगर जिले के रजिस्ट्रेंशन उपजिले बान्दों में नाहर (मुलुंड) में स्थित एवं श्रवस्थित भूमि का अथवा मैदान का वह तमाम भाग जो कि माप में 1243 वर्गगज श्रथीत् 1039.309 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है तथा जिसकी प्लाट सं० 9 है श्रौर सर्वे सं० 142 हिस्सा नं० 1 (श्रंश) सी० टी० (नगर) सर्वेक्षण संख्या 669 है तथा जो इस प्रकार से घरा हुआ है कि उत्तर में उपविभाजित प्लाट सं० 6 है दक्षिण में श्रथवा दक्षिण की श्रोर ग्रंशतः उपविभाजित प्लाट सं० 6 है तथा पृष्ठ श्रोर श्रंशतः उपविभाजित प्लाट सं० 5 है, पिश्चम में श्रथवा पिश्चम की श्रोर उपविभाजित प्लाट सं० 3 है तथा पूर्व में श्रथवा पूर्व की श्रोर रिकिश्रेशन स्पेस (मनोरंजन स्थल) है।

जे० एम० मेहरा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 5, बम्बई

तारीख : 25-11-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निदश सं० ग्रई 1/1172-13/ग्रप्रैल, 75—-ग्रत:, मुझे, व्ही० ग्रार० ग्रमीन सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— हपमें से प्रधिक है प्रौर जिस की सं० फायनल प्लाट नं० 423 टी० पी० एस० 111 महिम है, जो माहिम में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के प्रमुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भ्रधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्.— (1) श्री क्रिसीनसीम्रो ए-फान्सीस गोन्सालविस उर्फ ग्रेसीम्रस गोन्सालविस तथा भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) माहिम लेन्ड मार्क को० ग्रोप० हाऊसिंग सोसायटी लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितव**ड़ किसी** अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वव्दीकरण :- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में दिया गया है।

### अमुसुखी

बम्बई के रिजस्ट्रेशन उपजिले में स्थित फ्रीहोल्ड जमीन या मैदान का वह तमाम भाग श्रयवा टुकड़ा जिसकी टाउन प्लानिंग स्कीम सं० 111, माहिम की फाइनल प्लाट सं० 423 है, तथा जो माप में 2,249 वर्गगंज श्रथवा उसके करीब है श्रर्थात् 1880.5 वर्ग मीटर या उसके समकक्ष है, वह इस प्रकार घिरा हुआ है कि

उत्तर में अथ वा उत्तर की आरे फाइनल प्लाट सं० 424 या 424 ए है, दक्षिण में अथवा दक्षिण की ओर फाइनल प्लाट सं० पूर्व में अथवा पूर्व की ओर तुलसी पाइप रोड है (अअ सेनापित बापट मार्ग के नाम से जाना जाता है) और पिच्चम में अथवा पिच्चम की ओर फाइ नल प्लाट सं० 424 है।

व्ही० म्रार० स्रमीन सक्षम श्रधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बम्बई।

तारीख: 27 नवम्बर 1975

प्ररूप भ्राई०टी०एन०एस०--

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बग्वई

निर्देश सं० अई 1/1174-14/अप्रैल 75--अत: मुझे, व्ही० आर०

वन्नई, तारीख 27 नवम्बर 1975

अमीन, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है और जिस की सं० सी० एस० नं० 392, 1/392 मलबार और कंबला हिल डिव्हीजन हैं, जो शिरी गेड में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्वी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 15-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित

बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए

तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत :—— (1) श्री शांति कुमार चिरंजीलाल लोयालका श्रौर लिला देवी शांतीकुमार लोयालका

(ग्रन्तरक)

(2) शर्मा इस्टेट एण्ड बिल्डेंस प्रा० लि०

(ग्रन्तरिती)

(3) किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सबंध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, ब्रघोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

### अमुसूची

शिरी रोड, बम्बई में स्थित प्रापर्टी जो कि माप में लगभग 1363 जिसका मलबार हिल डिवीजन केडस्ट्राल सर्वेक्षण सं० 392 तथा 1/392 है, शिरी रोड बम्बई की दक्षिण पश्चिम साइड में म्थित प्रापर्टी का फ्लोर स्पेस इंडेक्स जो कि माप में 572 वर्गमीटर है तथा जिन पर मलबार ग्रीर कंबाला हिल डिवीजन की केडास्ट्राल सर्वेक्षण सं० 392 तथा 1/392 की पार्ट संख्या दी हुई है।

व्ही० स्रार० श्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज-1, बम्बई

तारीख: 27 नथम्बर, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज 1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० म्रई 1/1168-9/एप्रिल 75—-म्रतः मुझे व्ही० भ्रार० श्रमीन सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है श्रौर जिस की सं० सी० एस० नं० 1120 माटूंग डिव्हीजन हैं, जो प्लाट नं० 153, दादर, माटुंगा में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पुर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकरण **प्रधि**नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-4-1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) ऐसी किसी आय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 था 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिदी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्रीमती उका अस्ण राव सुपनेकर और अन्य (अन्तरक)
- (2) मेसर्स भद्रा एण्ड प्रसोसिएट्स

(ग्रन्तरिती)

(3) किराएदार

(वह व्यक्ति जिसके श्रभिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न भें प्रकाशन की तारीख से 45 विन भी अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्न व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

केडेस्ट्राल सर्वेक्षण सं । 1120, माटूंगा डिवीजन, म्युनिसिपल कार्पोरेणन की दादर माटूंगा एस्टेट का प्लाट सं । 153 जो माप में 605 वर्गगज है उस पर बनी इमारत जिसमें ग्राउंड फ्लोर श्रीर दो फ्लोर शामिल है।

> व्ही० भ्रार० भ्रमीन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 27 नवम्बर, 1975

### प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्भन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, तारीख 27 नवम्बर 1975

निर्देश सं० अर्द 1/1161-2/एपिल 75—अतः मुझे व्ही० आर० अभीन सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, वम्बई आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूख्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिस की सं० सी० एस० नं० 1605 फोर्ट डि, वीजन है, जो रजिस्ट्रीकर्ती, अधिकारी के कार्यालय अम्बर्द में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975 को प्रविक्त सम्पत्ति के अचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पंचापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से अधिक है और श्रन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधिनियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निस्तिक व्यक्तियों, प्रधीत :---

- (1) डा० गुरुचरनसिंग दुगल ग्रौर भ्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) रामन एण्ड डिम लि॰ ग्रीर ग्रन्य (श्रन्तरिती)
- (3) किराएदार

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

### **अनु**सूची

बम्बई टापू में, बम्बई के रजिस्ट्रेशन उपजिले में बेकबे रिक्ले-मेशन में 17बी, दिनशा वाच्छा रोड पर स्थित एवं श्रवस्थित दुगल हाउस से जाना जाने वाला जमीन ग्रीर उस पर बनी गह-वाटिकाओं, रिहायशी मकानों (टेनीमेंट्स ग्रार इवेलिंग हाउस) सहित, वह तमाम भाग जो कि पट्टे पर (लीजहोल्ड टेन्योर) पर महाराष्ट्र सरकार के बेकबे रिक्लेमेशन इस्टेट के भागे के ब्लाक-11 में प्लाट सं० 169 से जाना जाता है तथा जो माप में 2050 वर्ग गज प्रथित 1714 वर्गमीटर प्रथवा उसके लगभग है तथा जो बम्बई के कलक्टर की पुस्तकों में रेन्ट रोल नम्बर 10200 के भ्रधीन दर्ज है तथा जिसकी फोर्ट डिव्हीजन केडीस्ट्रल सर्वेक्षण सं० 1605 तथा म्युनिसिपल दर भ्रायकर का के ऐस्सेसर भ्रौर कलक्टर की पूस्तकों में ए-वार्ड सं० ए-1315 (92 ए) श्रौर स्ट्रीट सं० 17 बी के प्रधीन दर्ज है तथा इस प्रकार से घिरा हुग्राः है कि पूर्व में भ्रयवा पूर्व की ग्रोर बेकबे रिक्लेमेशन ऐस्टेट की प्लाट सं० 168, पश्चिम में प्रथवा पश्चिम की ओर बेकबे रिक्लेमेशन की प्लाट सं० 170, उत्तर में ग्रथवा उत्तर की श्रोर बेकबे रिक्लेमेशन ऐस्टेट की प्लाट सं० 122 है तथा दक्षिण में प्रधवा दक्षिण की ग्रोर पचास फुट की सङ्क है।

> व्ही० म्रार० स्रमिन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजीन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 27 नवम्बर, 1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 22 नवम्बर 1975

निदेश सं० टी॰ म्रार॰ 5/सि॰ 5/कल॰-I/75-76--ग्रतः मझे, एस० के० चऋवर्ती, धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उम्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है धौर जिसकी सं० 75 सी (युनिट नं० 4ए) है तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकता में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांष 25-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्त-रकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीन्:—
16—366GI\$75

1. रूबि कन्सद्रवसन कं०

(ग्रन्तरम)

2. श्री किरण जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों झौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के झब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विधा गया है।

#### अनुसुची

75 सी पार्क स्ट्रीट फलकता यूनिट नं० 4ए से श्रवस्थित चार-तल्ला:

> एम० के० चक्रवर्ती, सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-I, 54 किडवई रफी ग्रहमद रोड़ कलकता-16

तारीख: 21-11-1975

### SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 12th November 1975

No. F.6/75-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint Shri Inder Jeet Sachdeva, Stenographer, as officiating Court Master with effect from 12 November 1975 until further orders.

R. SUBBA RAO, Deputy Registrar (Adma.).

\_\_\_\_\_\_

# CABINET SECRETARIAT DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.

New Delhi, the 5th November 1975 (APPOINTMENT)

F. No. A-11/31/75.—Shri M. H. Khan, Inspector of Income Tax, Bombay is appointed as Enforcement Officer at Bombay Zonal Office of this Directorate w.c.f. 24.10.75 (AN) and until further orders.

#### The 12th November 1975

No. F. A-11/30/75.—Shri T. G. Kazi, Inspector of Income Tax, Baroda (Gujarat), is appointed as Enforcement Officer at Ahmedabad Sub-Zonal Office of this Directorate with effect from 25.10.75 (A.N.) and until further orders.

NRIPEN BAKSI, Deputy Director (Admn.).

# (MINISTRY OF HOME AFFAIRS) OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 30th October 1975

No. E-38013(3)/24/75-Ad.I,—On transfer to New Delhi, Shri R. K. Murti, Assistant Commandant (JAO), Southern Zone, Madras relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 15th October, 1975 and assumed the charge of the post of Assistant Comandant (JAO) Northern and Western Zone with Headquarters at New Delhi with effect from the Forenoon of 18th October, 1975,

L. S. BISHT, Inspector General.

#### DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th November 1975

No. A.VI-20/73-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Capt. Mehar Singh (Retd) as Dy. SP Coy. Comdr/Qm) in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge as Dy. SP (Coy. Comdr./QM) in the Group Centre. CRP Force, Rampur on the forenoon of 1st October. 1975.

N. S. SAKSENA, Director General, CRPF.

#### MINISTRY OF FINANCE

# (DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS) INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th October 1975

No. 1037/(A).—The undersigned hereby appoints Shri D. P. Jambotkar, an officiating Stamp Supply Officer, Central Stamp Store, Nasik Road, to officiate as Stores Officer in the India Security Press in the revised scale of Rs. 840—

40—100—EB—40—1200 on an ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6th October, 1975 to 29th February, 1976 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

#### The 6th November 1975

No. 1170/A.—The undersigned is pleased to appoint on deputation Shri K. S. Srinivasan, Accounts Officer, office of the Deputy Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs, Trivandrum, as Accounts Officer India Security Press, Nasik Road with effect from the forenoon of 6th November 1975 for a period of three years in the first instance.

V. J. JOSHI, General Manager.

#### BANK NOTE PRESS

Dewas, the 14th November 1975

No. BNP/C/63/75.—Shri B. B. Sen, Officiating Shop Superintendent (Millwright) in the Central Railway Work Shops, Parel is appointed on deputation as Assistant Engineer (Mechanical) in the Bank Note Press, Dewas for a period of one year with effect from the afternoon of 12.11.1975.

D. C. MUKHERJEA, General Manager.

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 13th November 1975

No. PD-7/8609.—Further to this office Notification No. PD-7(1438/7046 dated 22.9.75, Shri Joy Peter, Foreman is allowed to continue to officiate as Assistant Works Manager in scale of Rupees 840—40—1000—EB—40—1200 for a further period from 24.10.75 to 2.11.75 vice Shri A. K. Ghosh, Assistant Works Manager on leave.

R. VISHWANATHAN, General Manager.

### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ORISSA

Bhubaneswar-751001, the 23rd October 1975 No. O.O.C.863.—The Accountant General has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the dates noted against each until further orders.

S /Shri

- 1. A. B. Mohanty-15-10-75 F.N.
- 2. A. Pradhan-15-10-75 F.N.
- 3. R. K. Sengunta-15-10-75 F.N.
- 4. Sushil Sengupta-15-10-75 F.N.

Their inter se seniority in the cadre of Account Officers is as indicated above.

V. S. BHARDWAJ, Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

### OFFICE OF THE CHIEF AUDITOR EASTERN RAILWAY

Calcutta, the 1st September 1975

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation Shri J. N. Bose Offg, Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of 31st August, 1975.

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation, Shri A. K. Choudhury, Audit Officer of the Office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of the 31st August, 1975.

No. L/8/74.—On attaining the age of superannuation, Shri G. Chatteriee Offig. Audit Officer of the office of the Chief Auditor, Eastern Railway, Calcutta has retired from service with effect from the mid night of the 31st August 1975.

N. G. SEN, Chief Auditor, E. Rly. Cal.

### OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEF-ENCE ACCOUNTS

New Delhi-22, the 13th November 1975

No. 68018(2)/71-AN.II.—The President is pleased to appoint Shri Binod Bihari Ray, an officer of the Indian Defence Accounts Service (on deputation to Rehabilitation Industries Corporation Limited, Calcutta as F.A. & C.A.O.) to officiate in the Junior Administrative Grade (Rs. 1500—60—1800—100—2000) of that service with effect from 1.10.1975 (FN), until further orders, under the "Next Below Rule".

S. K. SUNDARAM, Addi. Controller General of Defence Accounts (AN).

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 6th October 1975

No. 4/75/A/M.—The undersigned is pleased to appoint the following officer with effect from the date indicated against him until further orders:—

Name, Post, Posted at & Date

Dr. Gundumalla Radha Shyam Sundar. Temporary Assistant Surgeon Grade I—Ordnance Factory. Chanda—30.4.75 (FN).

R. M. MUZUMDAR, Director General Ordnance Factories

# INDIAN ORDENANCE FACTORIES SERVICE DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 13th November 1975

No. 42/75/G.—On attaining the age of superanauation, Shri M. S. Subramaniam, Permt, Manager, retired from service with effect from 31st August 1975 (AN).

No. 43/75/G.—The President is pleased to appoint Shri M. S. Subramaniam on re-employment, as Tempy, Manager, for a period of one year with effect from 1st September, 1975.

M. P. R. PILLAI, Asstt. Director General, Ordnance Factories.

### ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES GROUP Kanpur-208005, the 18th September 1975

No. 4/75/G/OEF.—On attaining the age of superannuation, Shri J. N. Agrwal, Dy. Manager retired from service, 28th February, 1975 (A.N.).

The 7th November 1975.

No. 5/75/G/OEF.—On attaining the age of superannuation Shri H. A. Singh, Offg. Asstt. Manager, retired from service, 30th Sept., 1975 (AN).

S. K. DUTT, Asstt. Director General, Ordnance Factories.

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 13th November 1975

IMPORT & EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1094/75-Admn(G)/11285.—The President is pleased to appoint Shri Arun Kumar, I.A.S. as Joint Chief Controller of Imports and Exports in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi with effect from 15.10.1975 (forenoon), until further orders.

No. 6/1075/75-Admn(G)/11298.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Saxena, I.A.S., formerly Secretary, Tariff Commission, Bombay as Jt. Chief Controller of Imports and Exports, in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports. New Delhi with effect from 21.10.75 (forenoon), until further orders.

B. D. KUMAR, Chief Controller of Imports & Exports.

#### OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 13th November 1975

No. EST-I-2(634).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 19th September. 1974 and until further orders Shri M. C. Pareek, Enforcement Inspector (Technical) in the Regional Office of the Textile Commissioner, Ahmedabad as Assistant Director Grade II (P&D) in the same office.

VIRENDRA B. VERMA, Director.

#### Bombay-20, the 14th November 1975

No. CLB.I/1/6-G/75.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6.G/71 dated the 13th January, 1972, namely.

In the table appended to the said Notification against S. No. 6, in column numbers 2, 3 and 4 for the existing entries at items (i), (ii) and (iii), the following entries shall be substituted, namely:—

- "(i) Director of Industries & Commerce Kerala, 12(6), 12(6A), 12(7A), 12(7AA), 12C and 12E.
- (ii) The District Industries Officers, Kerala, 12(7A) and 12(7AA)".

No. 18(1)/73-75-CLB.II:—In exercise of the powers conferred on me by clause 11 of the Textiles (Production by Powerloom) Control Order, 1956 and with the previous sanction of the Central Government I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)/67-CLB II/B, dated the 13th January, 1972, namely:—

In the Table appended to the said Notification against S. No. 6, for the existing entry in column 2, the following shall be substituted namely:—

"The Director of Industries & Commerce".

G. S. BHARGAVA. Joint Textile Commissioner.

# KANDLA FREE TRADE ZONE ADMINISTRATION Kutch, the 10th November 1975

No. FTZ/ADMN/7/2/74/5131.—The Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone, Gandhidham—Kutch, (Gujarat) hereby appoints Shri S. R. S. Iyengar, a permanent Section Officer of the office of the Accountant General, Gujarat. Rajkot as Accounts Officer, Kandla Free Trade Zone

Administration on deputation on usual deputation terms in the Pay Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200. With effect from the afternon of 18. 10. 1975 (Eighteenth October Nineteen Seventy five) until further orders.

N. VITTAL, Development Commissioner, Kandla Free Trade Zone.

#### DEPARTMENT OF SUPPLY,

### OFFICE OF THE CHIEF PAY & ACCOUNTS OFFICER

New Delhi, the 17th November 1975

No. A-32014/75-76/Admn(CDN)/4149-51.—The Chief Pay & Accounts Officer, Department of Supply & Rehabilitation and Ministry of Food & Agriculture, New Delhi has appointed Shri Ram Charan, Section Officer (Pay & Accounts) of his Organisations to officiate as Pay & Accounts Officer in the office of the Dy, Chief Pay & Accounts Officer. Department of Supply, New Delhi with effect from the forenoon of 22.10.75 till further orders.

His promotion is without prejudice to the rights and claims of his seniors in the panel.

The promotion is subject to conditions laid down in the Chief Pay & Accounts Officer's Organisation (Pay & Accounts Office) Recruitment Rules 1974.

ARUNA MAKHAN, Dy. Chief Pay & Accounts Officer

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 13th November 1975

No. A-1/1(948)/73.—On his reversion to the post of Scnior Economic Investigator in the Dtc. General of Supplies & Disposals, New Delhi, Shri Babu Lal relinquished charge of the post of Assistant Director (IR) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Kanpur with effect from the afternoon of 30.9.1975.

The President is pleased to appoint Shri Babu Lal, Senior Economic Investigator in the Dte. General of Supplies & Disposals, New Delhi to officate on ad-hoc basis as Assistant Director (IR) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Bombay with effect from 18.10.75 (F.N.) vice Shri G. L. Chandna reverted as Machine Supervisor and transferred to the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi.

K. L. KOHLI, Deputy Director (Administration).

#### New Delhi-1, the 13th November 1975

No. A-1/1(1039).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri J. L. Shah. Superintendent (Supervisory Level II) in the office of Director of Inspection, Calcutta to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Supples and Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 1st October, 1975 and until further orders.

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration),
for Director General of Supplies & Disposals.

# MINISTRY OF IRON & STEEL (DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-13, the 14th November 1975

No. 2181 (MS)/19B.—On reversion from the Collector of Customs, Bombay w.e.f. the afternoon of 21.6.1975. Dr. M. R. Sen Gupta has received charge of the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India with effect from the forenoon of the 1st September, 1975.

No. 2222(SB)/19A.—Miss Subhra Bhattacharya, Scnior Technical Assistant (Geology). Geological Survey of India is appointed as Assistant Geologist in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—

740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in a temporary capacity, with effect from the foren of 13th October, 1975, until further orders.

#### The 15th November 1975

No. 3(5)/71(SA)/19B.—Shri Sibdas Adhya, B.E., Senior Technical Assistant (Geophysics), Geological Survey of India, is appointed as Assistant Geophysicist Instrumentation in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 10th Sepetember 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN, Director General.

## DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS ORGANISATION

Calcutta-19, the 13th November 1975

No. 29-10/72/Estt.—Shri Raj Kumar Biswas is appointed to the post of Assistant Manager in the National Atlas Arganisation in a temporary capacity with effect from he forenoon of 1st November, 1975, until further orders. His initial pays fixed at Rs. 680.00 P.M. in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on the recommendation of the Union Public Service Commission.

No. 29-10/72/Estt.—Shri Bimal Chandra Garai relinquished charge of the post of Assistant Manager in the National Atlas Organisation with effect from 10.10.75 (AN) consequent on his proceeding on leave and reversion to non-gazetted post on the expiry of leave.

S. P. DAS GUPTA, Director.

#### SURVAY OF INDIA

#### SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 17th November 1975

No. E-5021/724-SOS.—Shri Chhotey Lal Kanoji is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 15th October, 1975, until further orders.

No. E-5022/724-SOS.—Shri Thimmaraya Ramachandra Reddy is appointed to officiate as Assistant Stores Officer, Survey of India, in the General Central Service Class II, against a temporary post in the revised scale of pay of Rs. 550—25—750—EB—30—900 with effect from the forenoon of 16th October, 1975, until further orders.

HARI NARAIN, Surveyor General of India.

#### Dehra Dun, the 13th November 1975

No. E1-5020/1117-LPR.—The Surveyor General of India is pleased to retire Dr. J. C. Bhattacharjee, Officer Surveyor of No. 69 (Computing) Party (G. & R.B.), Survey of India, Dehra Dun from the Government Service on superannuation with effect from 1st September, 1975.

J. K. DONALD, Assistant Surveyor General.

#### DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 12th November 1975

No. E11(7).—In this Department's Notification No. E11(7) dated the 11th July 1969, add the following, namely:

Under Class 3-Division 1

- Add "NG-101 and NG-201 for carrying out trial manufacture, test and field trials at specified locations upto 31st March 1976" after the entry "IMPROVED BAL-LISTITE".
  - Under Class 6-Division 2
- 2. Add "GEOSHAPE" after the entry "FUSE IGNITERS".

I. N. MURTY, Chief Controller of Explosive.

#### DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 21st October 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—Consequent on the conversion of Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from 1st April 1975, Shri H. P. Shrivastava, who is on foreign service with Indian Space Research Organisation will continue in the post of Scientist/Engineer SB (Sound Recordist), in Space Applications Centre, Ahmedabad, on deputation terms with effect from 1st April, 1975 and upto February 10, 1977.

This supersdees the Notification No. SAC/EST/1.1.56/75 date July 11, 1975.

No. SAC/EST/1.1.57/75.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from April 1, 1975, the Director is pleased to appoint Shri C. K. Kutty as Engineer SB on a basic pay of Rs. 710/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Microwave Division of the Space Applications Centre of the Indian Space Research Organisation with effect from 1st April, 1975.

#### The 22nd October 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Mrs. Meera S. Lakhia as Scientist/Engineer SB (Scenic Designer) on a basic pay of Rs. 650/~ per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from September 29, 1975 for a period upto July 31, 1976.

MAJOR R. C. SAMUEL (Retd.) Administrative Officer-II.

### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 14th November 1975

No. 6(150)/62-SI.—Shri S. N. Talagangi, ad hoc Programme Executive, All India Radio, Simla relinquished charge of his post on the afternoon of 15th October, 1975 on his reversion to the non-gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

#### The 17th November 1975

No. 4(40)/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Kumari Radha Warrier as Programme Executive All India Radio, Trivandrum in a temporary capacity with effect from the 31st October, 1975 and until further orders.

No. 5(96)/67-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri T. K. Thomas as Programme Executive. All India Radio, Bombay in a temporaty capacity with

effect from the 5th, November, 1975 and until further or-

SHANTI LAL, Deputy Director of Administration, for Director General.

#### New Delhi, the 13th November 1975

No. 2/4/75-S III—The Director General, All India Radio horeby appoints the following officers in the Cadre of Assistant Engineer in All India Radio in an officiating Capacity at the Stations/Offices of All India Radio as shown against their names with effect from the dates mentioned against each until further Orders:

Sl. Name of officer	Office/Station where posted	Date of appointment
1. Shri A. K. Bhat- nagar	TV Centre, AIR, New Delhi.	9-10-75
2. Sh. Surinder Singh	TV Centre, AIR, Srinagar	13-10-75

#### (PLANNING AND DEVELOPMENT UNIT)

No. 3(9)/68-D(S).—In partial modification of this Directorate's Notification No. 3(9)/68-D(S) dated 9.12.74, Shri P. Palit, Accounts Officer in the office of Accountant General, Central, Calcutta has been appointed on deputation, to the post of Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 in the office of Regional Engineer (East), All India Radio, Calcutta with effect from 16.9.74 upto 15.9.77.

P. K. SINHA, Deputy Director of Administration, for Director General.

#### MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

#### FILMS DIVISION

Bombay-26, the 12th November 1975

No. A.19012/3/75-Est.I.—The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri A. Nanda Gopal to officiate as Newsreel Officer in the Films Division, Bombay with effect from the 1st November, 1975 (forenoon) until further orders.

M. K. JAIN,
Asstt. Administrative Officer.
for Chief Producer

#### New Delhi-1, the 17th November 1975

No. A-31016/1/75-Admn./DS(I).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Pattabiraman, a permanent Technical Officer (Sound) and Officiating Senior Technical Officer in the Directorate of Field Publicity, as Senior Technical Officer in the same Directorate in a substantive capacity with effect from 30th September, 1975.

S. GHOSE, Deputy Secy.

# MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING (DEPTT, OF HEALTH)

New Delhi, the 17th October 1975

No. A.11016/1/74-M.C.—The president is pleased to appoint Dr. G. Saran to the post of Deputy Assistant Director (Non-Medical) at the Central Research Institute Kasauli in a subsantive capacity with effect from the forenoon of the January, 1972.

N. S. BHATIA, Under Secy.

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 24th October 1975

No. F. 16-42/74-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri P. Kunhikrishnan. Office Supdt. Govt. Medical Store Dept, Hyderabad as Assistant Depot Manager in the Medical Store Organisation on temporary basis with effect from the forenoon of 24-7-75 at the Medical Store Depot, Hyderabad until further orders.

SANGAT SINGH, Deputy Director Administration (Stores), for Director General of Health Services.

New Delhi, the 14th November 1975

No. 6-9/74-Admn.-I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri K. N. Tandon, to the post of Veterinary Assistant Surgeon at the Central Research Institute, Kasauli, with effect from the forenoon of the 20th October, 1975, on an officiating basis, and until further orders.

S. P. JINDAL, Deputy Director Administration.

#### MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 17th November 1975

No. F1/170/71-AF.I.—Shri N. V. Sreekantiah ex-Deputy Senior Marketing Officer, is appointed substantively to the permanent post of Marketing Officer (Group I) in the Directorate of Marketing and Inspection with effect from 1st January, 1967.

E. S. PARTHASARTHY, Agricultural Marketing Adviser.

## MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 6th December 1975

No. 23/3/75-CPI—The All-India Consumer Price Index Numbers for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by Three points to reach 316 (Three hundred and sixteen) during the month of October, 1975. Converted to base: 1949=100 the Index for the month of October, 1975 works out to 384 (Three hundred eighty four).

A. S. BHARADWAJ

Joint Director

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 27th October 1975

No. AMD/1/18/75-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri A. R. Nath as Scientific Officer/Engineer (Geology) Grade 'SB' in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from the forenoon of 20th October, 1975 until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer.

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT Kota, the 14th November 1975

No. RAPP/00101/75-Adm/R/S/362.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, is pleased to appoint Shri A. D. Gupta a quasi-permanent Scientific Assistant 'B' & officiating Scientific Assistant 'C' of this Project as Scientific Officer Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from 1st Nov., 1975 until further orders.

GOPAL SINGH, Administrative Officer (E).

HEAVY WATER PROJECTS
Bombay-400008, the 10th November 1975
No. Ref. HWPs/Estt/1/V-22/7395—Officer-on-Special Duty.

Heavy Water Projects, appoints Shri Achyut Mukund Vaidya, a permanent Assistant Accountant and officiating Assistant Accounts Officer of Bhabha Atomic Research Centre now on deputation to Heavy Water Projects (Central Office) in the same grade to officiate as Accounts Officer II in the same office from October 15, 1975 (FN) to November 28, 1975 (AN) vice Shri M. M. Kasbekar, Accounts Officer II, promoted as Finance & Accounts Officer, Heavy Water Projects

T. C. SATHYAKEERTHY, Senior Administrative Officer.

## OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th November 1975

No. A.32013/8/74-ES.—The President has been pleased to appoint Shri I. S. Bhatnagar, Senior Aircraft Inspector, to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspection in the Civil Aviation Department on a regular basis with effect from the forenoon of 7th November, 1975 and until further orders.

#### The 15th November 1975

No. A.32013/14/75-EC.—In partial modification of this Department Notification No. A.32013/14/75-EC dated the 20th October, 1975, the items Nos. 1 and 2 thereof are amended to read as under:—

- Shri P. B. Syamray, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Calcutta.
- 2. Shri P. Paulose, Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay.

H. L. KOHLI,
Deputy Director of Administration.
for Director General of Civil Aviation.

#### New Delhi, the 13th November 1975

No. A.12025/4/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri Yashpal Batra as Technical Officer in the Radio Construction & Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi on a temporary basis with effect from the 27th October, 1975 (F/N) until further orders.

#### The 15th November 1975

No. A.32014/1/74-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri G. D. Kulkarni, Technical Assistant at Aeronautical Communication Station, Bombay as Assistant Technical Officer on ad-hoc basis at the same station with effect from the 9th Sept., 1974 (F.N.) until further orders.

(The para. 2 of this office Notification No. A.32014/1/74-EC, dated the 3rd October, 74 is hereby cancelled.)

#### The 19th November 1975

No. A.32013/1/75-EC.—On expiry of the period of ad-hoc promotion as Deputy Director of Communication in the Civil Aviation Department, New Delhi Shri K. Anjaiah relinquished charge of the said post w.e.f. the 25th October, 1975 (A.N.); and the President is pleased to appoint him as Assistant Director of Communication in the same office with effect from the same date.

V. V. JOHRI,
Assistant Director (Admn.),
for Director General of Civil Aviation.

#### New Delhi, the 19th November 1975

No. A-32013/4/75-EA.—The President hereby promotes Shri Mir Anwar, Senior Aerodrome Officer to the grade of Deputy Director/Controller of Aerodromes in the Air Routes & Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Deptt., in an officiating capacity with effect from the 4h November, 1975 and until further orders. Shri Mir Anwar is posted as Regional Controller of Aerodromes, Madras Region, Madras Airport, Madras.

V. V. JOHRI, Assistant Director (Adma.).

# MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 13th November 1975

No. E(I)07159,—The Director General of Observatories bereby appoints Shri S. D. Prasad, Officiating Professional Assistant, Meteorologist Office, Babatpur, under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20th October, 1975 and until further orders.

Shri S. D. Prasad, Offg. Assisant Meteorologist has been posted in the Meteorological Office, Mohanbari under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)07611.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri L. K. Mallick, Officiating Professional Assistant, Central Scismological Observatory, Shillong, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from he forenoon of 15th September, 1975 and until furher orders.

Shri L. K. Mallick, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Central Seismological Observatory, Shillong.

#### The 14th November 1975

No. E(I)04261.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. Gopinatha Rao, Prof. Assit., Office of the DDG.C. Poona as Assit. Met, in an officiating capacity for a period of Seventy days with effect from the forenoon of 20.10.1975 to 28.12.1975.

Shri Gopinatha Rao Offg, A.M. has been transferred to the office of Dy. D.G.O. (F). Poona w.e.f. the forenoon of 20.10.1975

No. E(I)04227.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Amarendra Kumar Dutta, Prof. Asstt. Office of the Dir. RMC Calcutta,, as Asstt. Met, in an officiating capacity for a period of forty two days with effect from the forenoon of 20.10.1975 to 30.11.1975.

Shri A. K. Dutta Offg. A.M. remains posted to the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04224.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Sen Professional Assistant, Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre. Bombay who was apopinted to officiate on Assistant Meteorologist upto 18.10.1975 vide this Department Notification No. E(I)04224 dated 12th August 1975, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 19th October, 1975 and until further orders.

Shri S. N. Sen. Offg. Assisant Meteorologist remains posted at Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(I)07093.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri V. K. Mittal, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 6th October 1975 and until further orders,

Shri V. K. Mittal, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi.

#### The 17th November 1975

No. E(1)04330.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. K. Saha, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 27th October, 1975 and until further orders.

Shri S. K. Saha, Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur, No. E(1)06389.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Ram Sanehi. Professional Assistant, Meteorological Centre, Lucknow under the Director, Regional Meteorological Centre, New Delhi as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 8th October, 1975 and until further orders.

Shri Ram Sanchi, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to Meteorological Centre Gauhati under the Director. Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(I)07099.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri C. K. Jain, Professional Assistant, Meteorological Office, Gwalior, under the Director Regional Meteorological Centre, Nagpur as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the afternoon of the 16th October 1975 and until further orders.

Shri C. K. Jain, Offg. Assistant Meteorologist has been posted to the Meteorological Centre, Gauliati, under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 12th November 1975

No. 1/369/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Bhagat Singh, Supervisor. New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 5-5-75 to 13-10-75 (both days inclusive), against short-term vacancies.

No. 1/370/75-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri B. K. Suri, permanent Supervisor, New Delhi Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 28.7.75 to 30.9.75 (both days inclusive) against a short-term vacancy.

M. S. KRISHNASWAMY, Administrative Officer, for Director General.

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE & CUSTOMS OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE: PATNA

Patna, the 13th November 1975

C. No. II(7)5-ET/75/10869.—Shri S. D. Choudhary, officiating Superintendent Class II. Central Excise and Customs Collectorate, Patna has retired from service on superannuation with effect from 31.10.75(A.N.).

H. N. SAHU, Collector, Central Excise: Patna.

## DIRECTORATE OF INSPECTION CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 15th November 1975

No. 13/75.—Shri S. Ramoji, lately posted as Superintendent of Central Excise, Class II in the Hyderabad Central Excise Collectorate, assumed charge as Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise at Hyderabad on 1.11.75 (Forenoon).

No. 14/75.—The Director of Inspection, Customs and Central Excise, New Delhi regrets to announce the death of Shri N. Vecrasalingam, Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Class II in the Central Regional Unit of the Directorate of Inspection, Customs and Central Excise at Hyderabad on 30.10.75.

M. S. MEHTA, Director of Inspection.

### OFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE Simla-4, the 13th November 1975

No. INS.19(1)-ADM/74.—S/Shri Suresh Anand and S. L. Jain who have been appointed as Senior Examiners in this office, in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200, assumed charge of their post on the forenoon of the 8th September 1975. They will be on probation for a period of two years.

G. S. DAMLE, Controller of Insurance.

#### CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 20th September 1975

No. 27-E/C(10)/69-ECII.—Shri K. G. Chopra, Executive Engineer Central P.W.D. and on deputation to the Delhi Small Industries Development Corporation Ltd., New Delhi retired from service on 31-8-75 A.N. on attaining the age of superannuation.

#### The 3rd October 1975

No. 30/5/74-ECI.—The President is pleased to confirm the following Assistant Executive Engineers (Civil and Electrical) recruited as probationers to Central Engineering Service Class I and Central Electrical Engineering Service Class I in the Central Public Works Department on the basis of combined Engineering Services Examination 1970 on their appointment in the grade of Asstt. Executive Engineer with effect from the dates mentioned against their names:

Sl. No.	Name	Grade	Date
<del> </del>	S/Shri		
1.	K. S. Dilwari	A, E, E, (Civil)	27-11-73
2.	Prabash Singh	Do.	10-11-73
3.	K. Srinivasan	Do.	20-12-73
4.	H. S. Dogra	Do.	1-12-73
	Anant Ram	Do.	8-11-73
6.	K. Ramamurthy	Do.	24-11-73
7.	M. K. Kanchan	Do.	15-12-73
8.	Gunnu Lal	Dσ,	29-10-73A.N
9.	Surendra Mohan	A. E. E. (Elect.)	29-11-73
10.	S. Gopal	Do.	29-11-73

P. S. PARWANI, Dy. Dir. of Adma.

New Delhi, the 12th November 1975

No. 27-AE/C(2)/74-ECII.—Shri Ashok Kumar Chaudhary, Assistant Executive Engineer, Gangtok Central Division Gangtok expired on 18th October, 1975.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Admn. for Engineer-in-Chief.

### OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER SALAL HYDRO ELECTRIC PROJECT

Jyotipuram, the 13th November 1975

No. CESP/EC-44/75/20583-91.—Shri Kulbhushan Sharma, Assistant Engineer of the J&K Government is appointed on deputation as Assistant Engineer (Eltc.) on ad-hoc basis with effect from 10th Nov., 1975 (F.N.) for a period of six months.

No. CESP/EC-44/75-20592-99.—Shri A. K. Kanjwal, Assisstant Engineer (Elec.) of the J&G Government is appointed on deputation as Assistant Engineer (Elec.) on ad-hoc basis with effect from, 10th Nov., 1975 (F.N.) for a period of six months.

Sd. ILLEGIBLE, CHIEF ENGINEER

#### NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 31st July 1975

No. 728E/146(Eia)—Shri Harbilas Singh Asstt. Controller of Stores (Class II) of this Rly has finally retired from Railway service w.c.f. 31st May 1975 AN.

V. P. SAWHNEY, General Manager

# DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of Naharkatia Brick Works Limited

Shillong, the 14th November 1975

No. 1208/560/3452.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Naharkatia Brick Works Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, SHILLONG.

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s. Central Mines Limited
Bombay-2, the 12th November 1975

No. 9282/560(3).—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date thereof the name of the Central Mines Limited, unless causes is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Addl. Registrar of Companies, Maharashtra, Bombay

#### OFFICE OF THE INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 14th November 1975

No. F.48-Ad(AT)/75-P.II.—Shri K. B. Srivastava, Senior Superintendent, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Benches Bombay is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Bombay Branches, Bombay in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on ad-hoc basis in a temporary capacity for a period of six months with effect from 15-11-1975 (Afternoon) to 15-5-1976 (Afternoon) vice Shri S. R. Verma or till the post is filled up by regular appointment of a nomice of the U.P.S.C. whichever is earlier.

HARNAM SHANKAR, President

#### INCOME TAX ESTABLISHMENT GAZETTED

No. 758—In exercise of the powers conferred by the subsection (2) of the Section 117 of the Act, 1961 (Act 43 of 1961), I Shri O. V. Kuruvilla, Commissioner of Income-tax, Bombay, City I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income tax to Officiate as Income-tax Officer, Class II with effect from the date shown against their name and until further orders.

- Shri R. D. Pareira, Inspector, Spl. Range 26-5-75 (F.N.)
   I. Bombay.
- 2. Shri L. K. Joshi, Inspector, Central, Bombay 29-5-75 (F.N.)
- 3. Shri P. Narayanan, Inspector, Chief Auditors/office, Bombay.
- Shri K. P. D. Nair, Inspector, Acqn. 28-7-75 (A.N.) Range, Bombay.
- Shri V. P. Daniel, Inspector, Central, Bombay.
   31-7-75 (A.N.)
- Shri B. B. Patil, Inspector, C-III Ward, Bombay
- Miss M. B. Naik, Inspector, C.I.T's office 28-7-75 (A.N.) Bombay.
- 8. Shri M. K. Udasi, Inspector, Sr. A.Rs. 28-7-75 (F.N.) Office, Bombay.
- 9. Shri T. D. Patil, Inspector, S-B-II, Bombay. 28-7-75 (F.N.)
- Mrs. Laxmi Srinivasan, Inspector, C.A.'s 28-7-75 (A.N.)
   Office, Bombay.
- Shri Y. V. S. S. Bhaskar Rao, Inspector 29-7-75 (F.N.)
   CIT's Office, Bombay.
- Shri H. H. Vazirani, Inspector, A-IV Ward, 30-7-75 (F.N.) Bombay.
- Shri K. T. Joseph, Inspector, Mkt. Ward, 28-7-75 (A.N.)
- Shri D. R. Banet, Inspector, D-I Ward, Bombay.
- Shri R. S. Mahajan, Inspector, DDI Office, 29-7-75 (F.N.) Bombay.

- 16. Shri P. S. Patil. Inspector, C.A.'s. Office, ombay. 28-7-75 (A.N.)
  17. Shri P. A. Abraham, Inspector, Com. Gir-1, Rombay. 28-7-75 (F.N.)
- 18. Shri P. B. Kulkarni, Inspector, B-III Ward, Bombay. 29-7-75 (F.N.)
- 19. Shri M. Madhavan, Inspector, C-I Ward, 30-7-75 (A.N.) Bombay.
- Shri M.C. Makhija, Inspector, Com. Cir. IV 28-7-75 (A.N.) Bombay.
- 21. Shri R. B. Ahuja, Inspector, C-IV Ward, 29-7-75 (F.N.) Bombay,
- Shri V. C. Bhola, Inspector, Com. Cir. 1, 29-7-75 (F.N.)
   Bombay.
- 23. Shri J. Mathia, Inspector, B-1 Ward, Bombay, 31-7-75 (F.N.)
- Shri C. T. Thomas, Inspector, A-III Ward, 31-7-75 (F.N.) Bombay.
- Shri Rengarajan, Inspector, CIT's Office, 28-7-75 (F.N.)
   Bombay,
- ShriD, P. Rathod, Inspector, DDIs Office, Bombay.
- 27 Shri D. K. Kamwal, Inspector, D-JI Ward, 29-7-75 (F.N.) Bombay.
- 2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi, The Period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon successful completion of the probationary period.
- 3. Their appointments are made on a purely temperally and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

O. V. KURUVILLA, Commissioner of Income-tax, Bombay City I, Bombay.

(1) Shri S. K. Bajoria, Police Bazar, Shillong.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri S. K. Chopra, Lachumiaro, Shillong. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 28th October 1975

Ref. No. A-110/SHG/75-76/3682-90.—Whereas, I, Egbert Singh,

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter

referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Plot No. 74(i) covered by D.C's Patta No. 45(i) situated at G. S. Road, Police Bazar Ward, Shillong,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shillong on 5-6-75.

for an apparent consideration

which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Land measuring 8206 Sqr. ft. covered by plot No. 74(i), D.C.'s patta No. 45(i) along with a temporary structure standing thereon. Situated at G.S. Road, Police Bazar, ward, Shillong in Khasi Hills, District of Meghalaya, State.

EGBERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 28-10-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. LDH/C/1174/75-76.—Whereas, 1,

V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Vacant plot of land measuring 605 sq. yds. on Sheep Shank Road, Civil Lines, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto) has been transfered under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana, in May, 1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jal Parkash, s/o Shri Raja Ram, R/o Rajpura Road, Civil Lines, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Prem Nath, s/o Shri Kulwant Rai, R/o Mandi Ahmedgarh, (Sangrur). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant plot of land measuring 605 sq. yds. situated on Sheep Shank Road, Civil Lines, Ludhiana.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1430 of May, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana, (C).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 22-11-75.

Seal:

### 10680

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/8/75-76.—Whereas, 1, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and having

No. 1/4th share in Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri on May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incofe arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagdish Prasad, s/o Shri Mool Raj, Yamunanagar, Tehsil Jagadhri.

  (Transferor)
- (2) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, Residents of Yamunanagar, Tehsil agadhri. (Transferee)
- (3) M/s Everest Plastic and Chemicals, c/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

  [Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. (ii) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 682 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 22-11-75,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/9/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under

section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, situated at Pamunanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhri in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(i) Shri Ranjan Parkash, s/o Shri Ram Prashad,
 (ii) Shri Danesh Kumar, s/o Shri Ishwar Parkash,
 R/o Village Ladva, Tehsil Thanesar.

(Transferor)

(2) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. (Transferee)

- (3) M/s Everest Plastic and Chemicals, c/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

  [Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, (iii) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, Residents of Yamunanagar.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. 28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar.

(Property as mentioned in the Registered deed No. 683 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.)

V. P. MINOCHA Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 22-11-75.

Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. JDR/10/75-76.—Whereas, 1, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhri in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Avdesh Kumar, s/o Shri Ram Parshad, R/o Village Ladva, Tehsil Thanesar, District Kurukshetra.
  - (Transferor)
- (2) Shri Sudesh Kumar, s/o Shri Damodar Dass, R/o Jagadhri. (Transferee)
- (3) M/s Everest Plastic and Chemicals, C/o E-28 and 29, Industrial Area, Yamunanagar. [Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Vidya Sagar, s/o Shri Chaman Lal, (ii) Shri Pradeep Kumar, s/o Shri Vidya Sagar, (iii) Shri Sudesh Kumar Soangal, s/o Shri Damodar Dass, Residents of Jagadhri.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th share in property on Plot No. E-28 and 29, Industrial Area, Yamumanagar.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 686 of May, 1975 of the Registering Officer, Jagadhri.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 22-11-75.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. DLI/139/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Factory shed at Village Dundihera, Tehsil and District Gurgaon, (Haryana), situated at Village Dundihera, Teh. & Distt. Gurgaon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subs-ection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) The Principal Officer, M/s Raja Mechanical Company Private Ltd; 33-Deputy Ganj, Sadar Bazar, Delhi-6.

  (Transferor)
- (2) The Principal Officer, M/s Export India Corporation Private Ltd; B 1/30-A, Hauz Khas Enclave, New Delhi-16.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Factory shed at Village Dundihera, Tehsil and District Gurgaon, (Haryana).
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 593 of May, 1975 of the Registering Officer, Delhl).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 22-11-75.

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 22nd November 1975

Ref. No. CHD/29/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Chandigarh in May, 1975. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

such apparent consideration and that the consideration

for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the

object of :---

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) Shri Randhir Singh, s/o Shri Sarwan Singh, Village Dhauansu, District Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Sarvashri Sarbjit Singh, s/o Parshan Singh, R/o Shri Karanpur, District Sri Ganganagar, (Rajusthan) (Transferce)
- (3) General Manager,
  Punjab State Cooperative Bank, Chandigarh.
  [Person in occupation of the property]
- (4) (i) Shri Sham Singh, H. No. 6, Sector 16-A, Chandigarh.
  - (ii) Shri Darshan Singh, s/o Kartar Singh, R/o Village & P.O. Jandiali, District Jullundur.
  - (iii) Shri Jasvir Singh, s/o Shri Jagat Singh, R/o Village & P.O. Kot Grewal District Jullundur. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, Chandlgarh,

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 22-11-1975,

Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 22nd October 1975

Ref. No. CHD/53/75-76.—Whereas, I, V, P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of in any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

18-366GI\$75

- (1) Shri Randhir Singh, s/o Shri Sarwan Singh, Village Dhanansu, District Ludhiana, (Transferor)
- (2) Sarvshri
   (i) Darshan Singh, s/o Shri Kartar Singh,, R/o
   Village & P.O. Jandiali, District Jullundur.
   (ii) Jasvir Singh, s/o Jagat Singh, R/o Village & P.O. Kot Grewal, District Jullundur.
   (Transferee)
- (3) General Manager, Punjab State Cooperative Bank, Chandigarh, (Person in occupation of the property)
- (4) (i) Shri Sarbjit Singh, s/o Shri Parshan Singh, R/o Shri Karanpur, District Sri Ganganagar.
   (ii) Shri Sham Singh, H. No. 6. Sector 16-A, Chandigarh.
   (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share in Shop-cum-flat No. 3, Sector 27-D, Chandigarh.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 22-11-1975.

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the

1975

Ref. No. AP 1387.—Whereas, I. RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. As per schedule

situated at H. No. 323, 324/G, G.T. Road, Basti Chowk, Jullandur.

(and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Juliundur on March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Pal Singh, Attorney Sunder Kaur, Jasbir Kaur, Pritpal Kaur Successors of Dr. Santokh Singh of Jullundur. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh, Gurdevi, Balbir Kaur, Jaswal Singh of W.G. 323, 324, G.T. Road, Near Basti Chowk, Jullundur.
  (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered deed No. 10570 of March, 1975 of S. R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Juliundur.

Date:

1975

Seal;

(1) Shri Tarsem Lal Bhardwai, R/o Jullundur.

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Transferor)

(2) Shri Om Parkash S/O Mela Ram, 36, Sodal Nagar Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR,

Juliundur, the November 1975

Ref. No. AP 1388.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule

Situated at Sodel Road, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

[Person in occupation of the property].

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered Deed No. 1388 of March, 1975 of S. R. Jüllundur.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Jullundur.

Date: November, 1975

Seal:

#### FORM ITNS----

(1) Shri Kuldip Chand, Kapoor Chand R/o Jullundur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Randhir Singh S/o Jagdev Singh, R/o 36-A/2, Central Town, Jullundur.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR.

(4) Any other person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Jullundur, the November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref. No. AP 1389.—Whereas I, RAVINDER KUMAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

- that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
- As per schedule Situated at Central Town, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jullundur in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

#### THE SCHEDULE

Property as mentioned in Registered Deed No. 10583 of March, 1975 of S. R. Jullundur,

RAVINDER KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1975

Date:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE. JULLUNDUR.

Jullundur, the

November 1975

Ref. No. AP 1390.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/1 and bearing No.

As per schedule

Situated at Mohalan, Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nwanshahr on March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Jagdish Pal S/o Bala Singh, R/o Mohalon, Teh. Nwanshahr.

(Transferor)

(2) Shri Jagjit Singh s/o Bhagwan Singh, Shri Satpal Singh Narinder Pal Singh s/o Shri Jagit Singh, R/o Rampur, Teh. Phawara.

(Transferce)

- (3) As per Sr. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any other person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Decd No. 4727 of March, 1975 of S. R. Nwanshahr.

RAVINDER KUMAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range,

Jullundur.

Date:

November, 1975

Seal:

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/308(946)/75-76.—Whereas, I, S, N. L. AGARWALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. C/24, situated at Navin Shahdara, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 29/3/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ram Parsad s/o Shri Bhola Nath, R/o House No. 2830, Gali No. 5 Qutab Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Amrit Arora w/o Shri Kailash Chander, R/o X/18, Navin Shahdara (C-24) Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

A house on plot No. C/24 measuring 172 sq. yds bearing old No. 1586/24 and New House No. X/18 situated in Navin Shahdara Extn. Illaqa Shahdara, Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-11-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI,

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ. II/1877(947)/75-76.—Whereas. I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing No. 1/3 of 1/6 share of Hotel Tourist, situated at Ram Nagar, Pahar Ganj Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Delhi on 31-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the Sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the sald Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Veena Gupta w/o Shri Rajeshwar Nath Gupta, R/o 73. Ansari Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Gupta w/o Shri R. K. Gupta, R/o 16-B/4, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd portion of the 1/6th share (ground floor) of three storeyed building (constructed on a plot of land measuring 1803.23 sq. yds) known as Hotel Tourist situated at Ram Nagar New Delhi and bounded as under:

North: Portion of the building owned by Madhu Gupta South: Portion of the building owned by Vimla Goel

East: Grassy Lawn and Road

West: Several Buildings

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi,

Date: 28-11-1975

Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1996(948)/75-76.--Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 2/3 of 1/6 share of Hotel Tourist, situated at Ram Nagar, Pahar Gani Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 7/5/1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

 Smt. Veena Gupta w/o Shri Rajeshwar Nath Gupta, R/o 73, Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Savita Gupta w/o Shri R. K. Gupta, R/o 16-B/4, Asaf Ali Road, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/3rd portion of the 1/6th share (Ist & 2nd floor) of three storeyed building (constructed on a plot of land measuring 1803.23 sq. yds) known as Hotel Tourist situated at Ram Nagar, New Delhi and bounded as under:

North: Portion of the building owned by Madhu Gupta South: Portion of the Property owned by Vimla Goel

East: Grassy Lawn and Road

West: Several buildings.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-11-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (2) Shri Vas Dev Sarna 5/0 L. Chet Ram Sarna 7/0 Shop No. 343, Lajpat Rai Market, Delhi-6.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR
NEW DELHI

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/293(941)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing Dag

No. A-18, situated at West Azad Nagar, Illaga Shahdara,

Delhi, (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Delhi on 4-3-1975

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Kehar Singh s/o S. Partap Singh R/o 10/123, West Azad Nagar Near Krishan Nagar, Delhi-51. Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land measuring 115.1/2 sq. yds at No. 18 in Block A (A-18) situated in the abadi of West Azad Nagar, Illaqa Shahdara Delhi and bounded as under:—

North : Gall South : Road East : Gall

West: Portion of property No. A-18.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1975

Scal:

19-366GI/75

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-II. 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1870(939)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

4559 situated at Kucha Bibi Gohar Charkawalan, Delhi-6. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22/3/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act.' I hereby initiate proceedings forthe acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:---

- (1) Sv/Shri 1. Jagdish Parsad,
  - Jajeshwar Prasad,
     Mahesh Chand,
  - Om Parkash, Satya Parkash
  - 6. Prem Parkash.

- 7. Jai Parkash, 8. Vinod Parkash,
- 9. Chaman Parkash, all sons of L. Suraj Parshad and residents of
- A-5 Saus Khas, New Delhi.

  10. Smt. Krishna Kanta w/o Sh. Umrao Singh.
  r/o G-7, Hauz Khas, New Delhi.

  11. Smt. Sushila Devi w/o Sh. Ramakant Agarwal,
  r/o G-55, Green Park, New Delhi.

  (Transferon

(Transferor)

(2) Shri Gopal Kishan Mathur, s/o Shri Wazir Chand, r/o 4559, Kucha Bibi Gohar, Charkewalan Delhi-6. 2. Smt. Shakuntala Rani w/o Sh. Wazir Chand r/o 4559, Kucha Bibi Gohar, Charkewalan,

(Transferee)

- (3) Sv/Shri 1. Raghubir Chand
  - 2. Dinesh Chand
  - 3. Rakesh Chand
  - 4. Harish Chand
  - Sandeep

  - 6. Rajeev
    7. Ramesh Chand
    8. Chhotu 9. Suresh Chand
    Polesburgeri Dovi
  - 10. Smt. Rejeshwari Dovi 11. Smt. Kashmiran 12. Mrs. Usha 13. Mrs. Madhu 14. Sonu Rani d/o Sh. Suresh Chand
  - 15. Mrs. Mahadevi w/o L. Mool Chand
  - all residents of 4559 Kucha Bibi Gohar, Delhi-6.

[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A three storeyed building constructed on a plot of land measuring 268 sq. yds situated at 4559, ward VI, Kucha Bibl Gohar, Charkewalan, Delhi,

> S. N. L. AGARWALA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 28-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR.
NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1857(938)/75-76,—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Tenament No. 1 & 2 Block: 25 situated at Ramesh Nagar, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 19/3/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Sita Ram Chadha s/o
 Sh. Salig Ram Chadha r/o
 House No. C-11, Sect. B & C. Vishal Enclave,
 Najafgarh Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Lal Madaan,
2. Shri Hira Lal Madaan,
Sons of Shri Amar Nath Madaan r/o
25/1-2, Double storyed, Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A double storyed house constructed on a plot of land measuring 125.66 sq. yds. at tenament No. 1 & 2 in Block 25 25-1-27. Ramesh Nagar, New Delhi.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi.

Date: 28-11-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Shri Hans Raj Jain s/o Shri Attar Chand Jain, R/o 3726, Gali Churiwalan Katra Dhuni Mall Kagzi, Chawri Bazar, Delhi,

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR

NEW DELHI.

New Delhi, the 28th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. 11/304(940)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

10 situated at Village Uldanpur Shahdara, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 22/3/1975

for an apparent consi-

deration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Rameshwar Dass Bansal, s/o Sh. Suraj Bhan Bansal, r/o 76, Mohan Park Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A piece of land measuring 200 sq. yds out of Khasra No. 351 situated at Plot No. 10 in V.llage Uldhanpur in the abadi known as Rohtas Nagar, Illaga Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North: Plot owned by Sh. Ghisaram

South: Passage East: Road 24' West: Road 16'

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Delhi/New Delhi

Date: 28-11-1975

Scal:

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI.

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. I/SRIII/741(7)/75-76.—Whoreas I, C. V. GUPTE.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S 343 (296 Sq yds) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 5/5/1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Prem Vatl w/o Late Shri Ram Kishan Dass and Shri Sunil Kumar s/o Late Shri Ram Kishan r/o 165, Jorbagh, New Delhi-3.

(Transferor)

(2) Shri Hira Lal Behl son of Shri Uttam Chand Bhel and Virinder Behl all sons of Sh. Hira Lal Behl and Sarvashr Jawar Lal Behl Surinder Lal Behl, Katra Subhash, Chandni Chowk, Delhi-6, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A free-hold plot of land bearing No. 343 in Block No. 'S' measuring 296 sq. yds. situated in the residential colony known as Greater Kailash-II. New Delhi-19 in the revenue records of Village Bahapur, Union Territory of Delhi within the limits of Village Bahapur Union Territory of Delhi within the limits of Delhi Municipal Corporation, Delhi and bounded as under:—

East—Road West—S. Lane North—Plot No. S/341 South—Plot No. S/345.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 24-11-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-1,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/754(28)/75-76.—Whereas, I, C. V. Guple,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Plot No. M-81 († undivided share) situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 7-5-1975,

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

(1) Miss Krishna Sood, d/o Sh. Asa Nand Sood, r/o 651C, Laxmi Bai Nagar, New Delhi-23 Now at H/3 Green Park, New Delhi-16.

(Transfer )

(2) Smt. Sushila Talwar w/o Sh. Jia Lal Telwar r/o 4753/23 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi-6.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned'.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

ishare of undivided free-hold shop plot No. 81 in Block 'M' Market, si;uated in the residential colony known as Greater Kailash-II, New Delhi having an area of 195 sq. yds. and in the Village of Bahapur in the Union Territory of Delhi state and within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East: Shop Plot No. M-80

North . Road

West: Shop Plot No. M-82

South: Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 24-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1, 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/May-I/753 (27)/75-76.---Where-as I. C. V. Gupte,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having afair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-81 Greater Kailash-II

situated at New Delhi (1 undivided share)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 7-5-1975,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Miss Vimla Sood
   d/o Sh. Asa Nand Sood,
   r/o 651C, Laxmi Bai Nagar, New Delhi,
   Now at H/3, Green Park, New Delhi-16.
   (Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Rakhi s/o Sh. Rajeshwar Kumar Rakhi through his guardian and mother Smt. Usha Rekhi wife of Sh. Rajeshwar Kumar Rakhi, r/o S-215, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Half share of undivided free-hold shop plot No. 81 in Block 'M' Market, situated in the residential colony known as Greater Kallash-II, New Delhi having an area of 195 sq. yds. in the Village of Bahapur in the Union Territory of Delhi state and within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

East: Shop Plot No. M-80

North Road

West: Shop Plot No. M-82

South: Road,

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 24-11-1975

#### FORM ITNS----

(1) M/s. D. L. F. United (P.) Ltd., 40 F. Connaught Place. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Surinder Kumar Gupta s/o Sh. Ram Bhaj, r/o 14, Ajit Arcade, Kailash Colony, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/796(43)/75-76.—Whereas, I, C. V. Gunte.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. M-63, (Shop Plot),

situated at Greater Kallash, New Delhi

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on 28-5-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the rights, title and interest of the shop plot No. 63 Block No. 'M' measuring 195 sq. yds, in the residential colony known as Greater Kailash-II, situate at village Bahapur, in the Union Territory of Delhi, bounded as under:—

North: Shop Plot No. M/62 South: Shop Plot No. M/64

East: Road West: Road.

C. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I. New Delhi

Date: 24-11-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shri Swinder Singh Sahni s/o Shri Kishan Singh Sahni, r/o 7/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR,
NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1868(935)/75-76.—Whereas, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/3rd of 7/20 situated at East Patel Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

20-366GI/75

 Shri Ranjit Singh Sahni s/o Sh. Gurbachan Singh Sahni, r/o H-459, New Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds. situated at 7/20, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

East: House No. 7/21 West: House No. 7/19 North: Main Road South: Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date: 24-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1867(934)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. Agarwala,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (herinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd of 7/20

situated at East Patel Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 26-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh Sahni s/o Shri Kishan Singh Sahni, r/o 1312 Sector No. 34-C, Chandigarh through his general Attorney S. Kishan Singh s/o Hari Singh Sahni r/o 7/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ranjit Singh Sahni s/o Late S. Charan Singh Sahni, r/o H-459, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at 7/20. East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

East: House No. 7/21 West: House No. 7/19 North: Main Road South: Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date: 24-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 4-A/I4, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Ref. No. 1AC/Acq. II/1866(936)/75-76.--Whereas, 1, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the Said Act

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/3rd of 7/20

situated at East Patel Nagar, N. Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Sub-Registrar's Office, Delhi on 26-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Randhir Singh Sahni, s/o S. Kishan Singh Sahni, r/o 7/20, East patel Nagar, New Delhi now in New York (USA) through his general Attorney Shri Kishan Singh s/o Sh. Hari Singh Sahni r/o 7/20, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

10703

(2) Shri Ranjit Singh Sahni s/o Late S. Gurcharan Singh Sahni r/o H-459. New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/3rd share of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 200 sq. yds situated at 7/20, East Patel Nagar, New Delhi and bounded as under:—

East: House No. 7/21 West: House No. 7/19 North: Main Road South:—Service Lane.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date: 24-11-1975

 Shri Shiv Mohan Kappor, S/o Shri Ved Parkash Kappor, r/o 533, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

New Delhi, the 24th November 1975

Rcf. No. IAC/Acq. II/305(937)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Western portion of  $\Lambda$ -4/19

situated at Krishan Nagar, Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at

Delhi on 28-3-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- Shri Kehar Singh 5/0
   Shri Partap Singh r/o 10/123, West Azad Nagar, Delhi-31.
  - Shri Ram Lal Dogra s/o Pandit Hira Lal r/o A-4/19, Krishan Nagar, Delhi-51. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A piece of land measuring 116.5 sq. yds being the half portion (western) of plot No. A-4/19, out of Khasra No. 352 situated in Village Ghondli, in the abadi known as Krishan Nagar, Shahdara, Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. A-3/19

South: Road

East: Remaining half portion of plot No. A-4/19

West . Plot No. A-4/18.

S. N. L. AGARWALA,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Delhi/ New Delhi

Date: 24-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 20th November 1975

Ref. No. R.A.C. 164/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-9-571/1

situated at Old Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Joint Sub Registrar, Hyderabad on 31-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Syed Moinuddin son of Syed Meeran Quadri, presently put up at Canada through G.P.A.
 M. Maqdoom Hussain, residing at 8-2-596/4, Road No. 10, Banjara Hills, Hyderabad.

(Fransferor)

 Smt. Khaja Begum wife of Ashraf Ali Khan, H. No. 22-4-562 Inside Yakootpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property: M. No. 16-9-571/1 situated at Old Malakpet, Hyderabad Ground floor of the building and land.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 20-11-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 165/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Portion No. 6-2-25

situated at Jagtial, Jagtial Tq.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kareemnagar on 16-4-1975

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Dharma Raj Gopal Rao,

2. Sri Krishna Bhoopal Rao, 3. Sri Ram Bhoopal Rao,

All 3 R/o Chelgal Village, Jagtial Tq., Karcemnager Dist.

(Transferor)

(2) 1. Sri Pendiyala Satyanarayana,
 2. Smt. Basetti, Shakuntala,
 Tagityala, Tq.
 Kareemnagar Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property: Portion of House No. 6-2-25 at Brahimwadi, Jagtial Tq. Kareemnagar Dist.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 166/75-76.—Whereas, I, K. V. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. One

situated at On "Unity House" at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Hintustan Builders, through its partner Sri Hari Kishen, at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Vatsala Y. Patel W/o Sri Y. K. Patel, H. No. 15-1-664 at Goshamahal, Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Property: Shop No. One, on ground floor of "UNITY HOUSE" at Abid Road, Hyderabad,

Area · 242 Sq. Feet.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 167/75-76.--Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4-1-834

situated at Abid Road, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 11-4-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Smt. Sarla W/o Sri Bhagwandas Thadani,
 Bharati W/o Murlidhar Thadani,
 R/o 3-5-594/1 at Narayan Guda,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Waliram W/o Dayaram, R/o Malakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of thris notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: First and Second floor of the Mulgi bearing No. 4-1-834 at Abid Road, Hyderabad. Area: 66 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. 1 No. 168/75-76.—Whereas, I, K. S. Venka-taraman

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

14-11-52

situated at Mangaloat, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Hyderabad on 7-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21-366GI/75

- (1) Sri G. Krishna S/o G. Ramswamy, R/o H. No. 14-11-53 at Kamati Pura Mangalhat, Hyderabad. (Transferor)
- Sri Narayenlal Yadu S/o Babaramyadulal,
   Sri Amerchandlal Yadu S/o Babaram Yadu,
   R/o 14-8-129 at Chowdibazar,
   Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- of the aforesaid persons within (a) by any publication period of 45 days from the date of Official Gazette or a of this notice in the period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: House No. 14-11-52 at Kamatipura, Mangalhat, Hyderabad. Area: 112.87 Sq. Mets.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 24-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE HYDERABAD

Hyderabad, the 24th November 1975

Ref. No. RAC. No. 169/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Portion of plot No. 5-4-92/1

situated at Ranigunj, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) J. Shri Ghiasuddin Babukhan,
  - 2. Smt. Shahzadi Begum,
  - 3. Sultanuddin Babukhan,
  - 4. Bashiruddin Babukhan,
  - 5. Farida Banu,
  - 6. Turab Banu, 7. Bader Banu.
  - 8. Syceda Banu,
  - 9. Jameela Banu,
  - 10. Dilawer Banu, 11. Nusrath Banu,
    - all residing at M. G. Road, H. No. 5-4-86 at M.G. Road,

Secunderabad.

(Transferor)

 Master Surender Kumar Agarwal, Guardian Sri Pahlad Rai Agarwal,
 H. No. 1-1-20 at S.P. Road, Secunderabad,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Portion of Plot No. 5-4-92/1 at Ranigunj, Secunderabad, Area: 373.33 Sq. Yds,

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 24-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 26th November 1975

Ref. No. RAC. N. 170/75-76.--Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-8-25 situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 7-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- Shri Mir Ahammed Sulthan S/o Fateh Sulthan, H. No. 5-8-23 at Fateh Sulthan lane, Nampally, Hyderabad.
- Smt. Kosaraju Lakshmikanthamma W/o Suryanarayana,
   H. No. 5-8-27 and 28 at Fateh Sulthan Lone,
   Nampally, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Building M. No. 5-8-25 situated at Fateh Sultan Lane, Nampally, Hyderabad, Area: 749 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspeceting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad

Date: 26-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 266 Acq.23-503/13-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot No. C, S. No. 394 Vithal Udyognagar,

situated at Cyto Compd., Near Karamsad Rly. Crossing, Tal. Anand, Dist. Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby situate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) The Principal Officer, Cyto Private Ltd. Cyto Compd., Anand-Sojitra Road Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira. (Transferor)
- (2) The Principal Officer, Japsaw Private Limited, Anand-Sojitra Road, Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

### THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land on ground situate and being at Vithal Udyognagar in the Registration Sub-District of Anand, Dist. Kaira being sub plot No. C, admeasuring 777 Sq. metres, of the land out of the land survey No. 394 of Vithal Udyognagar, Tal. Anand, Dist. Kaira and bounded as under :-

East by: Private Road of Cyto Pvt. Ltd. West by: Sub-plot No. 'D' Sur. No. 394/1+2+3+4.

North by: Sur. No. 391. South by: Private Road of Cyto Pvt. Ltd.

P. N. MITTAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 267 Acq. 23-504/13-1/75-76.—Whereas, J. P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'Said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. F, Sur. No. 397 Vithal Udyognagar

situated at Cyto Compd. Near Karamsad Rly. Crossing, Tal. Anand, Dist. Surat.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anand on 29-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 The Principal Officer, Cyto Private Ltd.
 Cyto Compound, Near Karamsad Rly. Crossing, Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferor)

(2) The Principal Officer, M/s. Moulplast Pvt. Ltd. Post Box No. 8. Cyto Compd., Near Karamsad Rly. Crossing, Vallabh Vidyanagar, Tal. Anand, Dist. Kaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All the piece or parcel of land or ground situate and being at Vithal Udyognagar in the Registration Sub-District of Anand, District Kaira being sub-plot No. 'F' admeasuring 8665.54 Sq. metres of the land out of the land being Sur. No. 397 of Vithal Udyognagar (Karamsad in the Registration Sub-District of Anand and Dist. Kaira and bounded as under:—

North: By sub-plot Nos. Pvt. Road of Cyto Pvt. Ltd. South: by property of G.I.D.C.

East: By Sur. No. 396. West: By Sur. No. 393.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 268 Acq.23-505/13-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sur. No. 326, 327A and 327-B paiki open land situated at Mehmadabad Dist, Kaira

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Mehmedabad on 7-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Mchboob Ilahi Abdullabhai Rushnaiwala
Mohmedyusuf Abdullabhai Rushnaiwala
Abdulmajid Abdullabhai Rushnaiwala
Gulam Mohiyuddin Abdullabhai Rushnaiwala
Gulamhussein Abdullabhai Rushnaiwala,
through Power of Attorney Holder Mehbub Ilahi
Abdullabhai, Kagdiwad, Kochrab,
Abmedabad.

(Transferor)

 Shri Umakant Jethalal Parikh, 885, Tokersha-ni-pole, Raikhad, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

An open land bearing S. No. 326 & 327 A Paiki admeasuring 1 acre and 14 gunthas and 327B paiki 0.04 gunthas (i.e. in all 1 acre and 18 gunthas) situated at Ahmedabad, Dist. Kaira as fully described in sale-deed registered under No. 417 of May 1975 in Registering Office, Ahmedabad.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 269 Acq. 23-415/6-2/75-76.—Whereas, I. P. N. Mittal,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

B-Tika No. 13/1, Sur. No. 42, admeasuring 230 Sq. yds. situated at Dandia Bazar, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 14-5-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteens per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramdas Ramkrushna Kurane, Dandia Bazar, Baroda,

(Transferor)

(2) Smt. Minaxi Chandrakant Amin, Mani Nivas, Dandia Bazar, Baroda,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building S. No. 42, B Tika No. 13/1 situated at Babajipura Dandia Bazar, Baroda. Land admeasuring 230 Sq. yds. alongwith structures as mentioned in the registered deed No. 2997/75 of May 1975 of the registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 22nd November 1975

Ref. No. P.R. No. 270 Acq. 23-419/19-7/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 71 paiki open land

situated at Village Majura Taluka Choryasi, Dist. Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 14-5-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trnasferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thakorbhai Bhikhabhai, Zanda Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Radhakrishna Industrial Cooperative Services Society Ltd. through its Chairman—Shri Dalsukhbhai Laxmichand Kansara Hon. Manager: Shri Jayantilal Ratilal Mandvivala Committee Member—Shri Jayantilal Ratilal, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

### THE SCHEDULE

An open plot of land bearing Sur. No. 71 paiki admeasuring 20110 Sq. yds. situated at village Majura, Taluka Choryasi, Dist. Surat as fully described in sale deed registered No. 2552 of May, 1975 by Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 22-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 22nd November 1975

Ref. No. F. X IV/1/11/75-76.—Whereas, I, G. Ramanathan being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

34 & 34A

situated at T.M.G. Building, Sindupundurai, Tirunelveli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirunelveli on April, 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—22—366GI/75

 Shri T. M. G. Mohamed Abdul Rahim Rowther, Mohamed Naina Pallivasal Keezha Theru, Petti, Tirunclveli.

(Transferor)

Mrs. M. S. M. Katheeja Beevi,
 W/o T. M. G. Mohamed Abdul Saboor Rowther,
 Mohamed Naina Pallivasal Sannathi Street,
 Pettai. (Transferee)

(3) M/s. Royal Medical Stores & M/s. Arasan Brick Works.

[Person in occupation of the property].

(4) Shri T. M. K. P. Mohamed Gani, S/o T. M. K. Peer Mohamed, Mohamed Naina Pallivasal Keezha Theru, Pettai, Tirunelveli.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 286 sq. ft. with buildings thereon at T.S. No. 1099/3 (part) T.S. 1100/1B2 (part) & No. 1096/4 (part) (Shop Nos. 34 and 34A) Sindupundurai, Tirunelveli.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1, Madras-6

Date: 22-11-1975

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1975

Ref. No. F. 2462/75-76.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

9/36, situated at Sivasamy Road, Ramnager, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSR III, Coimbatore (Doc. No. 1900/75) on 13-5-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri G. N. Ratnaswami, S/o Shri Narayana Iyer, Type IV, Door No. 27, H.P.F. Colony, Indu Nagar P.O., Ootacamund (The Nilgiris).
   (Transferor)
- Smt. S. Meenakshi Ammal, W/o Shri Sodalamuthu, No. 9/36, Sivasamy Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 28 cents (with building) situated at Door No. 9/36, Sivasamy Road, Ramnagar, Colmbatore (New T.S. No. 9/573).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 19-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 19th November 1975

Ref. No. 2496/75-76.--Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Site No. 11, situated at Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III. Coimbatore (Doc. No. 2038/75) on 23-5-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri R. Lakshmanan, S/o Shri Rangaswamy, 78, Tatabad 11th Street, Coimbatore-12.

(Transferor)

Shri M. Vaman,
 S/o Shri Veerappa Nayak,
 9/24, Senguptha Street, Ramnagar, Coimbatore-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 7 cents and 351 Sft. (with building) situated at Site No. 11, Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Madras-6

Date: 19-11-1975

Scal:

#### FORM ITNS----

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri H. Gulam Mohamed: Shri Mohamed Hussan, Smt. Jameela Begum, No. 3, Bishop Lane, Madras-7.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Musthafa, Shri M. P. Purshothaman, No. 2/144, Mount Road, Madras-6.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

Madras-6, the 24th November 1975

Ref. No. 1844/75-76,—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

2/144 Mount Road,

situated at Madras-6 (Ground, Ground floor and First floor) (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

T. Nagar, Madras (Doc. No. 1117/75) on 19-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prpoerty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Ground, Ground Floor and First Floor bearing Door No. 2/144, Mount Road, Madras-6.

> G. V. JHABAKH, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-6

Date: 24-11-1975

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur the 12th November 1975

Ref. No. 71/Acq./Firozabad/75-76/1936.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Firozabad on 6-3-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shyamkunwari Widow Sri Tikam Singh, R/o Tapakhurd, Par. & Teb. Firozabad, Distt. Agra. (Transferor)
- Shri Tilak Singh. 2. Mulayam Singh, 3. Ajaipal Singh, all sons of Tursi Ram, 4. Lal Singh s/o Nathoo Singh, 5. Megh Singh s/o Bhole Singh, and 6. Banwari Lal, 7. Sukhpal, Sons of Harikishan, R/o Nagladuwari, Vill. & Post Bhadana, Teh. Jasrana, Distt. Mainpuri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of land 268 Rakva III 3, 270, 4113, 277, 2113, 283, 11113, 304, 611, 337 & B, 11, 373, 1112, 380A, 1, 375, 3, 1, 574, 1112, 589 & B, 114, 372 & 12 303, 1+2, 589, 1, 2 situated at Vill. Tapa Khurd, Teh. Firozabad transferred for an apparent consideration of Rs. 80,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 12th Nov. 1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE KANPUR.

Kanpur, the 12th November 1975

Ref. No. 198/Acq/D. Dun/74-75/1937.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Dehra Dun en 1-4-1975

officer at

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

(1) Shri Ravindra Kumar Khanna S/o Sri Madan Lal Khanna, R/o 28, Rajpur Road, Dehradun,

(Transferor)

(2) 1, Sri Sardari Lal Oberoi S/o Sri Jiwan Singh, and 2. Sri Rakesh Kumar Oberoi, and 3. Amrish Kumar Oberoi, sons of Sri Sardari I.al Oberoi R/O 2A, Race Course Road, Dehradun.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Immoveable property comprised in Khasra Plot Nos, 425 area 0.39 acre, 426 area 0.76 acre, 428 area 0.49 acre, 430 area 0.69 acre, 431 area 0.42 acre, 432 area 0.30 acre, 433 area 0.48 acro, 434 area 0.43 acre, 435 area 0.70 acre, 436 area 0.32 acre, total measuring 4.98 acres situated in Vill. area 0.32 acre, total measuring 4.98 acres situated in Harrawala, Paragana Parwa, Distt. Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 52,425/-.

> F. J. BAHADUR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 12th Nov. 1975,

Scal:

\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 7th November 1975

Ref. No. 284/Acq/Kanpur/1938.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing.

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 2-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Devi Das Kapoor, Manager, Jeetmal Kapoor Trust, R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur,

 Shri Madho Ram Batham S/o Sri Karta Ram R/o 133/38, Juhi Kanpur.

3. Shri Raja Ram S/o Shri Karta Ram R/o 133/39, Juhi, Kanpur

(Transferor)

(2) 1. Shri Ram Lubhaya Arora S/o Sri Sobha Ram,

2. Shri Ramesh Chondra S/o Sri Ram Lubhaya Arora, R/o 111A/102, Ashok Nagar, Kanpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of Plot No. 9 of Plot No. 64, Block 'O' situated at Govindnagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs, 36,205/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7th Nov. 1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (I) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kappur, the 7th November 1975

Ref. No. 285/Acq/Kanpur/1339.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Kanpur 2-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1.Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o 45/62. Gaya Pd. Lane, Kanpur.
  - Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38 Juhi, Kanpur.
  - Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Juhi Kanpur.

(Transferor)

(2) Km. Savitri Devi Gupta, 2. Km. Sita Devi Gupta, 3. Km. Vinita Devi Gupta, U/g of Sri Satish Chandra Gupta, and 4. Satish Chandra Gupta S/o Devi Pd. Gupta, R/o 49/48, Naughara, Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 4, of plot No. 64 Block 'O' Scheme I, situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7th Nov. 1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX. ACQUISITION RANGE, KANPUR.

Kanpur, the 6th November 1975

Rcf. No. 286/Acq/Kanpur/1340.—Whereas, I, F. J. Bahadur

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/2 and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-366 GI/75

- Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor Manager 45/62 Gaya Pd. Lane, Kanpur.
  - Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38 Juhi Kanpur.
  - Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Juhi Kanpur. (Transferor)

(2) 1. Shailesh Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta.
 2. Prem Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta,
 R/o 49/18 Naughara, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice to the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of plot No. 3 of Plot No. 64, Block 'O', Scheme I, situated at Govind Nagar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 6th November 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 6th November 1975

Ref. No. 288/Acq/Kanpur/1342.—Whereas, I, F Bahadur

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-22/8A,

No. As per schedule situated at As per schedule (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 4-4-75

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- reduction or evasion of the (a) facilitating the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur. 2. Sri Madho Ram Batham S/o Sri Karta Ram
  - 133/38, Juhi, Kanpur.
  - 3. Sri Raja Ram Batham S/o Sri Karta Ram 133/ 39, Juhi Kanpur, (Transferor)

(2) 1. Sri Ramesh Chand, 2. Sri Ram Chand, 3. Sri Rejesh Kumar (Minors) U/g of Krishna Chand Gupta R/o 49/106, Badshahi Naka, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meansame ing as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of sub-plot No. I, of plot No. 64, situated at Govind Nagar, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 34,534/-.

F. J. BAHADUR

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 6th November 1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th November 1975

Ref. No. 287/Acq/Kanpur/1341.—Whereas, I. F. J. Bahadur

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kanpur on 2-4-75

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Jeetmal Kapoor Trust Through Devi Das Kapoor R/o Gaya Pd. Lane, Kanpur,

 Madho Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/38 Juhi Kanpur.

 Raja Ram Batham S/o Karta Ram R/o 133/39, Juhi Kanpur.

(Transferor)

 Shri Shrish Chandra Gupta S/o Sri Devi Pd. Gupta. and

 Smt. Maya Devi Gupta D/o Sri Devi Pd. Gupta R/o 49/18, Naughara, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immoveable property consisting of sub-plot No. 2 of plot No. 64, situated at Govind Nugar, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 24,000/-.

F. J. BAHADUR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7th Nov. 1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE II

4-A/14, Asaf Ali Road, 3rd Floor, New Delhi

New Delhi, the 3rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/1869(952)/75-76.—Whereas, l, S. N. L. Agarwala, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 89-A situated at Kamla Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 28-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt Gendi Devi Bindawala w/o Shri Tara Chand Bindawala r/o 6, Hans Pukar First Lane, Calcutta-7 through her special attorney Shri Sohan Lal Sharma s/o Banarshi Dass Sharma, r/o 3948, Naya Bazar, Delhi-6.
- (2) Shri Amar Nath and 2. Gordhan Dass s/o Lala Bishamber Dayal r/o 4064. Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(3) Shri Jagdish Prasad 2. Shri Jamna Dass 3. Shri Sat Narian 4. Shri Banarsi Dass 89-A, Kamla Nagar, Delhi. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The entire property bearing No. 89A, Kamla Nagar, Subzi Mandi, Delhi with the entire super-structure standing on the land measuring 371 sq. yds with all rights, title, interest, privileges easement options together with all the fittings and fixtures and other rights and bounded as under:—

North: Road East: Road

South: Road West: House No. 88A.

S. N. L. Agarwala
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range II, New Delhi

Date: 3rd December, 1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, II, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd December 1975

Ref. No. IAC/Acq. 11/301(953)/75-76.—Whereas I, S. N. L. Agarwala,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6 Block No. 14 situated at Krishan Nagar, Illaqa Shahdara, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 25/3/1975, for

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Joginder Pal s/o Shri Beli Ram Handa r/o B-1-657, Kundanpuri, Ludhiana, (Punjab).

  (Transferor)
- (2) Smt. Uma Rani w/o Shri Om Parkash Handa, r/o B-14/6, Krishan Nagar, Delhi-51.
  (Transferee)
- (3) Shri Om Parkash Handa r/o B-14/6, Krishan Nagar Delhi. (Person(s) in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

11 storeyed house constructed on a plot of land measuring 245 sq. yds situated at plot No. 6 Block B-14 part of Khasra No. 516/482 in the approved colony known as Krishan Nagar, Village Gandhi Illaqa Shahdara, Delhi 51 bounded as under:

North: Plot B-13/6 Built East: Plot No. B-14/5 Built

South: Road West: B-14/7

S. N. L. Agarwala Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, New Delhi

Date: 3rd December, 1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 60/61,
ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 22nd November 1975

Ref. No. C.A.5/Bombay(Bhiwandi)/June '75/256/75-76.—Whereas, I H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 43/7, Plot No. 2, situated at

Mouje Kamatghar, Bhiwandi (Thana)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 19-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26%D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ratilal Meghji Shah, 34, Tukaram Jawaji Road, Grant Road, Bombay-7.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Pawan Rajendra Jain 2. Smt. Hemlata Raj Bhushan Jain, I, Govind Kuhi, Nehru Road, Mulund-Bombay-80. (Transferee)

(3) 1. Asvinkumar Devraj, 2. Keshavjee Govindjee, 3. Jai Mal Hazarimal, 4. Ramesh Kumar Gandhi, 5. Babulal Purshottam, 6. Vilas Balkrishna Verhe, 7. Misrimal Bhikamchand 8. Ambika Tea Bhandar 9. Nirmalaben K. Shah 10. Chanderkant Javerchand 11. Dhirajlal Jivraj Outka, 12. Jayantibhai, 13. Keshavji Virpal, 14. Nemchand Khetshi 15: A. D. Galya 16.Ramjee Velji Lala—all At S. No. 43. Plot No. 2, Mouje Kamatghar, Bhiwandi, Thana Road. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House property bearing S. No. 43/7 plot No. 2, Registration Sub District Bhiwandi, at Mouje Kamatghar, Bhiwandi Thana Road, Bhiwandi.

Freehold-

Area: 1337.76 sq. mtrs. Ground floor...,222 Sq. yds. Approx. first floor ...177 Sq. Yds."

H. S. Aulakh Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 22-11-1975

(1) Shri Raju Sidhu Shetty

(Transferor)

(Transferce)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE V

Smt. Kamladevi Gauri Dutt Mittal Punarvasu Ayurvedic Hospital Bldg., Netaji Subhash Road, Bombay-2,

Bombay-2, the 24th November 1975

Ref. No. AR. V/318/27/75-76-27.—Whereas, 1 J. M. Mehra, being the Competent Autho-

rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 25, sector No. 4 S. No. 320 situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

#### under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Chembur Roopkala Co. op. Housing Soc. Ltd.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Chembur, Greater Bombay, in Bombay Suburban District in the Registration sub-district of Bandra and now Registration Sub-District and District Bombay City and Suburban being plot No. 25 in sector No. 4 admeasuring 752.52 sq. metres (900 sq. yards) being a portion of the land bearing S. No. 320 and bounded as follows that is to say, on or towards the East by 44 feet proposed Municipal Road between sector Nos. 3 and 4 on or towards the West by 44 feet proposed Municipal Road on or towards the North by 44 feet proposed Municipal Road and on or towards the south by plot Nos, 36 and 35 in sector No. 4 and property bearing C.T.S. No. 661/C I.

J. M. Mehra
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V. Bombay.

Date: 24-11-75

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 1st December 1975

Ref. No. RCA. No. 174/75-76:—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,/000/-and bearing

Portion-No. 3-5-141/2/7 situated at Eden Garden, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 8-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer  $a_8$  agreed to between the Parties has not ben truly stated in

the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' the following persons, namely:—

- (1) Sri Nawab Bohajath Jah Bahadur, R/o 3-5-141/2/7 at Eden Bagh, Hyderabad, (Transferor)
- (2) Sri Nawab Imdad Jah Bahadur, R/o 3-5-121/F/1 at Eden Bagh, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Gazette.

#### THE SCHEDULE

Property: Portion of House No. 3-5-141/2/7, at Eden Garden, King Kothi, Hyderabad. Area: 200 Sq. Yds.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 1-12-75

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 28th November 1975

Ref No. RAC. No. 171/75-76.—I, K. S. VENKATA-RAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing No. 4-5-8 to 10 situated at Lalagada Bazar, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 3-4-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said' Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said' Act' to the following persons, namely:—

24—366GI/75

(1) 1. Smt. E. Pochamma, 2. Mamidi Naniamma, W/o Chenniah, 3. Eraswami S/o Latchmiah, 4. Madhu Sudhan S/o Latchmiah, 5. Phalguna S/o Chenniah, 6. M. Chenniah S/o Latc Mr. Raniah, All residing at H. No. 2058 at Lalaguda, Bazar, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri D, J. Parekh S/o late Mr. J. D. Parekh, R/o M. No. 6-at Jeera, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Building M. No. 2058 (Now No. 4-5-8 to 10) at Lalaguda Bazar, Secunderabad, Area: 388 Sq. Mts.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-11-1975

(1) M/s Hindustan Builders, its partner Sri Hari Kishen, R/o Basheerbagh, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD.

Hyderabad, the 29th November 1975

Ref. No. RAC. No. 172/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 11 of Unity House, situated at Abid Road, Hyd. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 or 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wea!th Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said' Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(2) 1. Smt. Geeta Bai, W/o Sri Jagdishpershad, 2. Smt. Kasushalya Bai, W/o Sri Dharamchand 3. Smt. Gayatri Bai, W/o Sri Bajrang Pershad, 4. Smt. Nand Dulari Bai, W/o Sri Kailash Pershad, All residing at one place M. No. 21-2-522 at Charkaman, Hyderabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'sald Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Shop No. 1 on the ground floor, of Unity House, at Abid Road, Hyderabad. Area: 242, Sq. Feet.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 29-11-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER. OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 29th November 1975

Ref No. RAC. No. 173/75-76.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 4 of Unity House, at Abid Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 26-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

- (1) M/s Hindustan Builders, its partner Sri Hari Kishen, R/o Basheerbagh, Hyderabad.

  (Transferor)
- (2) Smt. Krishna Devi Agarwal, H. No. 21-3-710 at Chelapura, Hyderabad.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property: Shop No. 4 on the ground floor of Unity House at Abid Road, Hyderabad. Area: 242 Sq. Fect.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 29-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-6

Madras-6, the 26th November 1975

Ref. No. XV1/12/75/75-76.—Whereas, I, G. RAMANATHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to beieve that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 310/2C & 310/2B situated at Thirumalaigiri village, Namakkal and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Namakkal (Doc. No. 392/75) on 23-6-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Staid Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- M/s. S. N. Umashankar, S. N. Pranatharthiharan & S. N. Seshadri, 174, Second Agrharam, Salem-1. (Transferor)
- Shri Murugesan, S/o. Shri M. Kuppuswamy. Thirumalaigiri village, Namakkal.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 acres and 67\( \) cents in Survey Nos 310/2C (3 acres and 60 cents) and 310/2B (7\( \), cents), Thirumalaigiri village, Salem District.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 611-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th November 1975

Ref. No. VI/13/5/75-76.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 39/A-7

situated at Balakrishnapuram, G.T.N. Naidu Salai, Dindigul-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagalnayammakmpatti, Dindigul (Doc. No. 754/75) on 25-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

(1) Soundararaja Mills (P) Ltd., Soundararaja Mills Road, Dindigul-624 006. (Transferor)

(2) Shri N. Soundararajan & Minor S. Ranjit, "Lakshmi-Soundra", G.T.N. Naidu Salai, Dindigul-624 004, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Superstructures known as "Lakshmi-Soundara" built in Survey No. 39/A7, G.T.N. Naidu Salai, Balakrishnapuram Village, Dindigul.

G. RAMANATHAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-11-1975

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 27th November 1975

Ref No. XIX/1/29/75-76.—Whereas, I, G. RAMA-NATHAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38 & 38A, situated at T.M.G. Building, Sindupundurai, Tirunelyeli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Tirunelveli (Doc. No. 1790/75) on 20-5-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

- (1) Shri T.M.G. Mohamed Abdul Rahim Rowther, S/o T.H. Mohamed Gani Rowther Mohamed Naina Pallivasal East Street Pettai, Tirunelveli. (Transferor)
- (2) Smt. T. P. Mymoon Beevi, W/o T.M.G. Mohamed Samsudeen Rowther, Mohamed Naina Pallivasal East Street, Pettai. (Transferee)
- (3) M/s Bala Ganesan Co., M/s. Arasan Brick Works (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 381 sq. ft. with buildings thereon at T.S. Nos. 1099/3 (part), 1096/4 (part) and 1100/1B2 (part)—Shop Nos. 38 & 38A, Sindupundurai, Tirunelveli.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date: 27-11-1975

(1) Shri Saran Prasad S/o Shri Beni Prasad 14-A, Teg Bahadur, Road Dehradun.

(2) Shri M. R. Trikha S/o Late Sri Durga Dass Trikha R/o 2223, Kishan Nagar, Gurukul Kangri, Kankhal,

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th November 1975

Ref. No. 200/Acq./D.Dun/74-75/2028.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No. As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehra Dun on 5-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under, the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Distt. Saharanpur.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property bearing No. 14-A, Teg Bahadur Road, Dehradun, transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income\_tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-11-1975.

10740

#### FORM ITNS ----

(2) Shri H. C. Mehta S/o Shri M. D. Mehta, Presently Cross, B. Hutchins Road, Bangalore (Transferor)

(2) Shri H. C. Mehta S/o Shri M. D. Mehta, Presently posted as Senior Divisional Manager, Life Insurance Corp. of India, Ajmer.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 24th November 1975

Ref No. 78/Acq./D.Dun/75-76/2029.—Whereas, I, F. J. RAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule, situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 18-4-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons namely:

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of all that piece and parcel of land bearing Khasra Plot No. 606 min (Now 602/2) measuring .91 acre on which four rooms, two bath rooms, a small back room and kitchen are built with electric and other fittings and a water pump, situated at Bell Road in Village Bharuwala, Clement Town, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 50,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 24-11-75.

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 25th November 1975

Ref. No. 122/Acq./D.Dun/75-76/2030.—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at As per schedule

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 22-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

25---366 GI/75

- (1) Srimati G. P. Sheery W/o Sri R. N. Sherry, R/o 100/88-89, Prem Nagar, Dayalbagh, Agra. (Transferor)
- (2) (1) Shri T. Ramabhadran, ICS, S/o Late Sri T. V. Charya, Retd. Judge, Allahabad High Court,
  - (2) Mrs. M. Ramabhadran W/o Mr. Justice T. Ramabhadran, both R/o 4, New Cantonment Road, Dehradun. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Immoveable property bearing No. 3/14-B, Tegh Bahadur Road, Dehradun transferred for an apparent consideration of Rs. 90,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 25-11-75.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd November 1975

Ref. No.  $204/\Lambda cq/D.Dun/74-75/2031$ .—Whereas, I, F. J. BAHADUR

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Dehradun on 18-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Shri Shyam Sunder Raina S/o Shri S. R. Raina, and
 Smt. Kamla Raina W/o Shri S. S. Raina, R/o
 B, Rajpur Road, Dehradun.

(Transferor)

(2) Shri Bikram Singh Dhillon s/o Shri Mehar Singh R/o 28, Modelgram, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing Municipal No. 153-B, Rajpur Road, Debradun with covered area of 7372 sft. and open land of 43750 sft. transferred for an apparent consideration of Rs. 2,80,000/-.

F. J. BAHADUR,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date: 22nd Nov. 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 299/Acq.R-III/75-76/Cal/ —Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13, situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Shri Manma'tha Nath Muhkerjee, 31 Motilal Nehru Road, Calcutta. (Transferor)

(2) M/s, Uttara Co-operative Housing Society Ltd., 12/2. Palm Avenue, Calcutta. (Transferee)

(3) I. Sk. Sahajan.

- 2. Sri Kartick Rajak.
- 3, Sk. Nasiruddin.
- 4. Sk. Kamaluddin.
- 5. Dey's Stone Prop., Tripty.
- 6. Sri Ram Chandra Saha.
- 7. Sri Manik Lal Karmokar.
- 8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittacks more or less together with structures standing thereon at 13, Broad Street, Calcutta as per deed No. 2227 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 26-11-75

#### FORM ITNS ...-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 300/Acq. R-III/75-76/Cal/ .-Whereas, I, L. K. Balasubramanian.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sourendra Nath Mukherjee, 31. Motilal Nchru Road, Calcutta.
  - (Transferor)
- (2) M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta. (Transferee)
- (3) 1. Sk. Sahajan,
  - 2. Sri Kartick Rajak.
  - 3. Sk. Nasiruddin.
  - 4. Sk. Kamaluddin,
  - 5. Dey's Stone Prop., Tripty.
  - 6. Sri Ram Chandra Saha.
  - 7. Sri Manik Lal Karmokar.
  - 8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittaes more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Street, Calcutta as per deed No. 3225 of 1975 registered before the Registrar Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 26-11-75

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 301/Acq. R-III/75-76/Cal/ .—Whereas, I, L. K. Balasubramanian,

being the competent authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcurta on 18-4-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(1) Ashim Kumar Mukherjee, 31, Motilal Nehru Road, Calcutta,

(Transferor)

 M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sk. Sahajan.
  - 2. Sri Kartick Rajak.
  - 3, Sk. Nasiruddin.
  - 4. Sk.Kamaluddin,
  - 5. Dey's Stone Prop., Tripty.
  - 6. Sri Ram Chandra Saha.
  - 7. Sri Manik Lal Karmokar.
  - 8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1./4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 cottahs 6 chittacs more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Street, Calcutta as per deed No. 2223 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 26-11-75

(1) Shri Balaram Mukherjee, 31, Motilal Nehru Road, Calcuttta.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III.

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta, the 26th November 1975

Ref. No. 302/Acq. R-III/75-76/Cal/ .--Whereas, I. L. K. Balasubramanian.

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, situated at Broad Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 18-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 M/s. Uttara Cooperative Housing Society Ltd., 12/2, Palm Avenue, Calcutta.

(Transferee)

- (3) 1. Sk. Sahajan,
  - 2. Sri Kartick Rajak.
  - 3. Sk. Nasiruddin.
  - 4. Sk.Kamaluddin.
  - 5. Dey's Stone Prop., Tripty.
  - 6. Sri Ram Chandra Saha.
  - 7. Sri Manik Lal Karmokar.
  - 8. Sri Surya Narayan Ghosh.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/4th share in all the piece and parcel of land measuring 1 bigha 10 contahs 6 chittacks more or less together with structures standing thereon at 13 Broad Btreet, Calcutta as per dead No. 2221 of 1975 registered before the Registrar of Assurances, Calcutta.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 26-11-75

 Shri Pestonji Cursetji Boyce, 3934, Kali Ambrai, Belgaum.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Shri Chandulal Maganlal Doshi,
 C/o Peoples Automobilies,
 Fort Road, Belgaum,

(Transferce)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Dharwar, the 20th November 1975

No. 86/75.76/ACQ—Whereas, I, P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar

being the competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 6, situaed at Belgaum within the limits of Belgaum Municipality

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of at Belgaum, under document No. 4429 on 10-3-1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth- Act, 1957 (27 of 1957).

### THE SCHEDULE

Plot No. 6 In R.S. No. 960A/2A Situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA RAO.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Dharwar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:-

Date: 20-11-1975

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Pestonji Gursetji Boyce, 3934, Kali Ambrai, Belgaum,

(Transferor)

(2) Shrimati Chandrakala Bhimgouda Patil,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  $\qquad \qquad \text{OF INCOME-TAX,}$ 

ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th November 1975

No. 87/75.76/ACQ—Whereas, I. P. Satyanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 situated at Belgaum within Municipal Limits (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering at Belgaum under Document No. 4431 on 12-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section ((1 of Section 269D of he 'said Act', to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 1 in R. S. No. 960 A/2A situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA, RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date: 20-11-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, DHARWAR

Dharwar, the 20th November 1975

No. 88/75.76/ACQ-Whereas, I, P. Satayanarayana Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Dharwar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Plot No. 2, situated at Belgaum within Municipal Limits (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under Document No. 4430 on 13-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

26—366GI/75

 Shri Pestonji Cursetji Boyee, 3934, Kali Ambrai, Belgaum.

(Transferor)

 Shri B. G. Javali, Asst. Commercial Tax Officer, Karwar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. In R. S. No. 960 A/2A situated at Belgaum within Municipal Limits.

P. SATYANARAYANA, RAO

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Dharwar

Date 20-11-1975

 S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot.

(2) Smt, Bhupinder Kaur d/o

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## 1AX AC1, 1901 (45 OF 1901)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

GOVERNMENT OF INDIA

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. ASR/202/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/\_ and bearing Land, situated at V. Khirawali,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offictr at

Kapurthala in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- Shri Balbir Singh Randhwa, Retired DC, Kothi No. 564, Sector 8-B, Chandigarh. (Transferce)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person whom the undersigned knows to be inter-
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersingned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Laud as mentioned in the Registered Deed No. 3013 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 2-12-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/203/75-76.—Whereas, I. V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land, sinated at V. Khirawali.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in he said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely:—

 S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh Ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Nimi d/o Shri Balbir Singh Randhwa, Retired D.C. Kothi No 564, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersingned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3014 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 2-12-1975.

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/204/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing Land, stuated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the 'said Act,'
  in respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh Ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Satya Jain W/o Shri Vijay Kumar R/o Sarafa Bazar, Kapurthala.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3016 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 2-12-1975.

#### 10753

#### FORM ITNS--

 S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh Ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1). OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR.

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/205/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No. Land, situated at V. Khirawali,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kapurthala in March 1975

for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (2) Smt. Jasmer Kaur Wd/o Shri Naginder Singh r/o Dharamkot. District Ferozepur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3015 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 2-12-1975.

 S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh Ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/206/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, situated at V. Khirawali, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in March 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri Kuldip SinghS/o Shri Narinder Singh,r/o Dharamkot, District Ferozepur,

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective reasons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3012 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 2-12-1975.

\_\_\_\_ FORM ITNS---

(1) S/Shri Raghbir Singh and Narinder Singh Ss/o Shri Kehar Singh, R/o Moga District Faridkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd December 1975

Ref. No. KPL/207/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the impossible to the competence of the competence o property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, stuated at V. Khirawali,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kapurthala in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section section (1) of Section 269D of the 'said Act,' to the following persons, namely :--

(2) Smt. Narinder Kaur d/o Shri Balbir Singh Randhwa, Retired D.C., Kothi No. 654, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said perty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires la cr;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3011 of March, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

> V. R. SAGAR. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 2-12-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. ASR/194/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 Property, situated at Kt. Sher Singh, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trans-

fer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Karam Devi Wd/o Shri Lachhman Singh r/o 43, Mall Road, Amritsar through Shri Gulzar Singh and Smt. Kamla Kumari, w/o Shri Brij Kumar r/o R. B. Parkash Chand Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Mangat Ram s/o Shri Tarlok Chand Jain, In Lohgarh Gate, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any.

  [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.

  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 share of property No. 48A & 48B, Kt. Sher Singh, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 64 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Rcf. No. KPL/195/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/4th Kothi, situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition at the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—.

27-366GI/75

(1) Shri Surinder Nath s/o
R. B. Durga Dass r/o
Kapurthala GA of Shri Dapinder Nath.

(Transferor)

(2) Shri Jarnail Singh s/o Shri Bagga Singh, r/o Khanowal.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 217 of April. 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 29-11-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. KPL/196/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/4th Kothi situated at Kapurthala, (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Surinder Nath s/o
R. B. Durga Dass r/o
Kapurthala GA of Shri Dapinder Nath.
(Transferor)

(2) Shri Major Singh, s/o Shri Bagga Singh, s/o Shri Harnam Singh, r/o Khanowal.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property,
  [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/4th Kothi as mentioned in the Registered Deed No. 139 of April, 1975 of the Registering Authority, Kapurthala.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. PK1/197/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Property, situated at Sabzi Mandi Area, Dhangu Road, Pathankot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pathankot in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Khwaja Abdul Ghani Khan s/o Abdul Aziz Khan, Timber Merchant, Pathankot now r/o Anant Nag (J & K).

(Transferor)

(2) M/s. Babu Ram Nagar Mal, Sabzi Maudi, Pathankot.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property in Sabzi Mandi area on Dhangu Road, Pathankot as mentioned in the Registered Deed No. 66 of April, 1975 of the Registering Authority, Pathankot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975.

#### FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. FDK/198/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jalliana Road, Kot Kapura. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Natha Singh, r/o V, Bulair Masta.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Rani, w/o Shri Vijay Kumar, r/o Kot Kapura.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property, |Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Decd No. 219 of April, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar.

Date: 29-11-1975,

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME.TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. FDK/199/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Jalliana Road, Kot Kapjura. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Parmvir Singh, Harjinder Singh, r/o Kot Kapura.

(Transferor)

(2) Smt. Sita Rani, w/o Shri Piare Lal, r/o Kot Kapura.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any, [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property.
  [Person whom the undersingned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 218 of April, 1975 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date :29-11-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Ref. No. MNS/200/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land, situated at Chakarian Road, Mansa.
(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in April 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Atma Singh, Sita Singh, Harnek Singh s/o Shri Kehar Singh, Narsi Singh s/o Bant Singh, Goldsmith, r/o Mansa Kalan.

(Transferor)

(2) Shri Chiman Lal s/o Shri Mohan Lal s/o Bachna Mal, r/o Gurdwara Chowk, Mansa. Shri Mukandi Lal s/o Shri Buti Ram s/o Shri Mathra Dass r/o Mansa.

(Transferce)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s), if any. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property, [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos, 133 and 134 of April, 1975 of the Registering Authority, Mansa,

V. R. SAGAR.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975.

(1) Smt, Lal Devi w/o Shri Gujjar Mal Khanna r/o Kishore House, Simla through Shri Ram Lubhaya, GA.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raghunath Sethi s/o Shri Lal Chand Sethi, Swank Mandi, Amritsar.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th November 1975

Rcf. No. ASR/201/75-76.—Whereas, I, V. R. SAGAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. 395/10-913/X-5 situated at Dhab Khatikan, Amritsar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in April, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair marke value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the sald instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reducion of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(3) As at S. No. 2 above and Shri Harbans Lal s/o Shri Shvaditta Mal and Shri Ram Gonal s/o Shri Mani Ram, Licencees.

[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. 395/10-913/X-5, Dhab Khatikan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 251 of April, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar.

Date: 29-11-1975.

#### FORM ITNS----

Companies white a to the contract of the contr

(1) Sml. Punni Devi, wd/o Shri Arora Mul, S/o Chuni Lal, Samana Mandi, Samana, Distt. Patiala.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43-OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. SMN/1194/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 57 situated at Samana Mandi, Samana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at

Samana in April, 1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disposed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Sarvashri
 Danesh Kumar, (ii) Suresh Kumar, Minors through Shri Jugal Kishore father and Natural guardian, Cloth merchants, Samana Mandi, Samana, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 57, Samana Mandi, Samana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 9 of April, 1975 of the Registering Officer, Samana).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 29-11-1975.

### FORM ITNS----

# NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/10/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 4 bighas, situated at Village Bagrian, Tchsil Malerkotla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

28—366GI/75

(1) Shri Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh, General Manager, The Bagrian Cooperative Farming Society, Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

(Fransferor)

(2) Shri Chitbant Singh, s/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas, situated in Village Bagrain, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra No. 1320/4-0 (Property as mentioned in the Registered Deed No. 283 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/11/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Malerkotla in May, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suz-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- Bhai Ashok Singh s/o Bhai Ardaman Singh, R/s Vill. Bagrian, Tehsil Malerkotla. General Attorney of Smt. Baljit Kaur, w/o Shri Kuldip Singh, Resident of Delhi.
   (Transferee)
- (2) Shri Harpal Singh, s/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil, Malerkotla. District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1301/4-0, 1304/4-0, 1319/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 284 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-11-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigath, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/12/75-76.—Whereas I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 8 bighas, situated Village Bagrian. Tehsil Malerkotla.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malerkotla in May, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

- (1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh,
  General Manager, The Bagrian Cooperative
  Farming Society Ltd.; village Bagrian, Tehsil Malerkotla. District Sangrur.
  Road, Ahmedabad (Transferor)
- Shri Hari Singh, s/o Shri Kishan Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla. District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1306/4-0, 1307/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 286 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-11-1975.

## FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLY/21/75-76,—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, measuring 8 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Malerkotla in May, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh, General Manager, The Bagrian Cooperative Farming Society Ltd.; Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.
   (Transferor)
- Sm<sup>1</sup>. Rajinder Kaur, d/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, kotla, District Sangrur.
   (Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 8 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra Nos. 1316/4-0, 1317/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 654 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

(1) Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh, R/o Vill. Bagrian General Attorney of Smt. Baljit Kaur w/o Shri Kuldip Singh, Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MKL/22/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malerkotla in May, 1975.

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-

Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkoʻla.

(2) Shri Gamdur Singh s/o Shri Hari Singh,

perty may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said, immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazettee.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 12 bighas, situated in Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur, Khasra No. 1302/4-0, 1303/4-0, 1322/4-0

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 655 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Bhai Ashok Singh, s/o Bhai Ardaman Singh, R/o Vill. Bagrian
 General Attorney of Smt. Baljit Kaur w/o Shri Kuldip Singh, Resident of Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chitbant Singh, s/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/26/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land, measuring 8 bighas, situated at Village Bagrian, Tehsil Malerkotla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Malerkotla in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 4 bighas, situated in Village Bagrian. Tehsil Malerkotla District Sangrur. Khasra No. 1321/4-0, 1323/4-0.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 703 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. MLK/27/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 12 bighas, situated at Village Bagrian, Tchsil Malerkotla (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Malerkotla in May, 1975,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the Parties has not

been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Bhai Ashok Singh, s/o Bhaj Ardaman Singh, General Manager. The Bagrian Cooperative Farming Society Bagrian, Tehsil Malerkotla District Sangrur.

(Transferor)

 Smt. Amar Kaur, w/o Shri Gamdur Singh, Resident of Village Bagrian, Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Exp'ANation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land, measuring 12 bighas, situated in Village Bagtian. Tehsil Malerkotla, District Sangrur.

Khasra No. 1300/4-0, 1305/4-0, 1318/4-0,

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 704 of May, 1975 of the Registering Officer, Malerkotla).

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-11-1975.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. JDR/14/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath,

being the competent authority under section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter-referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 604, Block No. V. Santpura, Guddwara Road, Model Town, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jagadhri in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:

 Smt. Sarla Khanna, w/o Shri S. P. Khanna, Resident of 3-Tal Katora Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Darshan Lal Lamba, s/o Shri Ralla Ram Lamba Resident of House No. 604, Block No. V. Santpura, Model Town, Yamunanagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 604, Block No. V, Santpura, Gurdwara Road, Model Town, Yamunanagar.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

#### FROM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. JDR/15/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 603. Block No. V. Santpura, Model Town, situated at Yamunanagar,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Jagadhri in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—29—366QI/75

 Smt. Sarla Khanna, w/o Shri S. P. Khanna, Resident of 3-Tal Katora Road, New Delhi,

(Transferor)

 Shri Ashok Kumar, 2. Shri Vinod Kumar, sons of Darshan Lal Lamba, Residents of House No. 603, Block No. V, Santpura, Gurdwara Road, Yamunanagar.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 603, Block No. V, Santpura, Model Town, Yamunanagar.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 28-11-1975.

#### FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. LDH/C/57/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 share in Plot No. 171-1, Sarabha Nagar, situated at Ludhiana,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975,

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Shri Bahadur Singh, s/o Shri Kundan Singh, Village, Shanker, Tehsil and Distt. Jullundur. (Transferor)
- (2) Sarvashri
  (i) Kishan Chand s/o Jai Ram Dass (ii) Vipan
  Kumar, (iii) Kanwal Kumar, sons of Kishan Chand.
  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 171-I, Sarabha Nagar, Ludhiana.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 156, SECTOR 9-B, CHANDIGARH

Chandigarh, the 28th November 1975

Ref. No. LDH/C/58/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

1/2 share in Plot No. 171-I Sarabha Nagar situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Shri Ghamdur Singh, s/o Shri Bhagwan Singh, Village Narangwal, Tebsil Ludhiana.
 (Transferor)

(2) Sarvashri
(i) Kishan Chand, s/o Jai Ram Dass.
(ii) Vipan Kumar, (iii) Kanwal Kumar, sons of Kishan Chand,
Residents of 74-D, Sarabha Nagar, Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 share in Plot No. 171-I, Sarabha Nagar Ludhiana.

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date: 28-11-1975.

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 22nd November 1975

Ref. No. Acq. File No. 269 J. Nos. 15, 16, 17, & 18/WG/75-76.—Whereas, I. B. V. SUBBA RAO,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Door No. 34-37 Sri Venkateswara Talkies, Tanuku, (and more fully described in

the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Tanuku on 30-4-75

## for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

- (1) Sri Nallajarla Narayana Rao, S/o Venkanna, Tanuku.
  - (2) Sri Nallajarla Ranga Rao, S/o Narayana Rao,
  - (3) Sri N. V. Satyanarayana Rao, Tamuku.
  - (4) Sri N. Kumaraswamy, S/o. Narayana Rao, Tanuku.

    (Transferor)
- (2) Sri Akula Bulli Abbai, S/o. Bhimanna, Tanuku. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document Nos. 751/75, 752/75, 753/75 and 754/75 of the SRO, Tanuku registered during the fortnight 30th April, 1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 22-11-1975.

## FORM ITNS----

 Smt. Puppala Vijaya Laxmi, Smt. Radhakrishnamma, P. O. Chandurti Village.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Petula Harikrishna, Kakinada.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 266/J. No.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 491/1 & 491/2 situated at Dry Land 11-00

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Pratipadu on 15-4-75

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer or to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Fax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property bearing No. 574/75 of the SRO, Prattipadu of East Godavari Dt.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

Date: 20-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 267/K.R. No. 18/75-76.—Whereas, J. B. V. SUBBA RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 27-11-3, situated at Marry Street, Governopota Vijaya-wada

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-4-75.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) 1. Pasumarthi Sitaramayadhanulu.

P. Subramanya Sastry.

3. P. Murali Krishna.

4. P. Prabakara Sastry. 5. P. Ramadhandurudu.

P. Venkateswara Prasad.

7. Venkateswara Swamy, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Smt. Pamidmukala Basava Purnamma. W/o. Dr. P. Narasimha Rao, Kanoharapalam, Visakhapatnam.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1339/75 of the SRO, Vijayawada during the Fortnight 30-4-75.

B. V. SUBBA RAO, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Kakinada.

Date: 20-11-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 20th November 1975

Ref. No. Acg. File No. 268/J. No. EG. ME 28/75-76.—Whereas, I, B V. SUBBA RAO.

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26, 27/1, 27/2, 27/4, 54/4 and 54/5-Total Ac. 7-00 cents

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered

under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ambajipeta on 15-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, inrespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) (1) Sri Vadlamani Subramanyam and
 (2) V. Madusudana Dutt, Sons of Sri V. V. Subbaraidu, Visakhapatnam.

(Transferor)

(2) Sri Surikuchi Ramachandrudu and Sri Surikuchi Subramanyam, Mukkamala, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule property bearing documents 348 & 349 of 1975 of the SRO, Ambajipeta registered during the fortnight 15-5-1975.

B. V. SUBBA RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range,
Kakinada.

Date: 20-11-1975

Seal ;

10780

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref No. LDH/1327/75-76/ Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Chandigarh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 1/4th share in property No. B-I/184, at Kailash Chowk, situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:-

- (1) Shri Chaman Lal Chaudhry, s/o Late Shri Girdharl Lal, 50, The Mall, Mcerut Cantt. (Transferor)
- Shri Daulat Ram, B-I, 1371, Chhawni Mohalla, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kallash Chowk, Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 10538 of March, 1975 of the Registering Officer, Ludhlana.)

> V. P. MINOCHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 6.12,1975,

(Transferee)

FORM ITNS ---

(1) Shri Chaman Lal Chaudhry, s/o Late Shri Girdhari Lal, 50, The Mall, Meerut cantt. (Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur, w/o Shri Krishan Kumar, of M/s Rekha Lands, B-1/793, Chhawni, Mohalla,

(1141010)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE CHANDIGARH

Chandigarh, the 6th December 1975

Ref No. LDH/1330/75-76.—Whereas, I V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigath,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1/4th sare in property No. B-I/184, at Kailash Chowk, situated at Ludhiana.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

30-366GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Ludhinan.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th share in the property bearing No. B-I/184, Kailash Chowk, Ludhlana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 10538 of March, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 6.12.1975.

Soal:

(1) Shri Vazhuvalli Oommen Michael

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Dhulasi Co. op. Housing Society Ltd. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE BOMBAY

Bombay, the 25th November 1975

Ref AR. V/307/75-76.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V Bombay,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 142 Hissa No. 1 (part) situated

at Nahur (Mulund)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Bombay on 2.4.1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground situate lying and being at Nahur (Mulund) in the Registration Sub-District of Bandra, Bombay City and Bombay Suburban District containing by admeasurement of 1243 sq. yds. i.e. 1039.309 sq. metres or thereabouts being Plot No. 9 and being Survey No. 142 Hissa No. 1 (part) being City survey No. 669 and bounded as follows: that is to say on or towards the North by Sub-divided Plot No. 6 on or towards the south partly by sub-divided Plot No. 4 andpartly by Sub-divided Plot No. 5 on or towards the west by sub-divided Plot No. 3 and on or towards the east by recreation space.

J. M. MEHRA
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Chandigarh.

Date: 25-11-1975

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No.ARI/1172--13/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax. Acquisition Range-I, Bombay

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot 423 of TPS-III, Mahim, situated at Mahim (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis-

tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Crecencio Anthony Francis Gonsalves alias Gracious Gonsalves & Others.

  (Transferor)
- (2) Mahim Land Mark Co-operative Housing Society Ltd. (Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All the piece or parcel of freehold land or ground situate at Mahim in the Registration Sub District of Mahim, Bombay, bearing Final Plot No. 423 of Town Planning Scheme No. III, Mahim, admeasuring 2,249 sq. yards or thereabouts, equivalent to 1880.5 sq. metres or threabouts and bounded as follows: That is to say on or towards the North by Final Plot No. 424 or 424A, on or before the South by Final Plot No. on or towards the East by Tulsi Pipe Road (now known as Senapati Bapat Marg) and on or towards the West by Final Plot No. 424.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1173-14/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-1, Bombay

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nos. S.C.S. 392 & 1/392 of Malabar and Cumballa Hill Division situated at Siri Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shantikumar Chiranjilal Layalka & Liladevi Shantikumar Loyalka. (Transferor)
- (2) Sharma Estate & Builders (P) Ltd.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situate at SIRI Road, Bombay, admeasuring about 1363, bearing parts CS.Nos. 392 & 1/392 of Malabar & Cumballa Hill Division, floor space index in respect of the property situate on the South west side of Siri Road in Bombay admeasuring 582, sq.mts, and bearing parts of C.S.Nos. 392 & 1/392 of Malabar and Cumballa Hill Division.

V. R. AMIN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

FORM ITNS----

(1) Usha Arunrao Supanekar & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Bhadra & Associates.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1168-9/April 75.—Whereas, I, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-I, Bombay

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C.S. 1120 Matunga Division

situated at Plot No. 153 of Dadar-Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

C.S.No. 1120 Matunga Division. Plot No. 153 of Dadar Matunga Estate of the Municipal Corporation admeasuring 605 sq. yds. along with building thereon consisting of ground floor and two floors.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

### FORM ITNS----

(1) Dr. Gurcharan Singh Dugal & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ramon & Demm Ltd. & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Occupants.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400002.

Bombay-400002, the 27th November 1975

Ref. No. ARI/1161-2/April 75.—Whereas, 1, V. R. AMIN, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-1, Bombay

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S.1605 of Fort Division

situated at 17B Dinshaw Vachha Road Backbay Reclamation (and more fully described in the

schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 2-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitatin gthe concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land known as Plot No. 169 in Block II of parcels of the Backbay Reclamation Estate of the Government of Maharashtra of leasehold tenure with the messuages, tenement or dwelling house standing thereon known as Dugal House situate lying and being at 17B, Dinshaw Vachha Road, on the Backbay Reclamation in the Registration Sub-District of Bombay in the Island of Bombay, containing by admeasurement 2050 sq.yds. equal to 1714 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Bombay, under Rent Roll No. 10200 and bearing Cadastral Survey No. 1605 of Fort Division, and in the Books of the Assessor and Collector of Municipal Rates & Taxes under A Ward No. A-1315(92A) and Street No. 17B and bounded as follows: that is to say, on or towards the East by plot No. 168 of Bombay Reclamation Estate, on or towards the West by Plot No. 170 of Backbay Reclamation Estate, and on or towards the South by fifty feet road.

V. R. AMIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 27th November, 1975.

FORM ITNS ---

(1) Ruby Construction Company

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kiran Jain.

(Transferce)

1AA ACI, 1901 (49 OF 1901)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd November 1975

Ref. No. TR-5/C-5/CAL-1/75-76.—Whereas, 1, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 75C (Unit No. 4A), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5. Govt. Place North, Calcutta, on 25-4-75,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 4A, on 4th floor at premises No. 75C Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range-I, 54, Rafl Ahmed
Kidwai Road, Calcutta.

Date: 22-11-75.